THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 258 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.10 2081 मंगलवार, 10 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आज दिल्ली की तरफ कूच नहीं करेंगे किसान

पटियाला (पंजाब), 9 दिसंबर (एजेंसियां)। शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान मंगलवार को दिल्ली कूच नहीं करेंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि कल आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। किसान शुक्रवार और रविवार को आगे बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों ही बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोक दिया। वहीं सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि मामला पहले ही विचाराधीन है। एक ही मुद्दे पर बार-बार याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। याचिका में पंजाब में उन राजमार्गों से अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र और अन्य प्राधिकारों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

राजस्थानियों का दिल बहुत बड़ा है : पीएम

> राजस्थान राइजिंग तो है ही रिलायबल भी है > चुनौतियों से टकराने का नाम राजस्थान है

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राजस्थान राइजिंग तो है ही रिलायबल भी है। राजस्थान रिसेप्टिव भी है। समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। चुनौतियों से टकराने का नाम राजस्थान है। नए अवसर बनाने का नाम है राजस्थान। राजस्थान के इस आर फैक्टर में एक और नाम जुड़ गया है। राजस्थान के लोगों ने भारी बहुमत से रिस्पोंसिव रिफॉर्मिव सरकार बनाई है। जिस तरह राजस्थान का क्षेत्रफल बड़ा है, उसी तरह यहां के लोगों का दिल भी बहुत बड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार सुबह करीब 10:10 बजे जयपुर पहुंचे। यहां सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट का उद्घाटन किया। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तक मोदी कार्यक्रम में रहे। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे और हरियाणा के लिए रवाना हुए।

35 लाख करोड़ का विभिन्न कंपनियों से एमओयू हुआ :

स्वागत भाषण मे सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा– समिट से पहले ही सरकार 35 लाख करोड़ का विभिन्न कंपनियों से एमओयू कर चुकी है। इसका लाभ सीधे राजस्थान और यहां के लोगों को मिलेगा। अब कृषि के साथ ही उद्योगों को भी पर्याप्त पानी मिल पाएगा। हमने पहले साल में समिट का आयोजन इसलिए किया है कि अगले 4 सालों में हम निवेश को धरातल पर उतार सकें।

बीमा सखी योजना की शुरूआत

पानीपत (हरियाणा), 9 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत के सेक्टर-13-17 मैदान से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया।

पीएम ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में बीमा सखी योजना शुरू की। बीमा सखी योजना कार्यक्रम का थीम भी स्वावलंबी नारी खुशहाली हमारी रखा था। इस दौरान पीएम के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल समेत तीन केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे। वहीं, प्रधानमंत्री मंच से हरियाणा, हिमाचल और त्रिपुरा की महिलाओं को बीमा सखी योजना का पत्र दिए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज महिला विकास की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। >14

जर्मनी का नागरिक बन गया चार बार विधायक हाई कोर्ट भी हैरान, 30 लाख रुपये जुर्माना

✲ चार बार चुनाव जीत चुके हैं रमेश

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस बात पर भरोसा कर पाना मुश्किल है कि कोई शख्स भारत के किसी राज्य में चार बार विधायक रहा हो और वह देश का नागरिक ही ना हो। तेलंगाना हाई कोर्ट के एक ताजा फैसले से ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता चेन्नामनेनी रमेश जर्मन नागरिक हैं और उन्होंने वेमुलावाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया।

अदालत ने कहा कि चेन्नामनेनी रमेश ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके खुद को भारतीय नागरिक दिखाया। कोर्ट ने यह फैसला कांग्रेस के नेता आदी श्रीनिवास की ओर से दायर याचिका पर दिया। अदालत ने माना कि चेन्नामनेनी रमेश जर्मन दूतावास से ऐसे दस्तावेज अदालत के सामने पेश करने में फेल रहे कि वे अब उस देश (जर्मनी) के नागरिक नहीं हैं। अदालत ने रमेश पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इसमें से 25 लाख रुपये आदी श्रीनिवास को दिए जाएंगे। श्रीनिवास ने नवंबर 2023 में रमेश को विधानसभा चुनाव में हरा दिया था। अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस नेता आदी श्रीनिवास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, पूर्व विधायक चेन्नामनेनी रमेश पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, वह जर्मन नागरिक के तौर पर झूठे दस्तावेजों के आधार पर विधायक चुने गए थे। रमेश वेमुलावाड़ा सीट से चार बार विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। 2009 में उन्होंने टीडीपी के टिकट पर चुनाव जीता था जबकि 2010 से 2018 तक तीन बार बीआरएस के टिकट पर विधायक चुने गए। कानून के मुताबिक, गैर-भारतीय नागरिक चुनाव नहीं लड़ सकते और वोट भी नहीं दे सकते। साल 2020 में केंद्र सरकार ने तेलंगाना हाई कोर्ट को बताया था कि रमेश के पास जर्मन पासपोर्ट था और यह 2023 तक वैध था। >14

'सोनिया अलग कश्मीर समर्थक संगठन से जुड़ीं'

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जुड़ी हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इस संगठन को जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन की तरफ से फंडिंग मिलती है। इस संगठन का नाम फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पेसिफिक (एफडीएल-एपी) है।

संजय मल्होत्रा होंगे नए आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे। वे वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के आईएएस अधिकारी और वर्तमान में राजस्व विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत संजय मल्होत्रा को गवर्नर के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। उनका कार्यकाल तीन वर्षों का होगा।

यह कार्यकाल 11 दिसंबर, 2024 से प्रभावी होगा। वह शक्तिकांत दास का स्थान लेंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में दो कार्यकाल पूरे कर लिए हैं। आईएएस अधिकारी संजय मल्होत्रा के पास वित्त, कराधान, बिजली, सूचना प्रौद्योगिकी और खनन सहित प्रमुख क्षेत्रों में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अनुभवी नौकरशाह मल्होत्रा शीर्ष बैंक के 26वें गवर्नर होंगे, जो दास का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल मंगलवार को समाप्त होने वाला है। दिसंबर 2018 में आरबीआई गवर्नर के रूप में नियुक्त किए गए दास ने हाल के दशकों में मानक पांच साल के कार्यकाल को पार कर लिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने एक अधिसूचना में कहा कि 1990 बैच के राजस्थान कैडर के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा 11 दिसंबर, 2024 को तीन साल की अवधि के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। मल्होत्रा की नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हुई है, जब आरबीआई मुद्रास्फीति नियंत्रण और आर्थिक विकास में मंदी जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। मल्होत्रा वर्तमान में वित्त मंत्रालय में सचिव (राजस्व) के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, उन्होंने वित्तीय सेवा विभाग में भी सचिव का पद संभाला था।

अदाणी मुद्दे पर संसद परिसर में विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं ने सोमवार को संसद परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अदाणी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय जांच की भी मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अन्य सांसदों के साथ संसद के मकर द्वार के बाहर मोदी अदाणी एक है और हमें न्याय चाहिए के नारे भी लगाए। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी (सपा) और आम आदमी पार्टी (आप) इस प्रदर्शन का हिस्सा नहीं थे।

'वन नेशन-वन इलेक्शन' इस सत्र में पेश हो सकता है

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार संसद के मौजूदा सत्र में ही 'वन नेशन-वन इलेक्शन' बिल पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा।

जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। इसके अलावा सभी राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और देशभर के बुद्धिजीवियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। आम लोगों की भी राय ली जाएगी। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट ने वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। कैबिनेट मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 'पहले फेज में विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे। इसके बाद 100 दिन के भीतर दूसरे फेज में निकाय चुनाव साथ कराए जाएं। वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल बनाया गया था। इस पैनल ने स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

जगदीप धनखड़ के खिलाफ राज्यसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

सपा-टीएमसी ने दिया समर्थन

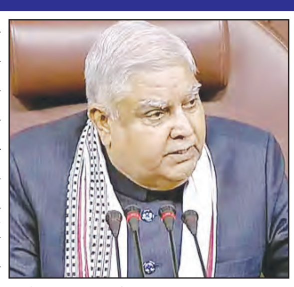

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के चालू शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों का तापमान हाई है। अब विपक्षी इंडिया ब्लॉक राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्षी गठबंधन एकजुट हो गया है और समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में बताए जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शनों से दूर-दूर नजर आ रहे टीएमसी और सपा के सांसदों ने भी अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक विपक्षी दल मंगलवार को राज्यसभा में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं। बताया जाता है कि अविश्वास प्रस्ताव तैयार है और इस पर 70 सदस्यों ने हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। बताया जाता है कि सोमवार को राज्यसभा में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर हंगामे के दौरान सभापति जगदीप धनखड़ के रुख को देखते हुए कांग्रेस उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सोमवार को जॉर्ज सोरोस से जुड़े मुद्दे पर जिस तरह से राज्यसभा में हंगामा हुआ, उसे लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य सभापति जगदीप धनखड़ से नाराज बताए जा रहे हैं। सदन में हंगामे के दौरान भी दिग्विजय सिंह से लेकर राजीव शुक्ला तक, कांग्रेस सांसदों ने सभापति पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि किस नियम के तहत उन्होंने चर्चा चालू की है। विपक्षी सदस्यों ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि सभापति बीजेपी सदस्यों के नाम ले-लेकर उनसे बोलने के लिए कह रहे हैं। गौरतलब है कि राज्यसभा के सभापति को हटाने के लिए प्रस्ताव 50 सदस्यों के हस्ताक्षर की जरूरत होती है। सभापति धनखड़ के खिलाफ प्रस्ताव पर 70 सदस्यों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। विपक्ष की ओर से सभापति को हटाने के लिए प्रस्ताव लाए जाने की चर्चा संसद के पिछले मॉनसून सत्र के दौरान भी थी लेकिन तब विपक्ष ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था। राज्यसभा के सभापति को पद से हटाने के लिए कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ प्रस्ताव सचिवालय को भेजना होता है। कम से कम 14 दिन पहले दिए गए इस नोटिस के बाद राज्यसभा में उपस्थित सदस्यों के बहुमत के आधार पर प्रस्ताव पारित होने के बाद इसे लोकसभा भेजना होता है।

किसान न्याय की गुहार लगा रहे, केंद्र ने बार-बार धोखा दिया : खड़गे

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को कहा कि किसान न्याय की गुहार लगा रहे हैं क्योंकि मोदी सरकार ने उन्हें बार-बार धोखा दिया है। साथ ही जोर देकर यह भी कहा कि किसानों से उनकी आवाज उठाने का अधिकार नहीं छीना जाना चाहिए।

उम्मीद है कि पीएम अन्नदाता के जद्दोजहद को समझेंगे :

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा कि किसान को बार-बार क्यों न्याय के लिए दिल्ली की दहलीज पर आना पड़ रहा है। खड़गे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज जब हरियाणा व राजस्थान के दौरे पर होंगे, तो मुझे उम्मीद है कि आप अन्न उपलब्ध कराने वाले किसान के जद्दोजहद को समझने की कोशिश जरूर करेंगे। किसान न्याय की गुहार इसलिए लगा रहे हैं, क्योंकि बार-बार आपकी सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी न करने का धोखा, स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार इनपुट लागत +50 प्रतिशत एमएसपी लागू न करने का धोखा और एमएसपी को कानूनी दर्जा देने के लिए एक समिति बनाने, लेकिन उस पर कार्रवाई न करने का धोखा।

किसानों पर दागी लाठियां :

उन्होंने आगे कहा कि न पर्याप्त खरीदी, न उचित दाम, न कानूनी गारंटी का इंतजाम, ऊपर से खाद-डीएपी व उर्वरकों की भारी किल्लत से किसान परेशान! आपने किसानों की राह पर कंटीले तारों का जाल बिछाया, फिर से दिल्ली बॉर्डर को छावनी बनाया, आंसू गैस से उनकी शांतिपूर्ण कूच को रोकने का प्रयास किया। इससे पहले उनपर रबर बुलेट दागे और लाठियां बरसाईं। कांग्रेस नेता ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि यही नहीं, संसद में आपने खुद किसानों पर आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक टिप्पणी की और 750 शहीद किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखना भी मुनासिब नहीं समझा।

'जब आप हमारी जमीन कब्जाने आएंगे, तब हम क्या लॉलीपॉप खाएंगे'

✲ बांग्लादेश पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी राजनेताओं के एक वर्ग पर कटाक्ष करते हुए ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जब आप हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे, तब क्या भारतीय लॉलीपॉप खाते रहेंगे। दरअसल बांग्लादेश के कुछ नेताओं ने हैरान करने वाला बयान देते हुए कहा है कि बंगाल, बिहार और ओडिशा पर बांग्लादेश के वैध दावा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बोलते हुए ममता बनर्जी ने राज्य के लोगों से शांत रहने और बांग्लादेश में दिए जा रहे उत्तेजक बयानों से गुस्सा न होने का आग्रह किया। उन्होंने ये भी कहा कि पश्चिम बंगाल हमेशा केंद्र द्वारा लिए गए किसी भी फैसले के साथ खड़ा रहेगा।ममता बनर्जी ने बांग्लादेशी नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि वे शांत और स्वस्थ रहें और मन को शांत रखें। गौरतलब है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक नेता ने हाल ही में ढाका में एक सार्वजनिक बैठक में कहा कि 'उनके देश का बंगाल, बिहार और ओडिशा पर वैध दावा है।' ममता बनर्जी ने भड़काऊ बयानों से प्रभावित न होने की अपील करते हुए कहा कि हमारे यहां के इमामों ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा, हिंदुओं और मुसलमानों तथा अन्य सभी समुदायों की रगों में एक ही खून बहता है। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पश्चिम बंगाल में स्थिति को खराब न होने दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल देश का पहला राज्य है जहां जाति, पंथ या समुदाय से ऊपर उठकर लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ सामूहिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ ही मीडिया से भी पड़ोसी देश की स्थिति पर जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करने की अपील की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी तृणमूल कांग्रेस, विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा, हमारे विदेश सचिव बातचीत के लिए बांग्लादेश में हैं। हमें इस मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा नहीं बोलना चाहिए।

इंद्राणी की विदेश यात्रा से जुड़ी याचिका पर सीबीआई को नोटिस

✲ सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। शीना बोरा हत्याकांड की मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उनके विदेश यात्रा करने की अनुमति पर रोक लगाई हुई है। हालांकि, सोमवार को शीर्ष अदालत ने मुखर्जी की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा है।

19 जुलाई को विशेष सीबीआई अदालत ने दी थी अनुमति :

इससे पहले 29 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को इंद्राणी मुखर्जी को झटका देते हुए विशेष अदालत के आदेश पर अनुमति पर लगी रोक को बढ़ा दिया था। जिसमें पूर्व मीडिया एक्जीक्यूटिव इंद्राणी मुखर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। बता दें कि 19 जुलाई को विशेष सीबीआई अदालत ने जमानत पर रिहा इंद्राणी मुखर्जी को अगले तीन महीनों के दौरान बीच-बीच में 10 दिनों के लिए यूरोप (स्पेन और यूनाइटेड किंगडम) की यात्रा करने की अनुमति दी थी।

विदेश जाने की अनुमति देना उचित नहीं :

सीबीआई के अधिवक्ता श्रीराम शिरसाट ने तर्क दिया था कि इंद्राणी मुखर्जी को देश से बाहर (यात्रा के लिए) जाने की अनुमति देना उचित नहीं होगा, क्योंकि वह विचाराधीन मुख्य आरोपी हैं। विशेष अदालत ने इंद्राणी मुखर्जी को यात्रा के दौरान (स्पेन और यूके में) भारतीय दूतावास या उसके संबद्ध राजनयिक मिशन कार्यालयों में उपस्थित होने और उपस्थिति प्रमाण पत्र प्राप्त करने और दो लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि जमा करने का निर्देश दिया था।

सीबीआई ने विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। बाद में हाईकोर्ट ने 27 सितंबर को शेष अदालत के आदेश को रद्द कर दिया था।

'ईसी से संपर्क करें' सियासी दलों को पीओएसएच एक्ट के दायरे में लाने की मांग करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया, जिसमें मांग की गई थी कि सियासी दलों को महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के दायरे में लाया जाए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन ने याचिकाकर्ता योगमाया से कहा कि वह पहले चुनाव आयोग से संपर्क करें। चुनाव आयोग एक संविधानिक संस्था है, जो राजनीतिक दलों के कामकाज को नियंत्रित करती है और उनकी गतिविधियों को देखती है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता पेश हुईं। उन्होंने कोर्ट में दलील दी कि राजनीति में महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए इस अधिनियम को राजनीतिक दलों पर लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पॉश अधिनियम की परिभाषा पहले से ही स्पष्ट है, यह सभी महिलाओं के उत्पीड़न को कवर करता है, चाहे वह किसी भी कार्यस्थल पर हो।

याचिका में सभी छह राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को जवाबी पक्ष बनाया गया था। कोर्ट ने पूछा कि अगर अनौपचारिक क्षेत्र (जैसे कि छोटे या असंगठित स्थान) में उत्पीड़न की शिकायत होती है, तो उसका क्या होता है? इसके जवाब में वकील ने कहा कि इसे पॉश अधिनियम की धारा 2 (पी) और 6 के तहत कवर किय गया है। इसके तहत कार्यस्थल की परिभाषा में निजी उद्यम, समाज, ट्रस्ट, एनजीओ जैसे छोटे संगठन भी शामिल किए गए हैं।

कोर्ट ने यह भी पूछा कि राजनीतिक दलों को कानूनी रूप से किस प्रकार का दर्जा हासिल है और पंजीकरण के लिए कौन से प्रपत्रों की जरूरत होती है? वकील ने बताया कि सियासी दलों को संविधानिक जरूरतों का पालन करना होता है और उन्हें अपनी उद्देश्य पत्रिका (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) बनानी होती है।

धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता आरक्षण, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता। कोर्ट पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दी थी।

राज्य में जिन जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा दिया गया था, उसे हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया था। याचिका पर सुनवाई जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने की। बेंच ने कहा, आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, यह धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर है। पश्चिम बंगाल में कई जातियों को ओबीसी का दर्जा दिया गया था। हाईकोर्ट इसे अवैध बताते हुए खारिज कर दिया था।

राज्यसभा के उपचुनाव के लिए भाजपा ने की उम्मीदवारों की घोषणा

✲ आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैया प्रत्याशी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने आंध्र प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा में होने वाले राज्यसभा के उप-चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैया, हरियाणा से रेखा शर्मा और ओडिशा के सुजीत कुमार को टिकट मिला। बता दें कि राज्यसभा की छह रिक्त सीटों पर 20 दिसंबर को चुनाव होंगे। नतीजे इसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे। इन छह सीटों में से तीन सीटें आंध्र प्रदेश की हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, हरियाणा और ओडिशा की एक-एक सीट पर चुनाव कराए जा रहे हैं। सभी सीटें मौजूदा सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं।

20 दिसंबर को चुनाव :

उपचुनाव से जुड़ी अधिसूचना तीन दिसंबर को जारी की गई। नामांकन की आखिरी तारीख 10 दिसंबर तय की गई है। 11 दिसंबर को नामांकन की जांच होगी। उम्मीदवार 13 दिसंबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव 20 दिसंबर को कराए जाएंगे और नतीजे इसी दिन जारी कर दिए जाएंगे। चुनाव आयोग को 24 दिसंबर से पहले इन सीटों पर चुनाव संपन्न कराना है।

सबसे ज्यादा सीटों पर आंध्र प्रदेश में उपचुनाव :

आंध्र में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के राज्यसभा सदस्य एम वेंकट रमन्ना, बी मस्तान राव यादव और बीसी नेता आर कृष्णैया के इस्तीफे के बाद तीन सीटें खाली हुई हैं। वर्तमान में वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पार्टी के पास केवल आठ राज्यसभा सदस्य हैं। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 20 दिसंबर को होने वाले उपचुनावों में राज्यसभा की तीनों सीटें जीतने का प्रबल दावेदार है।

मनीष सिसोदिया पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से लड़ेंगे

> उनकी सीट अवध ओझा को दी > आप की दूसरी लिस्ट में 20 नाम

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार (9 नवंबर) को दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 20 उम्मीदवारों के नाम हैं। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। पहले वे पटपड़गंज से चुनाव लड़ते थे।

आप ने यूपीएससी टीचर अवध ओझा को पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया है। ओझा ने 2 दिसंबर को ही पार्टी जॉइन की थी। आप की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया था। वहीं, आप ने तिमारपुर से मौजूदा विधायक दिलीप पांडेय का टिकट काट दिया। उनकी जगह दो दिन पहले भाजपा से आप में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को उम्मीदवार बनाया है। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था, जिसमें आप ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं। भाजपा सिर्फ 8 सीटें जीतने में सफल रही थी। कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था।

तिमारपुर से दिलीप पांडेय का टिकट कटा, पार्टी में विरोध

तिमारपुर से दिलीप पांडेय का टिकट कट गया है। उनकी जगह 6 दिसंबर को भाजपा छोड़कर आप में शामिल हुए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू को टिकट दिया गया है। विरोध में तिमारपुर में मंडल और बूथ स्तर के 67 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंप दिया है।

आप 20 से 30 मौजूदा विधायकों के टिकट काटेगी

दिल्ली में आप 10 साल से सत्ता में काबिज है। पार्टी सत्ता विरोधी लहर की काट के तौर पर अपने 20 से 30 उन मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की रणनीति अपना रही है, जहां उनके खिलाफ जनता में नाराजगी है। इसमें कई बड़े चेहरे भी शामिल हैं। कुछ लोगों का सीट भी बदलने की रणनीति अपनाई जा रही है।

दो घंटे ठप रही वेबसाइट टिकट बुकिंग कैंसिलेशन सब था बंद

रेलवे के पास कोई जवाब नहीं

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आईआरसीटीसी की वेबसाइट आज सुबह ही ठप हो गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि तत्काल टिकट बुकिंग के समय ही आईआरसीटीसी की साइट ठप है। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर मैसेज मिल रहा है फिलहाल मेंटेनेंस का काम चल रहा है। इसलिए अगले 1 घंटे तक कोई बुकिंग नहीं होगी। कई यूजर्स ने भी सोशल मीडिया पर आउटेज को लेकर शिकायतें की हैं। डाउनडिटेक्टर ने भी वेबसाइट के आउटेज की पुष्टि की है। आईआरसीटीसी की सर्विस डाउन होने के बाद एक्स पर तत्काल और आईआरसीटीसी दोनों कीवर्ड ट्रेंड कर रहे हैं। आमतौर पर मेंटेनेंस का काम रात में 11 बजे के बाद होता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कहीं यह साइबर अटैक तो नहीं है।

दिल्ली के बाद अब नागपुर में बम धमाकों की धमकी

होटल द्वारकामाई को आया ईमेल, मौके पर पुलिस पहुंची

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नागपुर के गणेशपेठ कॉलोनी इलाके में होटल द्वारकामाई में बम की धमकी वाला मेल मिला है। बम निरोधक दस्ता और पुलिस की टीमें फिलहाल मौके पर हैं। दिल्ली के 40 स्कूलों को सोमवार को बम की धमकी वाला मेल मिला और मेल में 30,000 अमेरिकी डॉलर की मांग की गई है।

धमकी एक ही ई-मेल के जरिए दिल्ली के प्रमुख स्कूलों को भेजी गई थी, जिनमें आरके पुरम का दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), पश्चिम विहार का जीडी गोयनका, चाणक्यपुरी में द ब्रिटिश स्कूल, अरबिंदो मार्ग स्थित द मदर्स इंटरनेशनल, मंडी हाउस का मॉडर्न स्कूल, डीपीएस वसंत कुंज, सफदरजंग का दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल, डीपीएस ईस्ट ऑफ कैलाश और सलवान पब्लिक स्कूल शामिल हैं। इससे पहले 29 नवंबर को रोहिणी में वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल को एक ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इससे एक दिन पहले ही प्रशांत विहार इलाके में हुए कम तीव्रता वाले विस्फोट हुआ था। जिसमें एक शख्स घायल हो गया। राजधानी में लगातार इसी तरह की धमकियां मिल रही है।

खबरें जरा हटके

क्या नागदेव ने दिखाया चमत्कार? पकड़ने के बाद भी कोबरा लापता

डिब्बा बंद, गाड़ी लॉक, फिर कैसे हुआ गायब?

कोबरा का नाम सुनते ही हर किसी के मन में डर पैदा हो जाता है. भगवान का सम्मान और अपनी जान का भय-दोनों साथ चलते हैं. सांप के डसने का डर ऐसा है कि लोग उसकी पूजा करने लगते हैं. ऐसा माना जाता है कि नागदेव ही एकमात्र ऐसे भगवान हैं जो साक्षात दिखाई देते हैं. इसी आस्था ने सदियों से नागराज को पूजनीय बनाए रखा है.

गांव में कोबरा ने मचाई दहशत

दरअसल, बेलगावी तालुक के बालेकुंद्री गांव में बीते दिनों एक कोबरा ने अजीबो-गरीब हलचल मचाई. यह गेहूं के रंग का कोबरा हर रोज किसी न किसी के घर में दिखाई दे रहा था. हालांकि, इसने अब तक किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया, लेकिन इसके अचानक आने-जाने ने पूरे गांव को डरा दिया. बता दें कि पिछले 15 दिनों से गांववाले खिड़कियां और दरवाजे शाम होते ही बंद कर ले रहे थे. अंधेरे में बाहर निकलने से लोग डरने लगे थे. कोबरा को पकड़ने के लिए, एक सांप विशेषज्ञ, सचिन को बुलाया गया. कई प्रयासों के बाद, सचिन ने इस चार फुट लंबे कोबरा को पकड़ लिया और प्लास्टिक के डिब्बे में बंद कर दिया. बता दें कि सचिन ने कोबरा को रातभर अपनी गाड़ी में रखा, लेकिन सुबह तक सांप गायब हो चुका था. डिब्बे का ढक्कन बंद था और गाड़ी भी लॉक थी.

बावजूद इसके, कोबरा का कहीं कोई निशान नहीं मिला. गांव में यह पहली बार नहीं हुआ. डेढ़ साल पहले भी ऐसा ही एक कोबरा गायब हुआ था. गांववालों का मानना है कि यह नागदेव का चमत्कार है. यह सांप कहीं भी प्रकट होता है और फिर गायब हो जाता है. इस रहस्यमयी कोबरा ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया, लेकिन गांववालों के दिलों में डर और आस्था दोनों को बढ़ा दिया है. हर कोई यह सोचकर सहमा है कि अब यह सांप किसके घर में दिखाई देगा.

लिखता नहीं टाइप करता है लड़का खरीदता है सिर्फ 9 रुपये की पेन

हैंडराइटिंग इतनी सुंदर, मानो अक्षर नहीं मोती हों!

कहते हैं ना कि प्रतिभा इंसान की हैसियत या उसकी सुविधाएं देखकर नहीं आती. ये तो कुदरत की देन है, जो किसी के अंदर भी हो सकती है. इसके लिए ज्यादा पैसे या एप्रोच की जरूरत नहीं होती. ऐसी ही एक प्रतिभा है सुंदर हैंडराइटिंग का होना. आपने अपनी जिंदगी में बहुत सी खूबसूरत हैंडराइटिंग देखी होंगी लेकिन कुछ लोगों के अक्षर इतने खूबसूरत होते हैं कि बस मन करता है कि इन्हें लिखते हुए देखते ही रहें. आज एक ऐसे ही लड़के के बारे में आपको बताएंगे, जो लिखता नहीं है, लगता है कि हाथों से बिल्कुल टाइप कर रहा है. आप उसकी लिखावट देखकर दंग रह जाएंगे. उस पर भी सबसे ज्यादा दिलचस्प तो ये है कि वो इसके लिए किसी महंगे पेन में पैसे बर्बाद नहीं करता. साधारण से पेन से वो इतना सुंदर लिख देता है कि देखने वाले मंत्रमुग्ध हो जाएं.

हैंडराइटिंग है या कम्प्यूटर की टाइपिंग!

लड़के ने अपनी सुंदर राइटिंग के डिस्प्ले के लिए खासतौर पर एक इंस्टाग्राम अकाउंट बना रखा है. इंस्टा हैंडल से वो अपनी हैंडराइटिंग के वीडियो डालता रहता है. ऐसे ही एक वीडियो में वो इंग्लिश में प्रिंटेड लेटर्स को लिख रहा है. आप उसके एक-एक अक्षर को लिखते हुए देखकर न सिर्फ चकित हो जाएंगे बल्कि मन करेगा बस उसे लिखते हुए देखते जाएं. दिलचस्प ये भी है कि उसे लिखने के लिए न तो ज्यादा वक्त लग रहा है, न ही किसी खास एफर्ट की जरूरत है.

दिल्ली का 5 स्टार होटल ऑफर कर रहा है 'साफ हवा'

अरबपति ने शेयर की तस्वीर, लोगों ने पूछा-'सिर्फ अमीर सांस लेंगे?'

दीपावली के बाद से ही कुछ हफ्तों तक दिल्ली की हवा इतनी जहरीली हो जाती है कि सांस तक लेना मुश्किल हो जाता है. आपने अवसर वाला जुमला तो सुना ही होगा. कुछ ऐसा ही दिल्ली के बड़े-बड़े होटल भी कर रहे हैं. वे पिछले कुछ हफ्तों में दिल्ली की हवा में जहर घुलने के बाद अब एक अनोखी सर्विस लॉन्च कर रहे हैं. राष्ट्रीय राजधानी के 5 स्टार होटलों ने कमरे में स्वच्छ हवा एक सर्विस के तौर पर मुहैया कराने की पहल शुरू कर दी है. इस साल नवंबर में दिल्ली की हवा सबसे खराब घोषित की गई. हवा का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानि AQI लगभग हर दिन "बहुत खराब" की कैटेगरी में रहा. इनमें से छह दिन तो ऐसे थे, जब ये "गंभीर" यानी 'सिवियर' स्तर पर पहुंच गया और दो दिन इससे भी बुरा रहा. ऐसे में स्वच्छ हवा वाले कमरे देने की सर्विस शुरू कर दी गई है.

विदेशों से भी साफ हवा देने का ऑफर

अमेरिकी अरबपति ब्रायन जॉनसन ने अपने एक्स अकाउंट से दिल्ली के द ओबेरॉय के एक साइनबोर्ड की तस्वीर शेयर की है. इस पर लिखा था, "हमारे गेस्टरूम की एवरेज एयर क्वालिटी 2.4 है," हर कमरे में लगाए गए स्मार्ट एयर फ़िल्टर की वजह से. जॉनसन ने अपनी पोस्ट में मजाकिया अंदाज में लिखा, "होटल एक सेवा के रूप में स्वच्छ हवा बेच रहा है." इसके बाद तो ये पोस्ट चर्चा का विषय बन गई. जॉनसन के ही एक्स थ्रेड में अमेरिका में काम कर रहे एक भारतीय इंजीनियर डीडी दास ने भी साइनबोर्ड शेयर किया. इसमें होटल ताज पैलेस की तस्वीर शेयर की गई थी, जिसमें बताया गया था कि होटल गेस्ट रूम का AQI 58 दे रहा है, जबकि बाहर शहर में AQI 397 है. सोशल मीडिया पर ये चर्चा और लंबी चली और लोगों ने इस बात पर चिंता जाहिर की है कि हमने धरती को क्या बना दिया? स्वच्छ हवा यहां पर प्रीमियम सर्विस बन गई है.

कार हादसे में दो प्रशिक्षु पायलटों की मौत, दो घायल

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पुणे में एक कार के पेड़ से टकराने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रशिक्षु पायलट के तौर पर की गई है। यह घटना सुबह करीब साढ़े तीन बजे बारामती-भिगवान रोड पर घटी। नशे में गाड़ी चलाने से पहले पीड़ितों ने छोटी सी पार्टी की थी। दोनों की पहचान तक्षु शर्मा और आदित्य कनासे के तौर पर हुई है। वाहन चला रहे कृष्ण सिंह और चेष्टा बिश्नोई घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पिंपरी चिंचवड़ के एक गोदाम में लगी भीषण आग

पुणे के पिंपरी चिंचवड़ के चिखली इलाके में एक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की छह गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। नवी मुंबई में बुजुर्ग से 58 लाख रुपये की धोखाधड़ी

नवी मुंबई के ठाणे में एक 60 वर्षीय व्यक्ति को शेयरों में निवेश करने का लालच देकर साइबर जालसाजों ने 58 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने सोमवार को घटना की जानकारी दी।

शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने बताया आरोपी ने अक्तूबर में उससे संपर्क किया था और निवेश में आकर्षक रिटर्न की पेशकश की। आरोपी ने उस व्यक्ति को ऑनलाइन लिंक भेजा और पैसे जमा करने के लिए इस लिंक का इस्तेमाल करने को कहा। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपने पैसे और रिटर्न के बारे में पूछा तो आरोपी ने उचित जवाब नहीं दिया। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने 16 अक्तूबर और 28 नवंबर के बीच 58 लाख रुपये खो दिए।

शंभू बॉर्डर खोलने की याचिका खारिज

> एससी ने फटकार लगाई, कहा-लोगों को दिखाने मुकदमा करने आ गए

पटियाला, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। किसानों के प्रदर्शन के चलते बंद शंभू बॉर्डर को खोलने के लिए लगाई गई याचिका को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के मामले पहले ही कोर्ट में चल रहे हैं, फिर बार-बार क्यों इस तरह की याचिका दाखिल की जा रही है।

कोर्ट ने आगे कहा कि याचिका दाखिल करने से ऐसी धारणा बन रही है कि यहां कोई व्यक्ति केवल लोगों को दिखाने के लिए और प्रचार के लिए मुकदमे करने के लिए आया है। आप पहले से चल रही याचिका में सहयोग करना चाहते हैं तो आपका स्वागत है। याचिका जालंधर के रहने वाले गौरव लूथरा ने लगाई थी। उन्होंने मांग की थी कि केंद्र सरकार के साथ हरियाणा और पंजाब की राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए कि शंभू बॉर्डर समेत उन सभी स्टेट-नेशनल हाईवेज को ट्रैफिक के लिए खोला जाए, जो किसानों की वजह से बंद किए गए हैं।

किसानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई

हाईवेज को इस तरह बंद करना नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। यह नेशनल हाईवे एक्ट के भी खिलाफ है, जो क्रिमिनल एक्टिविटी के दायरे में आता है। गौरव के वकील ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सड़क बंद होने की वजह से लोगों को दिक्कत होती है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका चल रही है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी बनाकर किसानों और सरकार से बातचीत कर मध्यस्थता करने को कहा था। हालांकि अभी तक कोई हल नहीं निकला। वहीं शंभू बॉर्डर पर आज (9 दिसंबर) को किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की मीटिंग होगी। जिसमें दिल्ली कूच को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। इसको लेकर किसान शंभू बॉर्डर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। पिछले 3 दिन में 2 बार किसानों ने दिल्ली जाने की कोशिश की लेकिन हरियाणा पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया इसके बाद शंभू बॉर्डर पर अंबाला के DC और SP ने पंजाब पुलिस के अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों से मीटिंग की। किसान नेता सरवन पंधेर ने कहा कि हरियाणा के प्रशासन ने एक दिन की मोहलत मांगी है। उनका कहना है कि 9 दिसंबर को पानीपत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा है। उसके बाद अधिकारियों से बातचीत कर दिल्ली जाने की छूट को लेकर हमें जानकारी देंगे। 8 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से 101 किसानों ने दिल्ली कूच करने की कोशिश की थी। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर और वाटर कैनन का इस्तेमाल कर किसानों को खदेड़ दिया। इसमें 8 किसान घायल हो गए। इसके बाद हरियाणा पुलिस ने किसानों के बैरिकेडिंग उखाड़ने की कोशिश का वीडियो जारी कर दिया। जिसमें किसान बैरिकेड पर लगी जाली को उखाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कोशिश के बाद पुलिस बार आंसू गैस के गोले दागे गए थे।

राज्यसभा में अचानक होने लगी महाभारत और धृतराष्ट्र की बात

> सभापति बोले-सोचिए मेरे दिल पर कितनी पीडा होती होगी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वें दिन यानी सोमवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा में भी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों सदनों में अदाणी और जॉर्ज सोरोस-सोनिया गांधी के बीच सांठगांठ मामले पर हंगामा देखने को मिला। राज्यसभा में हंगामे के बीच विपक्ष की ओर से सदन चलने की दुहाई दी जाती रही तो वहीं ट्रेजरी बेंच आक्रामक नजर आया। इसी बीच आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने जब परंपरा और पारित प्रस्ताव का हवाला देते हुए यह कहा कि सदन में प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही चलनी चाहिए, ऐसा हम चाहते हैं। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कुरुक्षेत्र दौरे का जिक्र करते हुए महाभारत के संजय का जिक्र कर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। सभापति धनखड़ ने कहा, 'कल मैं अंतरराष्ट्रीय

गीता महोत्सव में शामिल होने के लिए कुरुक्षेत्र गया था और वहां मुझे संजय की याद आई। तब कैसे संजय ने पूरा महाभारत देखकर धृतराष्ट्र को सुनाया था। यहां भी संजय हैं और इन्होंने भी पांच दिन देखा है कि सदन की कार्यवाही को किस तरह से बाधित किया गया, चलने नहीं दिया गया। संजय सिंह इस बार वेल में नहीं आए लेकिन देखा है कि कैसे बार-बार सदन को स्थगित करा दिया गया।'

क्या बोले थे आप सांसद?

इससे पहले आप सांसद संजय सिंह ने कहा, 'आपके समक्ष और इस सदन के समक्ष नेता सदन ने एक प्रस्ताव रखा कि शून्यकाल और प्रश्नकाल अनिवार्य रूप से चलना चाहिए, ताकि सत्ता पक्ष और विपक्ष के सारे सदस्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रख सकें।'

उन्होंने आगे कहा कि सांसदों के इतने अहम मुद्दे लगे हैं। इस पर सदस्यों ने भी सहमति जताई कि बाधा ना डाली जाए। इस पर सभापति धनखड़ ने उन्हें टोका और कहा, 'सोचिए मुझे कितनी पीड़ा होती होगी। जो आप बात कह रहे हैं उसे आप ही पहले भूल गए। किसी भी तरफ से रुकावट डाली जाए चाहें इधर से या उधर से मेरे दिल को चोट लगती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने भारतीय संविधान को अपनाने की एक सदी की चौथी तिमाही में प्रवेश करके अपना वर्तमान सत्र शुरू किया है। पूरे सप्ताह सदन नहीं चल सका। किसी को भी सदन को बाधित नहीं करना चाहिए।'

दो छात्रों ने पीजी की चौथी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

वजह जानने में जुटी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहिणी के सेक्टर-17 में अपने पीजी की चौथी मंजिल से संदिग्ध हालत में गिरने से दो छात्रों की मौत हो गई। दोनों छात्रों की पहचान ईशान निवासी भरतपुर और हर्ष निवासी पालम कॉलोनी, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात 1.10 बजे पुलिस को केएन काटजू मार्ग इलाके में दो लड़के छत से गिर जाने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल लड़कों को अस्पताल लेकर गई, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों छात्र चौथी मंजिल के रेलिंग के पास मौजूद थे। इसी दौरान एक नीचे गिरने लगा। दूसरे ने उसे पकड़ने की कोशिश की और दोनों नीचे गिर गए। दोनों डीटीयू कॉलेज और बीपीआईटी कॉलेज के छात्र थे। पुलिस इनके नीचे गिरने के कारणों की जांच कर रही है।

डिवाइडर से टकराने के बाद बेकाबू हुई कार

वाहन को मारी टक्कर; पांच छात्रों समेत सात की मौत

जूनागढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। जेतपुर-सोमनाथ हाईवे पर डिवाइडर से टकराने के बाद कार बेकाबू हो गई और दूसरी कार से टकरा गई। इस हादसे में पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद हैं।

तकनीकी खराबी के कारण कोच्चि जाने वाले विमान की आपातकालीन लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

चेन्नई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कोच्चि जाने वाले एक निजी विमान में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद सोमवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। विमान में 100 से अधिक यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। चेन्नई से 117 यात्रियों को लेकर विमान कोच्चि के लिए रवाना हुआ। बाद में तकनीकी गड़बड़ी का पता लगने के बाद पायलट ने विमान को वापस चेन्नई की तरफ मोड़ दिया और आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। तकनीकी खराबी का पता लगने के बाद विमान वापस लौट आया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, नौ दिसंबर को चेन्नई से कोच्चि जाने वाले विमान में तकनीकी खराबी का पता लगने के बाद उसे वापस लाया गया। विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। यात्रियों को भी सुरक्षित विमान से बाहर निकाला गया।

जम्मू-कश्मीर में बड़ी साजिश नाकाम

श्रीनगर-बारामूला हाइवे पर बैग में मिली आईईडी-सेना ने किया नष्ट

जम्मू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर टीसीपी पलहालन में एक संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। जांच के बाद पता चला कि बैग में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) प्लांट कर रखी थी। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर टीसीपी पलहालन में सोमवार को एक संदिग्ध बैग मिला। सूचना पर पहुंचे सुरक्षाबलों ने बैग की जांच की तो उसमें आईईडी मिला।

'हर चीज को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना चाहिए'

> सोनिया-सोरोस में सांठगांठ के आरोपों पर रिजिजू का वार

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के अंदर और बाहर अदाणी मुद्दे और जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस पार्टी के रिश्तों पर लगातार हंगामा जारी है। जहां सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने अदाणी मामले को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। वहीं भारत के खिलाफ भ्रामक प्रचार करने वाले जॉर्ज सोरोस के साथ कांग्रेस पार्टी के रिश्तों को लेकर भाजपा लगातार हमलावर है। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मुद्दे को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के सामने कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं से भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का आग्रह किया।

'हमें मामले को गंभीरता से लेना चाहिए'

किरेन रिजिजू ने कहा, 'मुझे लगता है कि देश के सामने कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जॉर्ज सोरोस और उनके

संबंध जो सामने आए हैं, हम इसे कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी से संबंधित मुद्दे के रूप में नहीं देखते हैं। हमें इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए खासकर अगर यह भारत विरोधी ताकतों से संबंधित है।'

इस दिन होगी सदन में चर्चा

उन्होंने कहा, 'हम इसे पार्टी की राजनीति के रूप में नहीं देखते हैं। हमने कांग्रेस और अन्य दलों से कहा है कि हम 13 और 14 दिसंबर (लोकसभा में) और 16 और 17 दिसंबर (राज्यसभा में) को संविधान पर चर्चा करेंगे। मैं कांग्रेस पार्टी के नेताओं और उसके कार्यकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अगर उनके नेताओं के भी भारत विरोधी ताकतों से संबंध पाए जाते हैं, तो उन्हें भी अपनी आवाज उठानी चाहिए। हमें एकजुट होकर भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के बीच सांठगांठ की जो बातें उजागर हुई हैं वो गंभीर हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "जॉर्ज सोरोस मामले के बारे में जो रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर सामने आई हैं, उनमें आरोप गंभीर हैं। चाहे वह संसद का सदस्य हो या आम आदमी, सभी को देश के लिए काम करना चाहिए। हम एकजुट होने और भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ने की अपील करते हैं।' इंडिया ब्लॉक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में जो कुछ चल रहा है, हम उसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहते और न ही हमारा ऐसा कोई इरादा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सुविचार: "जीवन में अगर लक्ष्य बड़ा हो तो संघर्ष भी बड़ा करना पड़ता है"

माँ हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक : रेवंत रेड्डी

सीएम ने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय परिसर में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि आप सभी की विशाल सभा कृष्णा और गोदावरी नदी के संयुक्त प्रवाह को दर्शा रही है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई, जो तेलंगाना के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि माँ दुनिया के किसी भी हिस्से और व्यक्ति की एकमात्र पहचान है। माँ हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति पर हमला किया गया और तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में भी इसका अपमान किया गया। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, एक व्यक्ति और एक राजनीतिक दल ने खुद को प्राथमिकता दी और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं की उपेक्षा की। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कैबिनेट सहयोगियों के साथ

चर्चा के बाद तेलंगाना तल्ली प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय लिया गया। पिछले शासकों ने तेलंगाना कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं के खिलाफ वाहन पंजीकरण के लिए टीजी के बजाय टीएस का उपयोग करने का फैसला किया। यही कारण है कि लोगों की सरकार ने वाहन पंजीकरण के लिए टीजी का उपयोग करने का फैसला किया। आंदोलन के दौरान हमें प्रेरणा देने वाले प्रसिद्ध 'जय जय हे तेलंगाना' गीत को भी दस साल तक राज्य गीत घोषित नहीं किया गया है। लोगों की सरकार ने इस गीत को तेलंगाना गीत घोषित किया। सचिवालय में प्रसिद्ध कवि एंडेसरी का सम्मान मेरे जीवन भर के लिए एक महान स्मृति के रूप में याद किया जाएगा। विभिन्न राजनीतिक दलों ने तेलंगाना तल्ली की मूर्तियों के विभिन्न रूप बनाए। हालांकि, तेलंगाना तल्ली की छवि को आज तक आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। लोगों की सरकार ने आधिकारिक तौर पर जनता की माँ को तेलंगाना तल्ली घोषित किया। तेलंगाना तल्ली की मूर्ति हमें अपनी माँ की प्रतिकृति के रूप में प्रेरित करती है। 9 दिसंबर एक शुभ दिन और उत्सव का दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज, हम इस कार्यक्रम को एक उत्सव की तरह आयोजित कर रहे हैं ताकि हमारे सभी विचार तेलंगाना तल्ली से घिरे रहें। तेलंगाना को संकट से कल्याण, भ्रष्टाचार से विकास और राज्य के पुनर्निर्माण की ओर ले जाना। सरकार ने तेलंगाना के लिए अपना सब कुछ खोने वाले कवियों को मान्यता, सम्मान और समर्थन देने का फैसला किया। गुडा अंजैया, गदर, बंडी यादगिरी, अंडेसरी, गोरेटी वेंकन्ना, सुड्डाला अशोक तेजा, जयराजू, पशम यादगिरी और एक्का यादगिरी राव को मान्यता दी गई है।

सरकार इन सभी को 300 गज का घर और 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगी। कुछ लोगों को दर्द, पीड़ा और दुख महसूस हो रहा है। वे सोच रहे हैं कि ये फैसले उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए खतरनाक हैं। तेलंगाना एक परिवार या राजनीतिक पार्टी के लिए हासिल नहीं हुआ था। तत्कालीन एकीकृत आंध्र प्रदेश में अपमान का सामना करना पड़ा। तेलंगाना राज्य में भी हम दस साल से उपेक्षित हैं। सरकार हर साल 9 दिसंबर को तेलंगाना तल्ली समारोह आयोजित करेगी ताकि भविष्य में इस तरह के अपमान और उपेक्षा की पुनरावृत्ति न हो।

विधानसभा के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन बीआरएस विधायक गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार सुबह उस समय तनाव बढ़ गया जब कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के नेतृत्व में बीआरएस विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार पर अचानक विरोध प्रदर्शन किया। सत्र शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसके परिणामस्वरूप विपक्षी विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों को गिरफ़्तार कर लिया गया, जिनमें परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी, टी हरीश राव, के कविता और अन्य शामिल थे। नेताओं को नज़दीकी पुलिस स्टेशन में ले जाया गया।

विवाद तब शुरू हुआ जब बीआरएस विधायक 'रेवंत-अडानी भाई भाई' के नारे और उद्योगपति गौतम अडानी के साथ मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की तस्वीरों वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। ये टी-शर्ट मुख्यमंत्री की कॉरपोरेट संस्थाओं के साथ कथित सांठगांठ पर एक स्पष्ट प्रहार थी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल विरोध किया और विधायकों को परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया, जब तक कि उन्होंने टी-शर्ट नहीं उतार दी। इस दौरान तीखी बहस हुई, जिसमें बीआरएस विधायकों ने अपनी पसंद के कपड़े पहनने के अपने अधिकार का दावा किया और पुलिस के उनके पहनावे को तय करने के अधिकार को चुनौती दी। केटी रामा राव सहित बीआरएस नेताओं ने पुलिस से सवाल किया कि अडानी के खिलाफ बीआरएस का विरोध प्रदर्शन कैसे गलत था और उन्होंने बताया कि कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी भी अडानी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

जैसे ही तनाव बढ़ा, विपक्षी विधायकों और एमएलसी ने 'अडानी-रेवंत भाई भाई' और 'नहीं चलेगा-थानाशाही नहीं चलेगा' जैसे नारे लगाए। बीआरएस विधायकों के पीछे हटने से इनकार करने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और पुलिस स्टेशन ले जाया गया। विधानसभा पहुंचने से पहले बीआरएस विधायकों ने तेलंगाना राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए तेलंगाना शहीद स्मारक का दौरा किया।

मीडिया से बात करते हुए रामा राव ने विधानसभा और विधान परिषद में जनता के मुद्दे उठाने और अधूरे चुनावी वादों के लिए सरकार को जवाबदेह ठहराने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि हम तेलंगाना की पहचान पर हमला करने की निंदा करते हैं, जिसमें तेलंगाना की मूर्ति को बदलकर कांग्रेस की थाली को लोगों पर थोपा गया है। इस तरह के कदम बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

तेलंगाना में अगले 5 दिन तक गर्म रहेगा मौसम

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इस साल दिसंबर में सर्दी अधिक पड़ने की संभावना है और अगले 5 दिनों तक तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। यह राज्य के लिए असामान्य बात है, जहां दिसम्बर का मौसम आमतौर पर काफी ठंडा होता है। हैदराबाद स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने सोमवार, 9 दिसंबर से शुरू होने वाला पांच दिवसीय पूर्वानुमान जारी किया।

इन्फोग्राफ के अनुसार, सभी दिन हरे रंग के संकेतों से चिह्नित हैं, जो दर्शाता है कि मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं है। विभाग का अनुमान है कि इस पूरी अवधि में तापमान 15ओसी या उससे अधिक रहेगा।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट :
www.scr.indianrailways.gov.in
पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.80-84 _डीआरएम_डब्ल्यू _एचवायबी दि.06-12-2024

PUB/1223/24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.06.01.2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.80 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी, कार्य विवरणःएचवायबी डिवीजनः - जेकेएम-बीडीएचएन सेक्शनः- जेकेएम-बीडीएचएन स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए, किमी 5/500-550 पर मानवयुक्त लेवल क्रासिन्ग गेट नं.4/जेबी को हटाना या एलिमिनेशन करना। अनुमानित मूल्यः रु.7,75,40,028.34, पूधराः रु. 5,37,700.00

निविदा सूचना सं.81 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः- एससी-एमयुइ सेक्शनः--बीएसएक्स-एनवीटी स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए, किमी 444/250-300 पर मानवयुक्त लेवल क्रासिन्ग गेट नं.187 को हटाना या एलिमिनेशन करना। अनुमानित मूल्यः रु. 6,72,64,880.46, पूधराः रु. 4,86,300.00

निविदा सूचना सं.82 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः-एससी-एमयुइ सेक्शनः-एनवीटी-जेकेएम स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए, किमी 446/750-800 पर मानवयुक्त लेवल क्रासिन्ग गेट नं.189 को हटाना या एलिमिनेशन करना। अनुमानित मूल्यः रु.6,72,79,394.65, पूधराः रु. 4,86,400.00

निविदा सं.83 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः- एससी-एमयुइ सेक्शन पर, आरयुबी(एयर पुशिंग पध्दति) की व्यवस्था करते हुए, मानवयुक्त लेवल क्रासिन्ग गेट नं.249 को हटाना या एलिमिनेशन करना। अनुमानित मूल्यः रु.7,48,43,537.26, पूधराः रु.5,24,200.00

निविदा सं.84 _डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी, कार्य विवरणः सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः गोल्लापल्ली बल्लास्ट डिपोः गोल्लापल्ली बल्लास्ट डिपो(डिपो कलेक्शन) पर, रेलवे विनिर्देशनानुसार, 50एमएम गेज सख्त तथा टिकाउ मशीन से कुचले हुए स्टोन बल्लास्ट की आपूर्ति करना एवम् ढेर लगाना और मेकानिकल पध्दति से तत्संबंधित का रेलवे हापर्स/बल्लास्ट वैगान्स में लदान करना। (मात्राः52200 सीयुएम), अनुमानित मूल्यः रु.5,27,04,252.00, पूधराः रु.4,13,500.00

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/26 एण्ड 27/डब्ल्यूएस एण्ड पीए/ओटी/2024-25 दि.06.12.2024

PUB/1224/24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.30.12.2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.1, ई-निविदा सं. -इटेन्डर नं. सी/इ.29/इलेक/एम/एससी/26/डब्ल्यूएस/ओटी/2024-25,इटेन्डर नं. इ-एम-एससी-26-ओटी-2024-25 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखखाव विभाग-सिकंदराबाद कोचिन्ग डिपो-संरचनात्मक सुविधाओं(इन्फ्रास्ट्रक्चरल फैसिलिटीज) का विकास-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यःरु.1,43,76,586.75, पूधराः रु.2,21,900.00, सीटीएफः रु.0.00, पूरा करने की अवधिः 6 महिने

क्रम सं.2, ई-निविदा सं.-- सी/इ.29/इलेक/एम/2%/पीए/ओटी/2024-25,इटेन्डर नं. इ-एम-एससी-2%-ओटी-2024-25 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन- बिजली रखखाव विभाग-(I) एमटीएमपी पर मौजूदा गूड्स शेड के सुविधाओं से जुडे विष्णुपुरम-मोटुमरी-तत्संबंधित सुधार कार्य (II) चिन्तलपल्ली-चिन्तलपल्ली गूड्स शेड का विकास-बिजली व्यवस्था। निविदा मूल्यःरु.1,64,95,117.70, पूधराः रु.2,32,500.00, सीटीएफः रु.0.00, पूरा करने की अवधिः 6 महिने

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता(एम) /सिकंदराबाद

ई-टेन्डर नोटिस

PUB/1225/24

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि.30.12.2024 के 17-00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम स. 01, टेन्डर टाइटलः जीएनटी डिवीजन-जीएनटी-पीजीडीपी सेक्शन में 6 टीआरडी डिपो की मैन्निंग एवम् अनुरक्षण कार्य, (जीएनटी,एनएलपीडी, एसपीआई,एनडीकेडी, एमआरजीए तथा सीटीवायएल) तथा दो वर्ष की अवधि के लिए टीपीसी/जीएनटी का अनुरक्षण। निविदा संदर्भ सं. जीइएम/2024/बी/5665368 दि.06-12-2024, अनुमानित मूल्य रु. 1,27,37,408.80,पूर्व धरोहर राशि रु.2,13.700/-,निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर-वापसी) रु.शून्य

क्रम सं. 02, टेन्डर टाइटल-जीएनटी डिवीजन-दो वर्ष की अवधि के लिए,जीएनटी-पीजीडीपी सेक्शन में टीएसएस के 5(एनएलपीडी, एसपीआई, जीजेडए, एमआरजीए तथा आरएमएनपी) का संचालन या आपरेशन, मैन्निंग एवम् अनुरक्षण कार्य। निविदा संदर्भ सं.- जीइएम/2024/बी/5663289 दि.06.12.2024, अनुमानित मूल्य रु.1,39,42,623.80, पूर्व धरोहर राशि रु.2,19,800.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर-वापसी) रु.शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय दि.30-12-2024 के 17-00 बजे तक

तत्संबंधित किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि. 06-12-2024 से लेकर 30-12-2024 के 17.00 बजे तक वेबसाइटः www.GeM.gov.in पर लागआन करें। तत्संबंधित कोई भी संचार/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/ट्रैक्शन/गुंटूर

A1565

निविदा नियम, शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया https://ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrail-ways.gov.in देखें।

Size: 4X40=160 sqcm

थियेटर में घायल लड़के की हालत में सुधार

हैदराबाद, 9 दिसबर (स्वतंत्र वार्ता)। संध्या थियेटर में फिल्म पुष्पा-2 की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान घायल होने के बाद सिकंदराबाद के किम्स कडल्स में भर्ती कराए गए 8 वर्षीय श्रीतेज की स्वास्थ्य स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। सोमवार को केआईएमएस कडल्स सिकंदराबाद द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि वह न्यूनतम ऑक्सीजन और दबाव की आवश्यकता के साथ वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। किसी भी इनोट्रोप्स की आवश्यकता के बिना उसका रक्त परिसंचरण अच्छी तरह से बनाए रखा जाता है। वह ट्यूब फीड को अच्छी तरह से सहन कर रहा है।

उन्हें अभी भी बीच-बीच में बुखार आता रहता है। वे दर्द के प्रति अधिक प्रतिक्रिया दे रहे हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह से होश में आने के संकेत नहीं दे रहे हैं, साथ ही बाएं ऊपरी अंग की तुलना में दाएं ऊपरी अंग की हरकतों में थोड़ी कमी है। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, पूरी रीढ़ की जांच के साथ दोबारा एमआरआई ब्रेन की योजना बनाई जा रही है।

बच्चे को गुरुवार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल पहुंचने से पहले, पुलिसकर्मियों और आसपास के लोगों ने संध्या थिएटर में बच्चे को सीपीआर दिया, जो महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि इससे आपातकालीन कर्मचारियों को उसे स्थिर करने और अस्पताल ले जाने के लिए अधिक समय मिल गया।

कांग्रेस ने बीआरएस के खिलाफ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को विधानसभा के सामने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि बीआरएस नेता तेलंगाना शहीदों के प्रति अनादर कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव, डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, सैट के अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी और मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार समेत अन्य लोगों ने किया।

विरोध प्रदर्शन के तहत नेताओं ने तेलंगाना शहीद स्मारक पर शुद्धिकरण अनुष्ठान किया। इस अवसर पर बोलते हुए वी. हनुमंत राव ने महिलाओं और तेलंगाना के सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति कथित उदासीनता के लिए केटी रामाराव समेत बीआरएस नेताओं की आलोचना की।

शुरू से ही केटीआर ने महिलाओं के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया दिखाया है। उनकी पिछली टिप्पणियां अपमानजनक थीं और यह व्यवहार लगातार जारी है। कांग्रेस नेता रोहिन रेड्डी ने भी बीआरएस पर तेलंगाना तल्ली (मां तेलंगाना) का अपमान करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, बीआरएस नेताओं ने बार-बार तेलंगाना तल्ली का अपमान किया है। आज की घटना उनके अपमान का एक और उदाहरण है। तेलंगाना के सांस्कृतिक और भावनात्मक प्रतीकों के प्रति पार्टी का रवैया अस्वीकार्य है।

कांग्रेस नेताओं ने आगे कहा कि अगर बीआरएस नेता और विधायक तेलंगाना तल्ली की छवि वाली टी-शर्ट पहनेंगे तो उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी, आज उनके कार्यों ने तेलंगाना शहीदों के स्मारक का अपमान किया है और इसने हमें दूध शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के लिए मजबूर किया। तेलंगाना के लोग देख रहे हैं और बीआरएस को जवाबदेह ठहराएंगे।

ट्रेनों का समय पर संचालन किया जाना चाहिए : अरुण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में एससीआर क्षेत्राधिकार पर ट्रेनों की सुरक्षा और समय की पाबंदी पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन परिसंपत्तियों आदि से संबंधित सुरक्षा संबंधी परिसंपत्तियों के कामकाज पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्षेत्रीय निरीक्षण तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेनों की समयबद्धता पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी डीआरएम को निर्देश दिया कि वे तीसरी लाइन के काम और सर्दियों के मौसम में कोहरे से संबंधित मुद्दों की परवाह किए बिना ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए एक कार्य योजना बनाएं। श्री जैन ने तीसरी लाइन के चल रहे कामों और निजी साइडिंग के रखरखाव से संबंधित कार्यों की प्रगति के बारे में चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निजी साइडिंग में लगातार निरीक्षण करने का निर्देश दिया, हालांकि ट्रैक का रखरखाव निजी फर्मों द्वारा किया जाता है, क्योंकि ट्रेन संचालन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने रेलवे संपत्तियों को सुरक्षित और संरक्षित बनाए रखने के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक रेलवे कर्मचारी को रेलवे संपत्ति की सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और उन्हें सुरक्षा को खतरे में डालने वाली किसी भी घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को देनी चाहिए। उन्होंने रेलवे बोर्ड की सुरक्षा गाइडलाइन और सलाह के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की और जोन में इसका सख्ती से पालन करने पर जोर दिया।

पीड़ितों को वित्तीय सहायता देने की योजना की आलोचना

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम (टीजीएमएफसी) द्वारा मूसी नदी विकास परियोजना के कारण विस्थापित हुए 138 परिवारों को 2-2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने के प्रस्ताव की विभिन्न क्षेत्रों से काफी आलोचना हो रही है। टीजीएमएफसी उन 138 परिवारों को 2 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना बना रहा है, जिन्हें मूसी नदी के किनारे 2 बीएचके घरों में स्थानांतरित किया गया था, यह सहायता राज्य सरकार द्वारा पहले से चल रही कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए जारी 30 करोड़ रुपये में से दी जाएगी।

प्रस्ताव का विरोध करने वाले लोगों का तर्क है कि सीमित बजट वाले टीजीएमएफसी को ऐसी योजनाएं नहीं शुरू करनी चाहिए, जहां हर आवेदक या लाभार्थी को पैसा दिया जाएगा।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि यदि टीजीएमएफसी ने अपना धन यहां खर्च करना शुरू कर दिया तो बीपीएल परिवारों के लिए कुछ भी नहीं बचेगा, जो किसी भी तरह से मूसी परियोजना से जुड़े नहीं हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एस.क्यू. मसूद कहते हैं कि कई हजार परिवारों को मूसी नदी से हटाकर दूसरी जगहों पर बसाया जाएगा। कल्पना कीजिए कि बजट में हर परिवार को वित्तीय सहायता देने की जरूरत है? कई लोगों ने टीजीएमएफसी से मूसी नदी परियोजना से प्रभावित परिवारों के कल्याण के लिए राज्य सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करने का आग्रह किया है।

अल्पसंख्यक अधिकार कार्यकर्ता दिलावर खान ने कहा कि हम मूसी नदी परियोजना से प्रभावित परिवारों के खिलाफ नहीं हैं लेकिन टीजीएमएफसी द्वारा कुछ बड़ी परियोजनाओं के कारण विस्थापित परिवारों के लिए अपने बजट का उपयोग करने का कोई तर्क नहीं है। उनकी मदद की जानी चाहिए, लेकिन टीजीएमएफसी के बजट से नहीं।

आईसीएआर-सेंट्रल रीसर्च इंस्टिट्यूट फार ड्राईलैण्ड एग्रीकल्चर
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059

विज्ञापन सं. 20/2024

वाक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से दि.17/12/2024 के सु.11.00 बजे सीनियर रीसर्च फेलो (01 पद) का अस्थायी पद भरा जा रहा है। विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar.crida.res.in पर जाएं।

प्रशासकीय अधिकारी

यूपी में भाजपा नेता का लव जिहाद

> हिंदू रीति -रिवाज से की शादी > धर्मांतरण का दबाव बनाकर गर्भपात कराया > जान से मारने की कोशिश

अमरोहा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के अमरोहा में भाजपा नेता का लव जिहाद सामने आया है। यहां मुस्लिम भाजपा नेता ने नाम बदलकर हिंदू युवती से शादी की। यह बात लड़की को पता चली तो उस पर धर्मांतरण का दबाव बनाया। जबरन गर्भपात कराया। पहाड़ से धक्का देकर जान से मारने की कोशिश की। लड़की की शिकायत पर नोएडा पुलिस ने भाजपा नेता ताबिश असरार को 4 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन इसका खुलासा पुलिस ने रविवार शाम को किया। ताबिश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का सदस्य है। पूर्व जिला संयोजक और नामित सभासद भी रह चुका है।

> फेसबुक से हुई जान-पहचान, खुद को राजपूत बताया

शाहजहांपुर की रहने वाली युवती ने बताया- 4 साल पहले फेसबुक से ताबिश से मेरी जान-पहचान हुई। फेसबुक प्रोफाइल पर उसका नाम विशाल राणा था। पहले चैट पर बातचीत हुई। उसने बताया कि वह अमरोहा का रहने वाला है और राजपूत जाति से आता है। मैं भी उसकी बातों में आ गई।

फिर हम मिलने लगे। धीरे-धीरे हम दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे। शादी का प्लान बना लिया। 20 दिसंबर, 2021 को मेरी और विशाल की सगाई हुई। इसके बाद हम दोनों नोएडा में साथ रहने लगे।

> गाजियाबाद में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की

22 फरवरी, 2023 को गाजियाबाद के एक मैरिज हॉल में हिंदू रीति-रिवाज से हमारी शादी हुई। शादी के 3 महीने बाद विशाल ने मुझसे कोर्ट मैरिज करने लिए कहा। मैं विशाल के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट गई। वहां डॉक्यूमेंट पर सिग्नेचर करने के दौरान मुझे पता चला कि विशाल का असली नाम ताबिश असरार है, जो कि अमरोहा के गुला तालाब मोहल्ले का रहने वाला है। यह देखकर मैं हैरान रह गई। थोड़ी देर चुप रही। इसके बाद ताबिश से इस बारे में पूछा, तो उसने डांटकर मुझे चुप करा दिया। मुझे पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाने लगा। इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी।

> प्रेग्नेंट हुई तो जबरन गर्भपात कराया

फरवरी, 2024 में मैं प्रेग्नेंट हुई तो ताबिश ने जबरन गर्भपात करवा दिया। इससे परेशान होकर मैं मायके में रहने लगी। थोड़े दिन बाद ताबिश मायके आया। मिन्नतें कर मुझे वापस नोएडा ले आया। कुछ दिन अच्छे से रहा। इसके बाद फिर से इस्लाम कबूल करने का दबाव बनाने लगा। मैंने पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो फरार हो गया। मैंने नोएडा पुलिस में ताबिश की गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस की जांच शुरू होने से पहले ही वह लौट आया।

सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सुनवाई टली

भाजपा नेता के वकील ने सुनवाई स्थगित करने की अपील की, 17 जनवरी को होगी सुनवाई

प्रयागराज, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई। भाजपा नेता के वकील ने हाईकोर्ट में अपील किया कि सुनवाई स्थगित कर दी जाए। उन्हें कुछ वक्त दिया जाए। इसके बाद हाईकोर्ट ने सुनवाई टाल दी।

अब मामले की सुनवाई 17 जनवरी को होगी।

भारतीय जनता पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने यूपी सरकार के 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इसमें राज्य के मंदिरों से जुड़े मेलों और त्योहारों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने का निर्णय लिया गया है। स्वामी की जनहित याचिका (पीआईएल) पर मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति विकास की पीठ के समक्ष सुनवाई करने वाली थी। याचिका में प्रार्थना की गई है कि उत्तर प्रदेश सरकार की 18 सितंबर, 2017 की अधिसूचना और 3 नवंबर, 2017 के परिणामी आदेश को रद्द किया जाए। जनहित याचिका में इस आधार पर अधिसूचना को चुनौती दी गई है कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 31 ए का उल्लंघन करती है। इसमें तर्क दिया गया है कि विवादित घोषणा के माध्यम से, यूपी सरकार मनमाने, असंवैधानिक और अवैध तरीके से मंदिरों और उनके धार्मिक समारोहों के प्रशासन, प्रबंधन और नियंत्रण को अपने हाथ में लेने का प्रयास कर रही है।

जनहित याचिका में राज्य सरकार को उत्तर प्रदेश राज्य में मंदिरों के मेलों और त्योहारों को सरकारी मेला घोषित करने या उनका नियंत्रण अपने हाथ में लेने से स्थायी रूप से रोकने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

मामले के अनुसार आक्षेपित अधिसूचना/आदेश के अंतर्गत माँ ललिता देवी शक्तिपीठ, नैमिषारण्य, जिला सीतापुर , माँ विंध्यवासिनी शक्तिपीठ, जिला मिर्ज़ापुर, माँ पाटेश्वरी शक्तिपीठ, देवीपाटन तुलसीपुर , जिला बलरामपुर एवं शाकुंभरी माता मंदिर , जिला सहारनपुर में आयोजित होने वाले मेलों/मेलों के संबंध में राजकीय/सरकारी मेला घोषित किया गया है।

एक ही गांव की चार लड़कियां एक साथ गायब

परिजन बोले-खाना बनाने के लिए लकड़ी लेने गई थी, नहीं लौटी

मुजफ्फरपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के एक गांव की चार नाबालिग लड़कियों के एक साथ गायब होने का मामला सामने आया है। परिजन के मुताबिक, चारों लड़कियां रविवार शाम खाना बनाने के लिए लकड़ी लेने जंगल की ओर गईं थीं, लेकिन देर रात तक चारों लड़कियां वापस नहीं लौटीं। मामले की जानकारी के बाद गांव के लोगों ने पुलिस से चारों नाबालिगों को सुरक्षित बरामद करने की अपील की है।

मामला सकरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। नाबालिग लड़कियों के अचानक गायब होने से गांव में कई तरह तरह की चर्चा हो रही है। ग्रामीणों में कुछ लोगों को चर्चा करते सुना गया कि नाबालिगों को संभवत किडनैप कर लिया गया है। गांव के मुखिया अजय कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से सूचना मिली थी कि चारों लड़कियां घर में खाना बनाने के लिए पेड़ से लकड़ी तोड़ने के लिए गई थीं। देर रात तक जब लड़कियां नहीं लौटी, तो उनकी खोजबीन शुरू की गई। रिश्तेदारों और उनकी सहेलियों से भी पूछताछ की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आखिर में परिजन पुलिस के पास पहुंचे और नाबालिग लड़कियों के गायब होने की जानकारी दी। घटना को लेकर सकरा थाना प्रभारी राजू पाल ने बताया कि सूचना मिली है। पुलिस आगे कार्रवाई में जुट गई है। परिजन की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलते ही एफआईआर दर्ज कर ली जाएगी।

योगी ने पूछा : इलाज मिला न–कोई पैसे तो नहीं मांगता

महिला ने कहा-अब कोई परेशानी नहीं, आयुष्मान वंदन कार्ड योजना का शुभारंभ किया

गोरखपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुजुर्ग लोगों से सीधी बात कर रहे हैं। उन्होंने पूछा- क्या इलाज मिल रहा है, कोई पैसा तो नहीं मांगता? बुजुर्ग महिला ने कहा- सरकारी अस्पताल में हमें आयुष्मान कार्ड से मिला है। कोई परेशानी नहीं हुई। सीएम ने कहा- कोई दिक्कत नहीं आएगी? योगी ने कहा- कोई किसी भी जाति-धर्म का हो, उसको इस योजना में फ्री इलाज मिलेगा। अब तक लाखों लोग इसका फायदा ले चुके हैं। 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के 8 हजार 300 लोगों को जोड़ा गया है। उन्हें आयुष्मान वय वंदन कार्ड दिए है। 2018 में यह योजना, दुनिया में सबसे बड़ी योजना है। जिसमें लाभार्थी को कुछ नहीं देना होता है।

पहले यहां एक मेडिकल कॉलेज, वो भी बीमार था, अब यहां एम्स दिया

उन्होंने कहा-मैं बुजुर्गों को देख रहा था। हाथ कांप रहे थे, दिखाई नहीं पड़ रहा था, ठीक से चल नहीं पा रहे थे। ये वही लोग हैं, जिनकी साधना पर हमारे परिवार खड़े हैं। उनकी देखभाल कैसे हो, यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा-

यूपी में इस योजना का फायदा 9 करोड़ लोगों को मिला है। हर हॉस्पिटल में काउंटर और डॉक्टर है, जो इस योजना के लाभार्थियों को ही ट्रीट करते हैं। पहले गोरखपुर में इन्सेफलाइटिस से मौतें होती थीं, अब ऐसा नहीं होता। पहले यहां एक मेडिकल कॉलेज था, जो खुद बीमार था।

अब यहां एम्स है। योगी ने कहा- जनप्रतिनिधियों से कह रहा हूं। कैंप लगवाएं, हर बुजुर्ग तक कार्ड पहुंचाया जाए। उनको पूरी बात बताइए। हॉस्पिटल की सूची भी उपलब्ध कराई जाए। समाज के लोग भी इसमें सहयोग करें।

योगी ने कहा-बुजुर्गों के लिए बड़ी सुविधा

योगी ने चंपा देवी पार्क से 'आयुष्मान वय वंदन कार्ड' योजना का शुभारंभ किया। कहा- यह योजना 70 साल और उससे ज्यादा आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी पहल साबित हो रही है। वह गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) के 92वें संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में भी शामिल हुए।

बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज मिल रहा

सांसद रवि किशन ने कहा- आयुष्मान वय वंदन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना का एक अहम हिस्सा है। इस कार्ड के जरिए 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को अस्पतालों में 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसी भी प्रकार की आय सीमा नहीं होगी, और पात्र बुजुर्ग अपने आधार कार्ड से आसानी से पंजीकरण करवा सकते हैं। सांसद ने कहा-गोरखपुर में आयुष्मान भारत योजना के तहत अब तक 11,20,347 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें से 2,09,666 लाभार्थी मुफ्त चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।

साइबर डीएसपी के साथ ठगी करने की कोशिश : 9 साइबर अपराधी गिरफ्तार

लोन दिलाने के नाम पर आरोपी ने किया फोन

नवादा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। नवादा के साइबर डीएसपी के साथ ही साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों ने ठगी करने की कोशिश की हैं। जिसके बाद डीएसपी ने जांच के दौरान छापेमारी कर नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पूरा मामला वारिसलीगंज प्रखंड के चकवाय गांव का है।

9 साइबर अपराधी गिरफ्तार

डीएसपी प्रिया ज्योति ने बताया कि लोन दिलाने के नाम पर उन्हें फोन आया और 20 मिनट में 5 लाख रुपये का लोन देने की बात कही गई। इसके बाद एक टीम का गठन किया गया और साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें कुल 9 लोगों को पकड़ा गया हैं। इस पूरी घटना की जानकारी वरीय अधिकारी को दी गई और इस मामला में अनुसंधान तेज करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान वारिसलीगंज प्रखंड के नरेश दास का पुत्र प्रमोद कुमार, भोला चौधरी का पुत्र ज्योतिस कुमार, अनिल कुमार का पुत्र अमित कुमार, विजय सिंह की पत्नी रेणु देवी, बच्चन प्रसाद का पुत्र सुधांषु कुमार, मनोज ताती का पुत्र पारस कुमार, अशोक राम का पुत्र धीरज कुमार, चितरंजन सिंह का पुत्र पुप्पांजय कुमार और कौवाकोल प्रखंड के श्रवग महतो का पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है।

कानपुर का ज्योति हत्याकांड-प्रेमिका मनीषा बरी

हाईकोर्ट ने पति समेत 5 दोषियों की सजा बरकरार रखी

कानपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के हाई प्रोफाइल ज्योति श्यामदसानी हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी पीयूष श्यामदसानी की प्रेमिका मनीषा मखीजा को बरी कर दिया। पीयूष समेत 5 आरोपियों की सजा बरकरार रखी है। इन पांचों आरोपियों की अपील कोर्ट ने खारिज कर दी। जबकि मनीष मखीजा की अपील स्वीकार कर ली। ज्योति के पिता शंकर नागदेव ने कहा कि वह मनीषा मखीजा को रिहा करने वाले आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। 27 जुलाई 2014 को ज्योति की हत्या हुई थी। इसमें पीयूष श्यामदासानी, सोनू कश्यप, रेनू उर्फ अखिलेश कनौजिया, आशीष कश्यप, अवधेश चतुर्वेदी और मनीष मखीजा को सेशन कोर्ट ने 20 अक्टूबर 2022 को आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई थी। इन सभी ने सेशन कोर्ट के फैसले को अपील में चुनौती दी थी। अपील पर न्यायमूर्ति अरविंद सिंह सांगवान और न्यायमूर्ति अजहर हुसैन इदरीसी की खंडपीठ ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों के साक्ष्यों और गवाहों के बयान की समीक्षा करने के बाद 5 आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में सफल रहा। अभियोजन ने जो सबूत पेश किए। उससे षड्यंत्र और हत्या की पूरी चेन साबित हो गई। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपियों को सजा सुनाए जाने का निर्णय पूरी तरीके से सही है और इसमें हस्तक्षेप करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

षडयंत्र में शामिल होने के पुख्ता प्रमाण नहीं

वहीं आरोपी मनीष मखीजा के मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को नजर अंदाज किए जाने और मात्र आशंका के आधार पर सजा सुनाए जाने को गलत करार दिया। कोर्ट ने कहा कि मनीषा के इस षड्यंत्र में शामिल होने के पुख्ता प्रमाण नहीं हैं। अभियोजन यह साबित करने में असफल रहा कि मनीषा को ज्योति की हत्या के षड्यंत्र और पीयूष के इरादे की पहले से जानकारी थी।

शादी में जिस-जिसने खाई रसमलाई उसी की बिगड़ गई हालत-400 बराती और घराती बीमार

मथुरा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा के मांट में आयोजित शादी समारोह में रसलमलाई खाने से घराती और बराती सहित 400 से अधिक महिला और पुरुषों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है, तो कुछ लोग घर पर ही उपचार करा रहे हैं। इसमें से 10 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना मांट के गांव जाबरा निवासी केवल सिंह की दो बेटी हेमतला की शादी बाघई निवासी सुमित कुमार के साथ हुई, जबकि दूसरी बेटी प्रेमलता को शादी हसनपुर निवासी नेपाल के साथ तय थी। 6 दिसंबर को शादी राया में अर्श ग्रीन गार्डन में हुई। सभी घराती और बरातियों ने शादी में खाना खाया।

'पार्टी कहेगी तो हम खेत में हल चलाएंगे'

तेज प्रताप ने महुआ से चुनाव लड़ने का किया ऐलान तो फूट-फूटकर रोने लगे विधायक

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं. लेकिन सियासी पारा अभी से चढ़ने लगा है. इस बीच, आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने एक बार फिर इरादे जाहिर कर दिए हैं कि वो इस बार महुआ विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे, जिसके बाद पार्टी में खलबली मच गई. वहीं, आरजेडी के महुआ विधायक मुकेश रौशन भावुक हो गए हैं. मुकेश को फूट-फूटकर रोते देखा गया है। मुकेश को अब अपने सियासी भविष्य की चिंता हो गई है. तेज प्रताप के संकेत के बाद मुकेश ने कहा, पार्टी हमें कहेगी कि हमें खेत में हल चलाना है तो जाकर खेत में हल चलाएंगे. बताते चलें कि तेज

प्रताप यादव ने 2020 में हसनपुर सीट से चुनाव लड़ा था और 21 हजार 139 वोटों से जीत हासिल की थी. इससे पहले 2015 में तेज प्रताप ने महुआ से चुनाव लड़ा था और 28155 वोटों से जीत हासिल की थी. महुआ सीट वैशाली जिले में आती है.

महुआ दौरे पर गए तेज प्रताप ने दिया बयान

दरअसल, रविवार तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर थे. इसी दौरान उनसे एक पत्रकार ने सवाल पूछा कि क्या आप फिर से महुआ से चुनाव लड़ेंगे? इस पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि महुआ मे हम पहले विधायक थे तो काम किए थे. यहां की जनता चाहेगी तो हम जरूर चुनाव लड़ेंगे. फिर से महुआ में काम करेंगे.

क्या बोले मुकेश रौशन ?

अब तेज प्रताप यादव के बयान के बाद मौजूदा विधायक मुकेश रौशन की चिंता बढ़ गई है. 'आजतक' ने जब मुकेश रौशन से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि पार्टी का जो फैसला होगा, वो हमें मंजूर होगा. तेज प्रताप जी बिहार में जहां से चाहें, वहां से चुनाव लड़ सकते हैं. हम राजद के सच्चे कार्यकर्ता हैं. पार्टी हमें कहेगी कि हमें खेत में हल चलाना है तो जाकर खेत में हल चलाएंगे. मैं जो हूं, वो लालू यादव जी की बदौलत हूं. मेरे लिए उनका फैसला सर्वोपरी है. उनका जो आदेश होगा, हम पालन करेंगे।

'मंत्री पर 10 करोड़ की मानहानि का केस करूंगा'

पप्पू यादव बोले-लड़ने पर आ गया तो सब भाग जाएंगे

पूर्णिया, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि 'मैं तीन लोगों पर 10-10 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा करूंगा।' हालांकि उन्होंने तीनों नेताओं में से किसी का नाम नहीं लिया। लेकिन इशारों ही इशारों में कहा कि एक प्रवक्ता हैं। दूसरे सरकार में मंत्री हैं और तीसरा भाग्य के कारण और हम लोगों के सहयोग से कभी जनप्रतिनिधि बन गए थे।

साथ ही कहा कि 'सरकार मेरी जिंदगी का मजाक उड़ा रही है। मैं नहीं चाहता हूं की समाज का माहौल बिगड़े। मैं जिस दिन लड़ने का निर्णय ले लूंगा उस दिन सभी भाग जाएंगे। मैं ऐसा नहीं चाहता हूं। इससे समाज का माहौल बिगड़ जाएगा। उनकी मेरे प्यादे से भी लड़ने की औकात नहीं होगी।' पूर्णिया में रविवार को सांसद ने कहा कि 'मुझे 29 बार जान से मारने की धमकी मिली है। फेसबुक पर झारखंड जेल में बंद एक गैंगस्टर ने धमकी दी। झारखंड सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। बिहार में धमकी देने वाले अपराधी को थाने से ही बेल मिल जाती है।' 'पुलिस कहती है कि सहयोगी ने ही धमकी दिलवाई थी। पटना के यूको पार्क में जब दोनों लोग मिले थे, उन दोनों के कॉल डिटेल्स की जांच होनी चाहिए थी। यूको पार्क के काउंटर पर टिकट लेकर एंट्री होती है। वहां सीसीटीवी लगा हुआ है। सीसीटीवी की जांच होनी चाहिए। सब कुछ सामने आना चाहिए।'

केंद्र से मांगी जेड सिक्योरिटी

पप्पू यादव केन्द्र सरकार से सुरक्षा की मांग कर चुके हैं। उन्होंने गृह मंत्रालय से जेड सिक्योरिटी मांगी थी। सांसद का कहना था कि नेपाल से धमकी भरे कॉल्स आ रहे हैं। कॉल्स पर खुलेआम जान से मारने की धमकी मिल रही है। 15 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे गए पत्र में सांसद पप्पू यादव ने खुद इन बातों का जिक्र किया था।

अभियंत्रण विवि के पहले दीक्षांत समारोह में पहुंचे सीएम नीतीश

तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दे रही सरकार

पटना, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में सीएम नीतीश कुमार शामिल हुए। उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा, मंत्री विजय चौधरी और सुनील कुमार भी थे। समारोह में मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल एवं लैपटॉप प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन किया।

वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि बिहार सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह परिकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक अभियंत्रण महाविद्यालय में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है।

शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है जहां छात्रावास एवं शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। अभियंत्रण महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं विभिन्न प्रकार की नयी-नयी तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योग प्रशिक्षण एवं मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के इन सकारात्मक प्रयासों का असर छात्रों के नियोजन पर पड़ा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का नियोजन अच्छे-अच्छे संस्थानों में हो रही है।

अपराधी निकला चौकन्ना : पुलिस कस्टडी से फरार हुआ बसपा नेता का हत्यारोपी

दिनदहाड़े फायरिंग कर ली थी जान

आजमगढ़, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बसपा नेता कलामुद्दीन हत्याकांड के आरोपित मुस्तफिज हसन उर्फ बाबू को गुजरात से गिरफ्तार कर ला रही आजमगढ़ पुलिस के चंगुल से फरार हो गया। उसके ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। फरार आरोपी का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बताते चलें कि मेंहनगर थाना क्षेत्र के खुंदन गांव निवासी बसपा नेता व पूर्व प्रधान कलामुद्दीन जब 15 फरवरी 2021 को समय दोपहर 01:30 बजे जिला मुख्यालय से वापस लौट रहे थे। गोसाईं की बाजार से मेंहनगर नहर पटरी से जैसे ही अपने गांव की सड़क पर चार पहिया वाहन से मुड़ें पहले से ही घात लगाए बैठे असलहे से लैस आधा दर्जन अपराधियों ने फायर झोंक दिया। इस हमले में घटनास्थल पर ही बसपा नेता कलामुद्दीन की मौत हो गई थी। जिसमें बसपा नेता के पुत्र द्वारा गांव के आधा दर्जन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। हत्या में शामिल रिजवान उर्फ बबलू, अलीसेर जेल में बंद हैं। जबकि अब्दुल पुत्र अब्दुल कयूम बेल पर बाहर है। इस मामले में वांछित और इनामी मुस्तफिजुर हसन उर्फ बाबू जिसकी सर्विलांस लोकेशन गुजरात में मिली थी।

घटना की जानकारी पर मेंहनगर थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर आदिल, सिपाही अभिषेक और अशोक यादव गुजरात पहुंचे। उन्होंने वहां से आरोपी को हिरासत में भी ले लिया। गुजरात पुलिस के साथ कानूनी औपचारिकता करने के बाद पुलिस टीम उसे ट्रेन से लेकर जनपद आ रही थी। जानकारी के अनुसार जैसे ही ट्रेन उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश की, इनामी आरोपी पुलिस कर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया।

आदित्य ठाकरे की मांग: बेलगावी बनाया जाए केंद्रशासित प्रदेश

> फडणवीस बोले-सदन को बाजार न बनाएं

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं। सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगावी में मराठा भाषी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र को केंद्रशासित प्रदेश घोषित करने की मांग की।

वहीं विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि विधान भवन को बाजार नहीं बनाना चाहिए। बता दें कि सोमवार को कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ। महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य विरोध करने लगे। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए शिवसेना(यूबीटी) आदित्य ठाकरे ने कहा, महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन को लेकर जश्न का माहौल है, जबकि पड़ोसी राज्य के बेलगावी में हालात बिगड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, बेलगावी में मराठा भाषी लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। कल से ही क्षेत्र में हालात बिगड़ गए। हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। पिछले असंवैधानिक मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि वे विवादित क्षेत्र में रहने वाले मराठा भाषी लोगों अतिरिक्त धन देंगे। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने सवाल किया कि क्या केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बेलगावी को केंद्रशासित प्रदेश घोषित करने के लिए इच्छुक है? उन्होंने कहा, हमारी मांग थी और है कि बेलगावी को केंद्रशासित प्रदेश घोषित किया जाए।

सदन में विपक्ष के हंगामों पर सीएम फडणवीस का पलटवार

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के हंगामों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि विधान भवन को बाजार नहीं बनाना चाहिए। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने सवाल किया कि अगर विधानसभा में भीड़ रहेगी तो सदन कैसे चलेगा। सीएम फडणवीस ने कहा, मैं जो कहने जा रहा हूं, उससे बहुत सारे विधायक नाराज होंगे, लेकिन विधान भवन के परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हमें उचित कदम उठाने की जरूरत है।

मैं इस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता था, लेकिन मेरे पास इससे बेहतर शब्द भी नहीं था। यह परिसर बाजार नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर विधानभवन में इतनी भीड़ रहेगी, तो सदन कैसे चलेगा?

डबरा रेस्ट हाउस में पीडब्ल्यूडी सब-इंजीनियर की चप्पलों से पिटाई

युवती का आरोप-नौकरी का झांसा देकर बुलाया, फिर की गलत हरकत

डबरा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र के डबरा में पीडब्ल्यूडी के सब इंजीनियर की एक युवती ने चप्पलों से पिटाई कर दी। जिसका वीडियो भी सामने आया है। घटना डबरा रेस्ट हाउस की है, जहां इंजीनियर ने युवती को नौकरी का झांसा देकर बुलाया था। आरोप है कि सब इंजीनियर रामस्वरूप कुशवाह पर युवती ने नौकरी का झांसा देकर गलत हरकत करने का आरोप लगाया है। दतिया निवासी रामस्वरूप कुशवाह डबरा में पदस्थ है। किसी परिचित ने उसे एक युवती से मिलवाया जिसे नौकरी की जरूरत थी। इंजीनियर उसे लगातार नौकरी का आश्वासन देता रहा। रविवार शाम उसने लड़की को डबरा रेस्ट हाउस बुलाया था। युवती का आरोप है कि वह उसे कमरे में ले गया और गलत हरकत करने की कोशिश की। युवती ने इंजीनियर की नीयत को भांपते ही गुस्से में उसकी पिटाई कर दी।

'6 रेवड़ियों का झांसा देकर, 12 रबड़ी गये डकार'

भाजपा ने साधा 'आप' पर निशाना

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार की 'रेवड़ी' पर घोटालों की 'रबड़ी' के रूप में प्रतिक्रिया दी है। भाजपा का कहना है कि 'आप' की दिल्ली सरकार 6 रेवड़ी देकर 12 रबड़ी डकार गई है। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी 'रेवड़ी पर चर्चा' की शुरुआत कर दिल्ली सरकार की मुफ्त योजनाओं के बारे में राष्ट्रीय राजधानी की जनता को बता रही है।

वहीं, भाजपा ने इसके जवाब में सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया, 6 रेवड़ियों का झांसा देकर, 12 रबड़ी डकार गए। अब आम आदमी पार्टी के एक-एक झूठ का पर्दाफाश होगा। 12 दिन, 12 घोटाले, हर दिन आम आदमी पार्टी के एक नए घोटाले का पर्दाफाश होगा। अब नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। भाजपा ने अपनी पोस्ट में एक फोटो भी शेयर किया जिसमें 'रबड़ी नंबर 1' का जिक्र करते हुए कहा कि इसके चक्कर में जेल जाना पड़ा। फोटो में शराब घोटाले का जिक्र किया गया है और बताया कि यह 2875 करोड़ रुपये का घोटाला है। फोटो में अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए लिखा है, चार खोखा नोट का, काम मेरा रोज का...। वहीं, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के वाइस चेयरमैन कुलजीत चहल द्वारा अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए लुटियंस दिल्ली में पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में दिल्ली सरकार द्वारा किए गए घोटालों के बारे में बताया गया है। इस पोस्टर में शराब घोटाला, जल बोर्ड घोटाला, क्लासरूम निर्माण घोटाला, नकली दवाइयों का घोटाला, बस खरीद घोटाला, राशन वितरण घोटाला, लैब और एक्स रे घोटाला, वाहनों में पैनिक बटन घोटाला, डीएसईयू घोटाला, सीसीटीवी घोटाला, शीशमहल घोटाला और विज्ञापन घोटाले का जिक्र कर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा गया है। बता दें कि आम आदमी पार्टी अपनी दिल्ली सरकार द्वारा जनता को मुफ्त में दी जा रही 'छह रेवड़ियों' (शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा और बसों में महिलाओं की निशुल्क यात्रा) पर पूरी दिल्ली में चर्चा कर उस पर जनता से फीडबैक ले रही है। 'रेवड़ी पर चर्चा' के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता यह भी पूछ रहे हैं कि इन 'रेवड़ियों' से उनके घर के आर्थिक हालात में कितना सुधार आया है।

'आप' का दावा है कि पहले अगर किसी के घर की आय 15 हजार रुपए थे, तो इन रेवड़ियों की वजह से आज उसके घर की आय 20 से 25 हजार रुपए हो चुकी है। यानी अब उसे अपने बच्चों की फीस, अपने परिवार के इलाज, बिजली के बिल, पानी के बिल पर पैसे खर्च करने की चिंता नहीं है। वह जो अब पैसा कमा रहा है, अपने खाने, पहनने और अन्य जरूरतों पर खर्च कर रहा है। इन 'रेवड़ियों' ने उनके जीवन को बहुत आसान बनाया है।

नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग

> हर निगाह बनी ऐतिहासिक क्षण की साक्षी > वाटर कैनन से दी सलामी

ग्रेटर नोएडा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा एयरपोर्ट के लिए सोमवार को बड़ा दिन रहा। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान की सफल लैंडिंग हुई। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार दोपहर 1.31 बजे पहली बार विमान ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। दिल्ली से उड़ान भरकर पहला व्यावसायिक 10 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के फ्लाइंग जोन में पहुंच गया था और उपकरणों सहित अन्य संसाधनों की जांच के लिए डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट के आसपास मंडराता रहा।

इस सफल लैंडिंग के साथ ही एयरपोर्ट के इतिहास में ढाई दशक की कवायद के बाद एक और सफलता जुड़ गई। फिलहाल, इस बड़ी उपलब्धि से पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी दी गई। इंडिगो के ए 320 विमान ने रनवे पर सफल लैंडिंग के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे के ट्रायल के लिए डीजीसीए से 15 दिसंबर तक की समयसीमा तय की गई है। पहले 30 नवंबर को ट्रायल रन की तारीख नियत की गई थी। मगर, डीजीसीए टीम के निरीक्षण के चलते यह आगे बढ़ गई। कैलिब्रेशन ट्रायल के बाद रनवे का ट्रायल 9 दिसंबर को हुआ। अबतक एयरपोर्ट पर कैट-1 और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है, जिसकी एयरक्राफ्ट बीच किंग एयर 360 ईआर के जरिए 10 से 14 अक्तूबर तक जांच की जा चुकी है। एयरपोर्ट पर 3900 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा पहला रनवे बनकर पूरी तरह से तैयार है। रनवे पर मार्किंग और लाइटिंग का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा कैट-1 और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष पर रेप का केस

विदिशा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विदिशा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र सोलंकी खड़ेर पर रेप का आरोप लगा है। 23 वर्षीय पीड़िता रिश्ते में सोलंकी की भतीजी लगती है। उसकी शिकायत पर नटेरन पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस की टीमें फरार सोलंकी के ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। वहीं, सोलंकी ने पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश जादौन को सोमवार सुबह अपना इस्तीफा भेजा है। कांग्रेस ने सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। पीड़िता का कहना है कि सोलंकी करीब 4 साल से लगातार उसके साथ रेप कर रहा है। उसने धमकी दी थी कि इस बारे में किसी को भी बताया तो वह युवती के माता-पिता और भाइयों का मर्डर कर देगा।

19 दिसंबर को होगी विधायक सप्रे केस की सुनवाई

इंदौर हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष और निर्मला सप्रे को जारी किया नोटिस

भोपाल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दौरान मई में सीएम डॉ मोहन यादव के समक्ष बीजेपी का गमछा डालने वाली बीना विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल मामले को लेकर 19 दिसंबर को सुनवाई होगी। एमपी हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में आज (9 दिसंबर) को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से लगाई गई याचिका पर पहली सुनवाई हुई। नेता प्रतिपक्ष की ओर से लगाई गई रिट पिटीशन पर हाईकोर्ट ने मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और बीना विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किए हैं। अगली सुनवाई के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय की है। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से जवाब देने के लिए 19 दिसंबर को मप्र हाईकोर्ट के महाधिवक्ता इंदौर हाईकोर्ट में तर्क रखेंगे। कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी की विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। कांग्रेस ने मांग की है कि सागर जिले के बीना से विधायक सप्रे ने दल-बदल किया है, इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जाए। सप्रे 6 महीने से भाजपा के साथ हैं, लेकिन विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है। विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थी। तब से वे कांग्रेस से दूरी बनाते हुए भाजपा के साथ हैं। लेकिन औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता नहीं ली है। इसी वजह से आधिकारिक तौर पर अब भी वो कांग्रेस की विधायक हैं। कांग्रेस ने निर्मला की सदस्यता खत्म कराने को लेकर हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका लगाई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को जुलाई में हमने पत्र दिया था। विधानसभा ने कागज गुमा दिए। 90 दिन बाद भी अध्यक्ष ने कोई निर्णय नहीं लिया इसलिए हमें हाईकोर्ट जाना पड़ा। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सागर जिले की बीना सीट से निर्मला सप्रे विधायक बनीं। मई में लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले के राहतगढ़ कस्बे में आयोजित बीजेपी की चुनावी जनसभा में निर्मला सप्रे मंच पर पहुंची और उन्होंने सीएम डॉ मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के हाथों भाजपा का गमछा गले में डाला।

दहशत के आठ महीने : होमगार्ड बनने रूस गए थे राकेश-जबरन युद्ध में उतारे गए

सुल्तानपुर लोधी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बमबारी-विस्फोट-हर तरफ लाशें और रूस-यूक्रेन जंग में पल-पल मौत को करीब से देखने के बाद सकुशल भारत लौटे राकेश यादव की आंखों में मौत का खौफ अभी भी साफ दिखाई देता है। उसके जेहन में हर तरफ उठती चीख-पुकार की दर्दनाक आवाजें आज भी कौंधती हैं। इन हालात में वतन वापसी की उम्मीद खो चुके राकेश ने तो एक बार तो आत्महत्या की कोशिश भी की थी।

सुल्तानपुर लोधी स्थित निर्मल कुटिया में राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल का धन्यवाद करने अन्य साथी परिवारों के साथ आए राकेश यादव ने भावुक होकर उनका आभार जताया, जिनके सहयोग से वह सकुशल परिवार के पास लौट पाया है। मीडिया से मुखातिब राकेश यादव ने संत बलबीर सिंह सीचेवाल के सामने वहां के हालात के कई सनसनीखेज खुलासे किए। उसने बताया कि वहां यूक्रेन के ड्रोन हमले में उनका एक साथी मारा गया। उसकी जान इसलिए बच गई, क्योंकि ड्रोन देखते ही वह बंकर में कूद गया। इसी तरह एक अन्य घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 17 जून, 2024 को वहां उनके एक सहकर्मी की ग्रेनेड विस्फोट से मौत हो गई, लेकिन हैरानी तो इस बात की है कि रूसी सेना में शहीद हुए उनके साथी की मौत की खबर उनके परिवार को छह महीने बाद रूसी अधिकारियों ने दी। रूस से लौटे राकेश यादव और पांच परिवार भी निर्मल कुटिया सुल्तानपुर लोधी पहुंचे। इनके युवा बच्चे अभी भी वहीं फंसे हुए हैं और अब भी लापता हैं। सीचेवाल ने परिवारों को आश्वासन दिया कि वे इस मामले को विदेश मंत्रालय तक ले जाएंगे और संसद के चालू सत्र में इस मामले को उठाने का प्रयास करेंगे।

किए सनसनीखेज खुलासे

राकेश यादव ने कहा कि उनके जबरन बैंक में एजेंटों की ओर से खाते खोले गए थे, जिनके पिन भी उनके एजेंटों के पास थे। उन्होंने बताया कि एजेंटों ने उनके खाते से करीब 45 लाख रुपये निकाल लिए, जो उन्हें सेना में जीवन-यापन वेतन और चोट के दौरान सरकार की ओर से दिए गए मुआवजे के रूप में मिले थे। उन्होंने कहा कि ऐसा सिर्फ उनके साथ ही नहीं, बल्कि सेना में जबरन काम करने वाले सभी भारतीयों के साथ एजेंटों ने किया है। राकेश दावा किया कि अभी भी रूस में 25 भारतीय जंग लड़ने को विवश हैं।

राकेश यादव ने आगे बताया कि उन्हें और उनके साथ करीब पांच अन्य साथियों को एजेंट ने आठ माह पहले होम गार्ड की नौकरी के लिए वहां बुलाया था, लेकिन जैसे ही वे वहां पहुंचे, उन्हें जबरन रूसी सेना में भर्ती करा दिया गया और उनसे रूसी भाषा में एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवाए गए। बार-बार मना करने पर पिटाई की गई। 15 दिनों की हथियार ट्रेनिंग के बाद उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की आग में झोंक दिया गया। सीचेवाल ने भारत सरकार और विदेश मंत्रालय से भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने, इस गिरोह में शामिल एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और युवाओं को उनके हक की कमाई दिलाने की अपील की।

जब्त माल से नहीं होगी छेड़छाड़ : ड्रग्स की जगह घास शराब के स्थान पर शरबत रखना नहीं होगा संभव

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिसंबर को चंडीगढ़ स्थित पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक) में आयोजित समारोह में तीन नए कानूनों की समीक्षा की थी। उन्होंने तीन परिवर्तनकारी, नए आपराधिक कानूनों- 'भारतीय न्याय संहिता', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' और 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम' का सफल कार्यान्वयन, राष्ट्र को समर्पित किया था। चंडीगढ़ प्रशासन ने तीन नए कानूनों को सफलतापूर्वक लागू किया है।

तीन नए कानूनों के प्रावधानों के तहत, अब पुलिस थानों या घटना स्थल पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं हो सकेगी। थानों में जब्त माल, जैसे 'ड्रग्स' के स्थान पर 'घास का चूरा' या शराब की जगह कोई दूसरा पदार्थ, नहीं रखा जा सकेगा। जितना माल जब्त हुआ है, उसकी तय मात्रा या संख्या को कम दिखाना, आदि, ये सब काम भी अब बंद हो जाएंगे। वजह, क्राइम सीन या जब्ती वाले स्थान से लेकर थाने के मालखाने और वहां से फोरेंसिक लैब तक, हर गतिविधि का वीडियो बनेगा। जिम्मेदार लोगों के पास इसका एक्सेस रहेगा। कोई चाह कर भी जब्त माल के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकेगा। जब्त किए गए माल पर क्यूआर कोड लगेगा। थाने में माल जमा कराने वाले का नाम और बेल्ट नंबर, सब कुछ डिजिटल तरीके से नोट होगा। इस जानकारी का भी मिलाना होगा।

घटना स्थल से लेकर थाने में माल जमा करने तक, उक्त सभी गतिविधियां, न्याय सेतु एप के माध्यम से थाने में बैठकर देखी जा सकती हैं। चंड़ीगढ़ पुलिस के डीजीपी एसएस यादव ने बताया, नए कानूनों के तहत पहली जुलाई से लेकर अभी तक 1179 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इतना ही नहीं, 245 मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, जबकि 4 केसों में दोषसिद्धि भी हो गई है। पहले इस बात की आशंका बनी रहती थी या आरोप लगते थे कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुई है।

रिटायर्ड टीचर ने भरा 2 करोड़ का मायरा, 1 करोड़ कैश-गोल्ड ज्वेलरी के साथ प्लॉट भी दिया

नागौर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले के मालगांव में मायरे की प्राचीन परंपरा एक फिर चर्चा में है. बुरडी गांव के रहने वाले रिटायर्ड शिक्षक रामनारायण झाड़वाल ने अपने नाती रामेश्वर की शादी में 2 करोड़ रुपये का मायरा भरा. इसमें 1 करोड़ रुपये कैश, सोने-चांदी के आभूषण और एक प्लॉट दिया.

बताया जा रहा है कि 7 दिसंबर को रामेश्वर की शादी के अवसर पर रामनारायण झाड़वाल अपने परिवार के साथ 250 गाड़ियों के काफिले में पहुंचे. वहां नाना और मामा ने मिलकर मायरे की परंपरा निभाई. रामनारायण ने बहन संतोष और उनके पति मनीराम ढाका के बेटे की शादी में यह रस्म पूरी की. इस मायरे में 1 करोड़ 1 लाख रुपये कैश के साथ 30 लाख रुपये का प्लॉट, 25 तोला सोना और 5 किलो चांदी, 140 चांदी के सिक्के, नई ट्रैक्टर-ट्रॉली बाजरी से भरी हुई, देशी घी से भरा हुआ मटका दिया गया. नागौर में 8 करोड़ 1 लाख रुपए का भरा गया.

2.21 करोड़ नकद, 100 बीघा जमीन...1000 गाड़ियां लेकर मायरा भरने पहुंचे 6 भाई

पूरा गांव मीरा के ससुराल भात देने पहुंचा. पिता-भाई की मौत के बाद मीरा का कोई नहीं बचा था, पूरे गांव ने मिलकर भरा मायरा.

भाइयों ने दो करोड़ से ज्यादा का भात भरा

रामनारायण के बड़े बेटे रामकिशोर ऑस्ट्रेलिया में नर्सिंग ऑफिसर हैं और छोटे बेटे डॉ. अशोक झाड़वाल नागौर के जेएलएन अस्पताल में एमडी (मेडिसिन) है. मायरे के दौरान बहन और बहन के ससुराल पक्ष को गहने, कपड़े और अन्य उपहार भी भेंट किए गए. यह मायरा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. इसे मुगलकाल के समय भरे गए जायल के मायरे से जोड़कर देखा जा रहा है. मायरा (भात) बहन के बच्चों की शादी में ननिहाल पक्ष द्वारा निभाई जाने वाली एक प्राचीन परंपरा है. इसमें बहन के परिवार और ससुराल पक्ष को उपहार दिए जाते हैं. इस रस्म को निभाकर रामनारायण के परिवार ने अपनी उदारता का परिचय दिया. आज भी मारवाड़ की महिलाएं इस मायरे को लोकगीतों में याद करते हुए गाती हैं. इस खास मौके पर पारिवारिक मित्र पवन पहाड़िया ने बताया कि वर्तमान में किसी के पास पैसे होना कोई बड़ी बात नहीं है. लेकिन इस तरह से बड़ा दिल दिखाना बड़ी बात है. रामनारायण के परिवार ने इसी बात को चरितार्थ किया है. भांजे की शादी में पिता और पूरे परिवार के साथ पहुंचकर 2 मामा ने भात भरने की रस्म अदा की. बता दें, बहन के बच्चों की शादी के वक्त ननिहाल पक्ष द्वारा मायरा (भात) भरने की रस्म निभाई जाती है. इस रस्म में ननिहाल पक्ष के लोग रुपये, गहने, कपड़े आदि बहन के बच्चों और परिवार के लिए भेंट करते हैं.

बैंक खाते के बदले 50% कमीशन देते थे डिजिटल ठग

इंदौर की महिला को ठगने वालों का खुलासा, 46 लाख रुपए 18 खातों में किए ट्रांसफर

इंदौर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर में डिजिटल अरेस्ट के जरिए महिला से 46 लाख रुपए ठगने के मामले में गिरफ्तार पिता-पुत्र से पूछताछ में बड़े खुलासे हुए हैं। क्राइम ब्रांच को नासिक और चेन्नई में हुई डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं के भी सुराग मिले हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में क्राइम ब्रांच की टीमें सक्रिय हैं और आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं।

50% कमीशन के लालच में खुलवाया खाता

इस मामले में ग्राम सतौरा, कन्नौज (उत्तर प्रदेश) के अली अहमद खान (69) और असद अहमद खान (36) को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के एडी.डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि असद ने 2 सितंबर 2024 को 50% कमीशन के लालच में बैंक खाता खुलवाया था, जिसे 14 सितंबर को फ्रीज कर दिया गया। जांच में सामने आया कि यह खाता साइबर फ्रॉड के लिए खोला गया था। खाते के दस्तावेज मदरसा समिति के पदाधिकारियों के नाम पर थे। आरोपी ने स्वीकार किया कि उन्हें खाते में आने वाले पैसे का 50% कमीशन मिलता। यह खाता खोलने के लिए उन्हें मलेशिया से एक +60 नंबर से कॉल आया था। जांच में पता चला कि यह वीआईएन जनरेटेड कॉल थी।

18 खातों में हुआ पैसा ट्रांसफर

दंडोतिया ने बताया कि इंदौर की बुजुर्ग महिला के खाते से 46 लाख रुपए मदरसा समिति के खाते में ट्रांसफर हुए, जो बाद में 18 अलग-अलग खातों में देशभर में भेजे गए।

टुकड़े-टुकड़े गैंग का नेतृत्व कर रहे राहुल गांधी : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी पर अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस के संगठन के साथ जुड़े होने का आरोप है। कथित तौर पर यह संगठन उस संस्था को भी पैसे मुहैया करता है, जो कश्मीर को अलग करने की मांग करता है।

इस पर गिरिराज सिंह ने कहा, सोनिया गांधी और राहुल गांधी देशद्रोह का काम करते हैं। राहुल गांधी यहां पर सोरोस की भाषा और सोरोस राहुल गांधी की भाषा बोलता है। वह भारत का विरोध करने वालों को फंडिंग करता है। इस पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए। टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग देश को तोड़ने में लगे हैं और राहुल गांधी उसका नेतृत्व कर रहे हैं। बांग्लादेश की स्थिति को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा, भारत पहले अपना घर देख ले। यहां पर मस्जिद तोड़ी जा रही हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह राहुल गांधी से पूछिए, जिन्होंने कश्मीर में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन किया। पाकिस्तान से बात करने वाले, आतंकवादियों और पत्थरबाजों का साथ देने वाले फारूक अब्दुल्ला का कांग्रेस ने साथ दिया था। उनसे पूछिए कि फारूक अब्दुल्ला आज ऐसी भाषा क्यों बोलते हैं। उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद से कांग्रेस का डीएनए देश विरोधी रहा है। नेहरू ने गजवा-ए-हिंद का बीज बो दिया था। उन्होंने संविधान के तहत धर्म-परिवर्तन का अधिकार दे दिया। हिंदुओं के धार्मिक शिक्षा का अधिकार खत्म कर दिया और मुसलमानों को दे दिया। उन्होंने ये अधिकार दे दिया कि हिंदू किनारे हटो और मुसलमान धार्मिक शिक्षा के तहत गजवा-ए-हिंद करो। ये बातें कांग्रेस और राहुल गांधी के डीएनए में हैं। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती के हिंदुत्व को बीमारी कहने पर गिरिराज सिंह ने कहा, वह सौभाग्य मानें कि हिंदुत्व ही सबको साथ लेने वाला है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 10 दिसंबर- 2024

क्या दोबारा बाहर निकल सकता है बोफोर्स का जिन्न

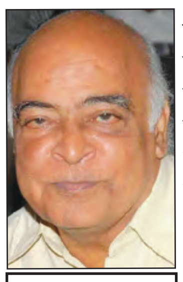

अशोक भाटिया

बोफोर्स का जिन एक बार फिर बोतल बाहर आ सकता है। कहा जा रहा है कि इस मामले में सीबीआई जल्द ही प्राइवेट जासूस माइकल हर्शमैन से जानकारी मांगने के लिए अमेरिका को कानूनी अपील करने जा रही है । इससे पहले हर्शमैन ने 64 करोड़ रुपये के बोफोर्स रिश्वत घोटाले के बारे में भारतीय एजेंसियों के अहम जानकारी शेयर करने की ख्वाहिश जाहिर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफसरों का कहना है कि अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजने के बारे में स्पेशल कोर्ट बताया गया है। यह अदालत इस केस आगे की जांच के लिए CBI की अर्जी पर सुनवाई कर रही है। लेटर्स रोगेटरी (एलआर) भेजने का अमल इस साल अक्टूबर में शुरू हुआ था। इस प्रक्रिया में लगभग 90 दिन लग सकते हैं। इसका मकसद मामले की जांच के लिए जानकारी हासिल करना है। बोफोर्स घोटाला भारतीय राजनीति का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसने एक समय देश को हिलाकर रख दिया था। यह घोटाला 1980 के दशक में हुआ था और इसने भारतीय राजनीति पर गहरा असर डाला। 1986 में भारत सरकार ने स्वीडन की हथियार कंपनी बोफोर्स से 155 एमएम की 400 होवित्जर तोपें खरीदने का सौदा किया था। यह सौदा भारतीय सेना को आधुनिक हथियार मुहैया करने के मकसद से किया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद यह बात सामने आई कि इस सौदे में भारी पैमाने पर रिश्वतखोरी हुई थी। दरअसल 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर पर सवार राजीव गांधी ने लोकसभा की 403 सीटें हासिल करके विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था। लेकिन इस अभूतपूर्व जीत के बीच राजनीति के नए खिलाड़ी राजीव गांधी को घाघ कांग्रेसियों ने खूब छकाया। शाहबानो मामला, बाबरी मस्जिद का ताला खुलवाना और फिर उनके वित्त मंत्री वीपी सिंह का विद्रोह, इन सब से निपटने में वे अक्षम रहे। उनके साथी उनको छोड़ कर जाते रहे। बोफोर्स तोप घोटाले में उनको घेरा गया। 10 अप्रैल 1987 को मंत्री पद से विश्वनाथ प्रताप सिंह के इस्तीफे के साथ राजीव गांधी सरकार की मुश्किलें बढ़नी शुरू हो गईं। पहले वित्तमंत्री और फिर रक्षा मंत्री के तौर पर विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुछ फैसलों ने राजीव गांधी को नाराज किया था। इस्तीफे के बाद जनता के बीच संदेश गया कि अपने विभागों में भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के कारण विश्वनाथ प्रताप को मंत्री पद खोना पड़ा। 16 अप्रैल 1987 को स्वीडिश रेडियो ने बोफोर्स तोप खरीद में घोटाले और कमीशनखोरी का खुलासा किया। 20 अप्रैल को संसद में राजीव गांधी ने इसका खंडन किया। फिर इस कड़ी में हिंदू अखबार में चित्रा सुब्रमण्यम की रिपोर्टों ने हड़कंप मचा दिया। कैग की खिलाफ रिपोर्ट ने सरकार के लिए और मुश्किलें खड़ी कीं। संसद में विपक्ष के राजनीतिक हंगामे और विपक्षी सांसदों के सामूहिक इस्तीफे ने रही-सही कसर पूरी कर दी। दूसरी तरफ 16 मई 1987 को कांग्रेस की एक बड़ी रैली जिसमें विश्वनाथ प्रताप श्रोताओं के बीच में थे, को संबोधित करते हुए राजीव गांधी कह रहे थे, "भारत की आजादी कब छिनी? जब मीरजाफर और राजा जयचंद जैसे गद्दारों ने विदेशी ताकतों से हाथ मिलाया। आप ऐसे लोगों से सतर्क रहें,यह लोग विदेशी ताकतों से हाथ मिलाकर देश के हितों को बेच रहे हैं।" सिर्फ मौजूद श्रोताओं तक ही नहीं बल्कि बाद में मीडिया के जरिए दूर तक संदेश गया कि राजा जयचंद की आड़ में राजा मांडा (विश्वनाथ प्रताप सिंह) निशाने पर हैं। जाहिर तौर पर यह कांग्रेस की भीतरी लड़ाई थी जिनमें प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उस समय पूर्व तक उनके भरोसेमंद मंत्री रहे विश्वनाथ प्रताप सिंह आमने-सामने थे। लेकिन बोफोर्स की आंच ने राजीव गांधी, उनके ससुराली रिश्तेदारों-दोस्तों को भी लपेट में लेना शुरू कर दिया। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन उन दिनों इलाहाबाद से लोकसभा के सदस्य थे। उनकी गिनती राजीव गांधी के पारिवारिक मित्रों में थी। बोफोर्स कमीशन में हिस्सेदारी करने वालों में अपना और भाई अजिताभ का नाम उछलने पर अमिताभ बच्चन की हिम्मत जवाब दे दी गई। राजीव गांधी के मना करने के बावजूद अमिताभ बच्चन ने लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर राजनीति से तौबा कर ली। अमिताभ के इस्तीफे के कारण रिक्त इलाहाबाद लोकसभा सीट का 1988 में उपचुनाव हुआ। इस वक्त तक विश्वनाथ प्रताप सिंह की देश के तमाम हिस्सों की यात्राओं और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम ने उन्हें काफी लोकप्रिय बना दिया था। "राजा नहीं फकीर है, भारत की तकदीर है "नारे की हर ओर गूंज थी। सत्ता के विरुद्ध उनकी छवि विपक्ष की सबसे मुखर आवाज और प्रभावशाली चेहरे के तौर पर स्थापित हो चुकी थी। इलाहाबाद उपचुनाव में वे अपने संगठन जनमोर्चा के प्रत्याशी थे। पूरा विपक्ष उनके पीछे था। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र सुनील शास्त्री को उनके विरुद्ध उम्मीदवार बनाया था। केंद्र और प्रांत की कांग्रेसी सरकारों की साझा ताकत और हर चुनावी हथकंडे इस्तेमाल करने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस उपचुनाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह को 2,02,996 और सुनील शास्त्री को 92,245 वोट प्राप्त हुए थे। इलाहाबाद उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी थे। इस नतीजे ने बिखरे विपक्ष को भी सीख और संदेश दिया कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए एक साथ आना होगा और विश्वनाथ प्रताप सिंह को नेता मानना होगा। सिर्फ एक दशक पहले जनता पार्टी के बिखराव की कड़वी यादें इन दलों के कदम आगे बढ़ने से रोक रही थीं। लेकिन और कोई रास्ता न होने के कारण एक बार फिर वक्ती मिलाप हुआ।सेक्युलर दलों ने जनता दल बनाया। भाजपा तथा वामदलों से चुनाव पूर्व गठबंधन किया। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के झंडों-मंचों से परहेज किया। लेकिन यह रणनीतिक दांव था , जहां दोनों को एक-दूसरे के वोट बैंक को बिना पास रहे अपने पक्ष में करना था। 1989 के लोकसभा चुनाव में ऐसा नहीं है कि अन्य मुद्दों की चर्चा नहीं हुई अथवा जातीयता, मजहबी गोलबंदी और क्षेत्रीयता के सवाल नहीं उभरे। लेकिन इन सब पर विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुवाई में जारी भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम भारी पड़ी। बोफोर्स का अप्रैल 1987 में निकला जिन्न दो साल बाद मई 1989 के लोकसभा के मतदान के वक्त भी पूरे विकराल रूप में था। ये आगे भी वर्षों तक गांधी परिवार और कांग्रेस का पीछा करता रहा। बेशक इस मुद्दे पर कुछ साबित न हो पाया हो लेकिन राजीव गांधी और कांग्रेस के लिए यह बहुत भारी पड़ा। बोफोर्स की कथित दलाली ने राजीव गांधी की मिस्टर क्लीन की छवि को नष्ट कर दिया। सिर्फ पांच वर्ष पहले उन्होंने लोकसभा के चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। 1989 में वे सत्ता से बाहर हो गए। कांग्रेस को सिर्फ 197 सीटें मिलीं। जनता दल 143 , भाजपा 85 और वाम मोर्चा 45 सीटों पर जीता। केंद्र की अगली जनता दल की सरकार की अगुवाई विश्वनाथ प्रताप सिंह ने की, जिसे भाजपा और वाम मोर्चे व कुछ अन्य दलों का बाहर से समर्थन था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार का मुद्दा एक बार फिर जोर-शोर से उठा।

कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए 2004 से ही सत्ता में थी। लेकिन इस बार सरकार के भीतर से नहीं बल्कि समाजसेवी अन्ना हजारे की अगुवाई में चले जनांदोलन ने सत्ता दल की छवि को धूल-धूसरित कर दिया। इस वक्त तक सोशल मीडिया और चैनलों का काफी विस्तार हो चुका था। इन सबके जरिए 2 जी और कॉमनवेल्थ जैसे घोटालों और मंत्रियों के विरुद्ध आरोपों की गूंज शहरों – कस्बों को लांघती दूर गांवों तक पहुंच गई। कैग की खिलाफ रिपोर्ट और सरकारी खजाने को 1 लाख 76 हजार करोड़ की चोट ने आरोपों पर और मोहर लगाई। आंदोलन को संघ परिवार का समर्थन हासिल था। अन्ना आंदोलन की कोख से उपजी आप पार्टी भी 2014 के चुनाव मैदान में उतरी। लेकिन इन सबसे अलग राष्ट्रीय राजनीति के मंच पर नरेंद्र मोदी के उभार ने सबको पीछे छोड़ दिया। गुजरे 25 वर्षों की गठबंधन सरकारों के प्रयोग से ऊबे वोटरों ने अकेले भाजपा को 282 सीटें देकर केंद्र में स्पष्ट बहुमत की स्थिर सरकार का रास्ता साफ कर दिया।

नाकामियों से विपक्ष में अनबन

महाराष्ट्र और हरियाणा में करारी हार के बाद विपक्षी गठबंधन का संतुलन बिगड़ता हुआ दिखाई देने लगा है। महाराष्ट्र में सपा और शिवसेना के बीच चल रही अनबन अब सब के सामने आ चुका है। दूसरी ओर ममता बनर्जी की नेतृत्व की इच्छा ने गठबंधन में हलचल के साथ ही तनाव बढ़ा दिया है। महाराष्ट्र में हार की वजह सीट बंटवारे और मुद्दों पर आम सहमति की कमी को ही माना जा रहा है, जिसका दोष सीधे कांग्रेस पर ही मढ़ा जाने लगा है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होने लगा है कि विपक्षी गठबंधन में सब कुछ तितर-बितर हो चुका है। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी ने गठजोड़ को तोड कर रख दिया है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष और खुल कर बयानबाजी से जाहिर होने लगा है कि विपक्ष में सबकुछ ठीक नहीं है। महाराष्ट्र में सपा का शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ना भले ही राज्य की सियासत पर असर न डाले, लेकिन इसके गहरे परिणाम यूपी के चुनाव में देखने को मिल सकते हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया गठबंधन को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत गहरा संदेश दे रहा है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और सीधे कांग्रेस को लेकर है। देखा जाए तो विपक्ष में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की है। सीटों के बंटवारे से लेकर मुद्दों तक, दोस्त दलों के बीच जगह-जगह बिखराव दिखाई दिया। इस शीतकालीन सत्र में भी यह बात साबित हो गई, जब अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। उस पर भी शरद पवार गुट भी कांग्रेस से अलग खड़ा दिखाई दिया। देखा जाए तो यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपने स्पेस के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय सियासत की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा लग रहा है। अतीत में झांकें तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बन गई थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो कहीं नहीं दिखाई देता। महाराष्ट्र इलेक्शन के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं होने वाला है। ऐसा नेशनल अलायंस किसी के भी समझ से बाहर है। आखिर इसमें इतने अंतर्विरोध क्यों और कैसे हैं? जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने हो जाते हैं। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है। राजनीति में गठबंधन चलता है समझौतों से, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें। यहां सवाल है कि कौन समझौता करेगा? अभी तक तो यही हुआ कि जहां जो दल मजबूत था, वहां उसने दूसरे सहयोगी दलों को अपनी बात मनवाने की कोशिश की। कांग्रेस पर सबसे बड़ा आरोप यही है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा दिखाई देने लगा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी अलायंस की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी अलायंस के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिलने लगी हैं। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इसलिए आने वाले चुनाव विपक्षी अलायंस के भविष्य के लिए भी काफी अहम हैं।

चिंताजनक बनती कूड़े की समस्या

डॉ.वेदप्रकाश

राजधानी दिल्ली में कई स्थानों पर कूड़े के पहाड़ बन चुके हैं। नदी,नालों व सड़कों पर कूड़ा सहज ही देखा जा सकता है। कूड़े का निस्तारण तो दूर, ठीक से संग्रह भी नहीं हो पा रहा है. क्या यह स्थिति चिंताजनक नहीं है।कूड़ा किसी उत्पाद की खपत के बाद उपजने वाली वस्तु है। हम घर में अथवा घर के बाहर प्रतिदिन भिन्न-भिन्न प्रकार के अनेक उत्पादों का प्रयोग करते हैं और फिर उनके अपशिष्ट को जहां-तहां फेंक देते हैं। कई बार तो डस्टबिन पास होने पर भी हम कूड़ा उसमें नहीं डालते. क्या एक नागरिक के रूप में यह आदत ठीक है? गली में न मैदान में, कूड़ा कूड़ेदान में क्या यह बात हमारा स्वभाव नहीं बननी चाहिए? आज कूड़े का संकट नदी, पहाड़, तालाब, समुद्र, धरती आदि को पाटते हुए चंद्रमा की सतह तक भी पहुंच गया है। वर्ष 2023 की द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार अकेले चंद्रमा की सतह पर लगभग 200 टन कूड़ा पड़ा है। क्या यह स्थिति भयावह नहीं है? क्या इसके लिए हम सभी दोषी नहीं हैं? आज प्लास्टिक कचरा वैश्विक संकट बनता जा रहा है। दुनिया में प्रतिवर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन हो रहा है जिसमें से बड़ी मात्रा में खुले में फेंक दिया जाता है अथवा जला दिया जाता है। खुले में फेंकने और जलाने से अनेक प्रकार की बीमारियां पैदा हो रही हैं। सर्वाधिक प्लास्टिक प्रदूषण उत्पादित करने वाले 10 देशों की सूची में भारत का स्थान सबसे ऊपर है। जनसंख्या की दृष्टि से भारत आज दुनिया के शीर्ष पर है। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण कम करने हेतु हमें अधिक प्रयास करने होंगे। भारत में प्लास्टिक के खिलौनें, थैलियां, बोतलें, चिप्स के रैपर आदि के रूप में कूड़ा अधिक फैल रहा है। क्या इसके लिए भारी जुर्माने का नियम सख्ती से लागू नहीं होना चाहिए? लकड़ी और मिट्टी के खिलौने, जूट एवं कपड़े के थैलों का सहज प्रयोग करके हम बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का प्रयोग व कूड़ा घटा सकते हैं। हमारे पास पर्यावरण अनुकूल संसाधन हैं, हमें उनका प्रयोग बढ़ाने की आवश्यकता है।

भारत गांवों का देश है। देश की बड़ी जनसंख्या आज भी गांवों में रहती है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में गांवों की संख्या 6,48,059 थी। वर्ष 1940 के दशक में गांधी जी ने लिखा था- देश में जगह-जगह सुहावने और मनभावने छोटे-छोटे गांवों के बदले हमें घूरे जैसे गंदे गांव देखने को मिलते हैं... गांव के बाहर और आसपास इतनी गंदगी होती है और वहां इतनी बदबू आती है कि अक्सर गांव में जाने वाले को आंख मूंदकर और नाक दबाकर ही जाना पड़ता है। कूड़ा प्रबंधन की दृष्टि से ये गांव आज 2024 में भी बहुत पीछे हैं। अक्टूबर 2023 के आंकड़े बताते हैं कि केवल 1,65,048 गांवों में ही ठोस कचरा और 2,39,063 गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है।

महिलाओं को मासिक भत्ता जीत की गारंटी

राजेश कुमार पासी

भारतीय राजनीति में रेवड़ी कल्चर बढ़ता जा रहा है लेकिन यह जीत की गारंटी नहीं है । दक्षिण भारत में रेवड़ी कल्चर बहुत पहले से चल रहा है लेकिन देश के दूसरे भागों में इस कल्चर को बढ़ावा देने का श्रेय केजरीवाल को जाता है । उन्होंने दिल्ली में फ्री बिजली-पानी देने की घोषणा करके सत्ता प्राप्त की और सत्ता मिलने के बाद इसमें ऐसी ही दूसरी योजनाओं को जोड़ दिया । केजरीवाल ने रेवड़ी कल्चर के सहारे कांग्रेस और भाजपा को दिल्ली की राजनीति में किनारे लगा दिया। केजरीवाल ने इसी फार्मूले से पंजाब में बड़ी जीत हासिल की है। फ्री बिजली और महिलाओं को एक हज़ार रुपये मासिक भत्ता देने के उनके वादे ने उन्हें पंजाब में तीन चौथाई बहुमत दे दिया। केजरीवाल के इस फार्मूले को अपनाकर कांग्रेस ने भी कई राज्यों में सत्ता प्राप्त की है और अब भाजपा भी इसी फार्मूले का इस्तेमाल कर रही है। आर्थिक विशेषज्ञ रेवड़ी कल्चर को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक मानते हैं लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मोदी सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं रेवड़ी कल्चर का हिस्सा है इसलिए भाजपा खुद को रेवड़ी कल्चर का विरोधी नहीं बोल सकती। रेवड़ी कल्चर के खिलाफ चुनाव आयोग कई बार राजनीतिक दलों को चेतावनी दे चुका है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं कर पाया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशो ने भी इस मामले में कई बार अपनी टिप्पणियां की हैं । वास्तव में अभी तक रेवड़ी कल्चर की कोई निश्चित परिभाषा तय नहीं हो पाई है। भारत एक लोकतांत्रिक कल्याणकारी देश है इसलिये अपनी गरीब जनता को मुफ्त में सुविधाएं देना गलत कैसे कहा जा सकता है। राजनीतिक और आर्थिक विशेषज्ञ रेवड़ी कल्चर उसको कहते हैं जिसमें सरकार जनता को मुफ्त की सुविधायें प्रदान करती है । दूसरी तरफ राजनीतिक दल कहते हैं कि गरीब जनता को आर्थिक मदद देना गलत कैसे हो सकता है । वास्तव में रेवड़ी कल्चर तब घातक हो जाता है जब राज्य की आर्थिक हालत इसकी इजाजत नहीं देती है । देखने में आ रहा है कि रेवड़ी कल्चर वाले ज्यादातर राज्यों की आर्थिक हालत बिगड़ती जा रही है ।

पिछले कई चुनावों से देखने में आ रहा है कि महिलाओं को मासिक भत्ता देने की घोषणाओं ने सरकार बनवाने और बदलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । देश की लगभग 80 प्रतिशत जनता गरीबी की मार झेल रही है और महिलाओं की हालत इसमें ज्यादा बदतर है । ऐसी महिलाओं के लिए हर महीने एक हजार से दो हजार रुपये मिलना बड़ी बात है । इस सच को समझना उन लोगों के लिए मुश्किल है जिन्होंने गरीबी नहीं देखी है । हरियाणा चुनाव से कुछ समय पहले मैं अपने गृहनगर अंबाला कैंट में एक दोस्त से मिलने उसके घर गया था जिसकी मासिक आय लगभग पन्द्रह हजार रूपये हैं । जब भाजपा और कांग्रेस द्वारा महिलाओं को 2000 रूपये मासिक भत्ता देने की बात आई तो उसकी पत्नी की आंखों में आई चमक देखने वाली थी । मुझे अहसास हुआ कि इस घोषणा का एक गरीब महिला के लिए क्या मतलब है । यही कारण है कि इस योजना का विरोध कोई भी राजनीतिक दल नहीं कर पा रहा है ।

आज की राजनीतिक सच्चाई यह है कि अगर कोई राजनीतिक दल चुनाव के दौरान महिलाओं को मासिक भत्ता देने की घोषणा करता है तो इसके जवाब में उसका विरोधी दल उससे ज्यादा रकम देने का वादा कर देता है । अब सवाल उठता है कि जब दोनों तरफ से ऐसी घोषणा की जाती है तो फिर इसका राजनीतिक फायदा किसको मिलता है । सच यह है कि अगर दोनों दल ऐसी घोषणा करते हैं तो महिलाओं के वोट उसको मिलते हैं जिस पर जनता ज्यादा भरोसा करती है । अगर सत्ताधारी दल ऐसी घोषणा चुनाव से कुछ समय पहले या चुनाव के दौरान करता है तो जनता उस पर विश्वास नहीं करती है क्योंकि उसे लगता है कि अगर उसे इस योजना को लागू करना था तो उसने अपने शासन के दौरान ऐसा क्यों नहीं किया, ऐसे में फायदा विरोधी दल को मिलता है । अगर सत्ताधारी दल चुनाव से कुछ महीने पहले ऐसी योजना लागू कर देता है और महिलाओं के बैंक खाते में कुछ मासिक किस्तें पहुंच जाती हैं तो महिलाएं सत्ताधारी दल की तरफ मुड़ जाती हैं । महिलाओं के लिए उस पार्टी से मुंह मोड़ना मुश्किल हो जाता है जिसने कुछ समय पहले ही उनके खाते में पैसे डालना शुरू किया हो ।

पिछले महीने सम्पन्न हुए महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में इस योजना ने अपना असर दिखाया है । महाराष्ट्र में महायुति सरकार ने चुनाव से 5 महीने पहले माझी लाडकी बहिन योजना लागू की, जिसके अन्तर्गत हर महिला को 1500 रूपये मासिक भत्ता दिया गया । चुनाव से पहले 2.34 करोड़ महिलाओं के खाते में पांच किस्तों के जरिये 7500 रुपये पहुंचा दिये गये । महायुति गठबंधन को 288 में से 230 सीटें दिलवाने में इस योजना ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है । झारखंड में जेएमएम की सरकार ने मंइयां सम्मान योजना चुनाव से चार महीने पहले लागू की और चार किस्तों में हर महिला के खाते में 4000 रुपये पहुंचा दिए गये । जेएमएम को चुनाव में 81 में से 56 सीटें दिलवाने में इस योजना ने बड़ी भूमिका अदा की है । हरियाणा में भाजपा सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने का वादा किया जिसके अन्तर्गत महिलाओं को हर माह 2100 रुपये देने का वादा किया गया है । आंध्र प्रदेश में भी टीडीपी ने महिलाओं को 1500 रुपये देने की घोषणा की है । ओडिशा में भी भाजपा ने महिलाओं को सालाना दस हजार रुपये देने का वादा किया है । इसके अलावा तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा के चुनाव के दौरान भी ऐसे वादे किये गये थे । आंध्र प्रदेश में महिलाओं ने टीडीपी पर भरोसा जताते हुए उस पर वोटों की बारिश कर दी और उसे बड़ी जीत हासिल हुई । तेलंगाना में कांग्रेस को बड़ी जीत हासिल हुई लेकिन राजस्थान में इस घोषणा का कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ । राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने योजना लागू नहीं की थी इसलिए उनकी घोषणा बेअसर हुई ।

जहाँ ठोस विचार केवल धुंआ होते हैं!

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गाँव में एक दिन एक अनोखी घटना घटी। गाँव के बुजुर्ग रामशंकरजी, जिन्हें लोग 'नास्तिक' के नाम से जानते थे, अपने घर के बाहर खड़े होकर उन वादियों का निरीक्षण कर रहे थे, जिनकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। वे अपनी आँखों से बर्फीली हवाओं के झोंकों को निहारते हुए यही सोच रहे थे कि 'कभी ये हवाएँ मुझे भी छूने आती थीं, पर अब ये केवल उनके पास जाती हैं जिनके पास सर्दियों के लिए कंबल होता है।' अब रामशंकरजी का मन किसी और दिशा में था। वे हर बार यह मानते थे कि आधुनिकता अब केवल उनके जैसे वृद्धों को ही परेशान करती है, जिनके पास वृद्धावस्था के सिवा और कुछ नहीं होता। वे खड़े-खड़े गाँव के उन सभी लोगों पर विचार कर रहे थे, जिन्होंने 'आधुनिकता' के नाम पर बूट और जैकेट पहन रखे थे, जबकि उनके खुद के पास केवल लाठी और बेतरतीब चप्पलें थीं। अचानक उनके कानों में एक आवाज आई, रामशंकरजी, आपका पोता हरिशंकर, गाँव के चुनावी रैली में गया है, उसे बहुत अच्छे से तैयार किया गया है। रामशंकरजी एक लम्हे को चौंके। उन्होंने अपना सिर झटकते हुए कहा, तो फिर वो मुझे क्यों नहीं दिखता? तभी गाँव के सबसे सम्मानित हस्ती, पं. हरिहरनाथ जी, रामशंकरजी के पास आकर बोले, रामशंकरजी, आपको तो आदर्श नागरिक का उदाहरण बनना चाहिए। आपने कभी सोचा है कि ये जो हरिशंकर की राजनीति में रुचि है, वह केवल दिखावे की है, या फिर उसके भीतर कुछ ठोस विचार हैं? रामशंकरजी ने चश्मा सही किया और मंद-मंद मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल! राजनीति के अंदर ठोस विचार तो वैसे ही होते हैं, जैसे घर के अंदर वॉर्डरोब में रखा बर्तन। बस फर्क इतना है कि बर्तन कभी काम आता है, लेकिन राजनीति में ठोस विचार केवल धुंआ उगलते हैं। क्या मतलब? हरिहरनाथ जी ने एक शंका जताई। रामशंकरजी ने अपना चश्मा और अधिक चमकाते हुए कहा, ₹मतलब यह है कि जिस चुनावी रैली में वह भाग ले रहे हैं, उसमें जीतने के बाद वह केवल अपनी जाति की कुर्सी पर बैठेंगे, और हमें जो अपना वोट उन्हें देंगे, वो कुर्सी किसी और की हो जाएगी, जो शायद सिर्फ उनका हाथ पकड़कर कहीं और चला जाएगा। इतने में गाँव के प्रमुख नेता, श्रीनाथ जी, जो रैली के संयोजक थे, पास आकर बोले, रामशंकरजी, आप भी न! हरिशंकर जैसे बच्चों की कड़ी मेहनत को क्यों नकारते हो? क्या आपके जमाने में ऐसा कुछ था? रामशंकरजी मुस्कुराते हुए बोले, क्या जमाना था! पहले हम लोग मेहनत करते थे, पर अब तो मेहनत ही राजनीति में बदल गई है। लोग अब सिर्फ किस्मत का ताला खोलते हैं और हमें बता देते हैं कि हम में कोई ताज नहीं, बस एक अदृश्य सौभाग्य ही है जो हमें पराजित होने से बचाता है। हरिहरनाथ जी ने चिढ़ाते हुए कहा, अब आप ज्यादा कहने लगे हैं।

मरते दम तक अंग्रेजों के हाथ नहीं आए प्रफुल्ल चंद चाकी

कुमार कृष्णन

प्रफुल्ल चाकी देश के पहले क्रांतिकारी थे जिन्होनें अंग्रेजों द्वारा घिरने पर अपने सिर में गोली दाग ली थी और देश के लिए शहादत देकर अमर हो गए ।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में मुजफ्फरपुर के किंगसफोर्ड बम कांड ख़ासा महत्व रखता है। यह कांड क्रांतिकारियों के अपमान के बदले के रूप में भी चर्चित है। 30 अप्रैल को मुजफ्फरपुर में किंगसफोर्ड बम कांड को प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस द्वारा अंजाम दिया गया था। इसके चलते भारत की ब्रिटिश गुलामी के इतिहास का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मुकदमा अलीपुर बम केस हुआ और बंगाल के क्रांतिकारियों की निर्भीक आत्मोत्सर्ग की क्रांतिकारी विचारधारा पूरे देश में आग की तरह फ़ैल गई।

सन 1888 में 10 दिसम्बर के दिन जन्मे क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। प्रफुल्ल का जन्म उत्तरी बंगाल के जिला बोगरा के बिहारी गाँव (अब बांग्लादेश में स्थित) में हुआ था। जब प्रफुल्ल दो वर्ष के थे तभी उनके पिता जी का निधन हो गया। उनकी माता ने अत्यंत कठिनाई से प्रफुल्ल का पालन पोषण किया। विद्यार्थी जीवन में ही प्रफुल्ल का परिचय स्वामी महेश्वरानंद द्वारा स्थापित गुप्त क्रांतिकारी संगठन से हुआ और उनके अन्दर देश को स्वतंत्र कराने की भावना बलवती हो गई। इतिहासकार भास्कर मजुमदार के अनुसार प्रफुल्ल चाकी राष्ट्रवादियों के दमन के लिए बंगाल सरकार के कार्लाइस सर्कुलर के विरोध में चलाए गए छात्र आंदोलन की उपज थे।

वह सन 1907 का समय था। बंगाल को तत्कालीन लार्ड कर्जन ने विभाजित कर रखा था और मातृभूमि को प्रत्यक्ष माता का स्वरूप मानकर ₹वन्देमातरम' गीत से उसकी वन्दना करने वाले युवक और छात्र-दल जिनके नेता अरविन्द घोष और बारीन्द्र घोष थे, अपना घर-परिवार त्यागकर अंग्रेजों से जूझ रहे थे। 16-17 वर्ष के छात्र अंग्रेजों और उनके पिट्ठू सरकारी अधिकारियों पर प्रहार कर रहे थे। ये नवयुवक 'छात्र-भंडार' खोलकर नगरों में स्वदेश की बनी वस्तुएं बेचते थे और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करते थे। अरविन्द घोष ने स्वयं ही मिदनापुर के सत्येन्द्र नाथ बसु जैसे युवकों को क्रांति की शिक्षा दी थी। मिदनापुर के मियां बाजार में किराए के मकान में एक अखाड़ा चलता था जिसमें लाठी, तलवार चलाने के साथ ही बंदूक से लक्ष्य भेद और घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिया जाता था। यही अखाड़ा गुप्त क्रांतिकारी समिति के रूप में सक्रिय हुआ।

पूर्वी बंगाल में छात्र आंदोलन में प्रफुल्ल चाकी के योगदान को देखते हुए क्रांतिकारी बारीद्र घोष उन्हें कोलकाता ले आए जहाँ उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों की युगांतर पार्टी से हुआ। उन दिनों सर एंड्रयू फ्रेजर बंगाल का राज्यपाल था जिसने लार्ड कर्जन की बंग-भंग योजना को क्रियान्वित करने में भरपूर उत्साह दिखाया था। फलतः क्रांतिकारियों ने इस अंग्रेज को मार देने का निश्चय किया। अरविन्द के आदेश से समिति के यतीन्द्रनाथ बसु, प्रफुल्ल चाकी के साथ दार्जिलिंग गए क्योंकि वह राज्यपाल वहीं था परन्तु वहां जाकर देखा गया कि राज्यपाल की रक्षार्थ सख्त पहरा है और कोई उसके पास तक पहुंच नहीं सकता। अतः ये लोग लौट आए और यह योजना सफल नहीं हुई। उसे मारने का दूसरा प्रयास सन् 1907 के अक्तूबर में भी हुआ जब उसकी रेल को बम से उड़ाने गए अरविन्द घोष के भाई बारीन्द्र घोष, उल्लासकर दत्त, प्रफुल्ल चाकी और विभूति सरकार ने चन्दननगर और मानकुंड रेलवे मार्ग के बीच एक गड्ढा खोदकर उसमें बम रखा परन्तु वह उस रेल मार्ग से गया ही नहीं।

आगे उसी साल 6 दिसम्बर को भी बारीन्द्र घोष, प्रफुल्ल चाकी और दूसरे कई साथियों को लेकर खड्गपुर गए और नारायण गढ़ जाने वाले मार्ग से एक मील दूर खड्गपुर के रेल मार्ग पर एक सुरंग रात के 11-12 बजे के बीच लगायी किन्तु रेल के क्षतिग्रस्त होने पर भी वह राज्यपाल बच गया। 7 नवम्बर, 1908 को भी इसी एंड्रयू फ्रेजर को कलकत्ते के ओवरटून हाल के एक बड़े जलसे में क्रांतिकारी जितेन्द्र नाथ राय ने पिस्तौल से गोली मारने की चेष्टा की, पर 3 बार घोड़ा दबाने पर भी गोली न चलने से वह पकड़े गए और उन्हें 10 वर्ष की सजा मिली। क्रांतिकारियों को अपमानित करने और उन्हें दण्ड देने के लिए कुख्यात कोलकाता के चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड को जब क्रांतिकारियों ने जान से मार डालने का निर्णय लिया तो यह कार्य प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस को सौंपा गया। दोनों क्रांतिकारी इस उद्देश्य से मुजफ्फरपुर पहुंचे जहाँ ब्रिटिश सरकार ने किंग्सफोर्ड के प्रति जनता के आक्रोश को भाँप कर उसकी सरक्षा की दृष्टि से उसे सेशन जज बनाकर भेज दिया था। खुदीराम मुजफ्फरपुर आकर महाता वार्ड स्टेट की धर्मशाला में दुर्गादास सेन के नाम से और प्रफुल्ल चाकी दिनेशचंद्र राय के छद्म नाम से ठहरे।

4 नहीं बल्कि 5 सिर हुआ करते थे ब्रम्हा के, कहां गया उनका पांचवा सिर

हिंदू पुराणों के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने पूरी सृष्टि की रचना की थी। यह कार्य उन्हें भगवान शिव द्वारा सौंपा गया था। ब्रह्मा जी के चार सिरों को चार वेदों के प्रतीक के रूप में माना जाता है। पहले के समय में, उनके पास पांच सिर होते थे, और इन पांच सिरों से वह सभी दिशाओं में देख सकते थे। आइए जानते हैं कि उनका पांचवां सिर कहां चला गया और इसके पीछे की पौराणिक कथा

देवी सतरूपा की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, ब्रह्मा जी ने सृष्टि के विकास के लिए एक बहुत सुंदर स्त्री की रचना की, जिसका नाम सतरूपा था। सतरूपा, ब्रह्मा जी की पुत्री होने के बावजूद इतनी सुंदर थीं कि ब्रह्मा जी उन पर मोहित हो गए। जब ब्रह्मा जी ने उन्हें देखा और उन्हें अपने पास लाने के लिए आगे बढ़े, तो देवी सतरूपा उनसे बचने के लिए हर दिशा में भागने लगीं।

ब्रह्मा जी ने अपनी तीन नई सिरों की उत्पत्ति की ताकि वह हर दिशा से सतरूपा को देख सकें। फिर भी सतरूपा ने ऊपर की दिशा में दौड़ने की कोशिश की, लेकिन ब्रह्मा जी ने अपना एक और सिर ऊपर की ओर उत्पन्न कर लिया।

भगवान शिव का क्रोध और पांचवां सिर

पौराणिक कथा के अनुसार यह दृश्य भगवान शिव के लिए असहनीय था, क्योंकि सतरूपा ब्रह्मा जी की पुत्री थीं। शिव जी ने देखा कि ब्रह्मा जी की यह कुदृष्टि उन्हें ठीक नहीं लग रही थी। इस पर क्रोधित होकर, शिव ने अपने गण भैरव को भेजा और भैरव ने ब्रह्मा जी का पांचवां सिर काट दिया। इस घटना के बाद ब्रह्मा जी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने अपनी कुदृष्टि पर पछतावा जताया।

बड़ी सफलता के साथ ही नई समस्याएं भी आती हैं इनसे सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो शांति मिलेगी

11 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी यानी गीता जयंती है। द्वापर युग में अगहन शुक्ल एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता उपदेश दिया था। इस कारण ये तिथि गीता जयंती के रूप में मनाई जाती है। इस दिन पूजा-पाठ के साथ ही गीता का पाठ करना चाहिए, श्रीकृष्ण की कथाएं पढ़नी-सुननी चाहिए और श्रीकृष्ण की सीख को जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। यहां पढ़िए श्रीकृष्ण की एक ऐसी कथा, जिसमें भगवान ने संदेश दिया है कि सफलता के साथ ही नई समस्याएं भी आती हैं, उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए...

श्रीकृष्ण की युधिष्ठिर को सीख

महाभारत का युद्ध के बाद का प्रसंग है। युद्ध खत्म हो चुका था। जीत के बाद युधिष्ठिर राजा बनने वाले थे। उस समय श्रीकृष्ण ने तय किया कि अब मुझे द्वारिका लौटना चाहिए, क्योंकि यहां सब ठीक हो गया है। श्रीकृष्ण की इच्छा जानकर कुंती ने भगवान को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन श्रीकृष्ण कुंती को समझा दिया कि उनका जाना जरूरी है।श्रीकृष्ण से युधिष्ठिर ने कहा कि मैं आपसे विशेष अनुरोध करता हूं कि आप अभी न जाएं, मैं बहुत परेशान हूं।

श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम इतना बड़ा युद्ध जीत चुके हो, राजा बन गए हो तो अब क्या परेशानी है?

युधिष्ठिर ने कहा कि आप तो जानते ही हैं, मुझे ये जीत अपने ही लोगों को मारकर मिली है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि ये जीत इतना दुख देगी। ये सत्ता अच्छी नहीं लग रही है।

श्रीकृष्ण ने कहा कि राजा बनना तो मुश्किल ही है। आपको धर्म बचाना था और उसके बाद आपको ये राजगादी मिलनी थी। हमारी हर जीत के पीछे एक हार छिपी होती है। बड़ी सफलता के साथ ही नई परेशानियां भी आती हैं, इसलिए असफलता और परेशानियों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए, तभी जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। समझदार व्यक्ति वही है जो जीत के पीछे के दुख से सीख लेकर आगे बढ़ता है।

जो लोग सफलता को समझे बिना जीत का आनंद लेते हैं, उनकी स्थिति तो हारे हुए लोगों की तरह हो जाती है। इसलिए सफलता और परेशानियों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सलाह दी की हमें भीष्म पितामह के पास चलना चाहिए, वे ही तुम्हें और अच्छी तरह से समझा सकते हैं कि राज धर्म कैसे निभाना चाहिए।

श्रीकृष्ण की सीख

इस प्रसंग में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को संदेश दिया है कि जो लोग सफल होने के बाद लापरवाह नहीं होते हैं और परेशानियों से सीख लेकर आगे बढ़ते हैं, उनके जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। जो लोग ये बातें ध्यान नहीं रखते हैं, उनका मन हमेशा अशांत ही रहती है।

दिमाग को सुकून दिलाएंगे ये खास वास्तु उपाय

इस दिशा में न रखें कूड़ेदान: ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र के मुताबिक, मानसिक सुकून पाने के लिए घर की उत्तर-पूर्व दिशा में लाल, गुलाबी रंग के शेड्स, कूड़ेदान और पुराने अखबारों को न रखें। ऐसा करने से दिमाग में अशांति पैदा होती है।

इस दिशा में स्वस्तिक लगाएं: यदि सबकुछ ठीकठाक होने के बाद भी मन में शांति नहीं है तो आपको सचेत हो जाना चाहिए। इससे निजात पाने और घर में सकारात्मकता बढ़ाने के लिए उत्तर-पूर्व में ओंकार या स्वस्तिक लगाएं।

इस दिशा में न हो बेडरूम: आपका बेडरूम पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में नहीं होना चाहिए। यहां ज्यादा रहने से आप पछताना और शिकायत करना शुरू कर सकते हैं। इस दिशा में रहने से आप बेचैन रह सकते हैं।

इस दिशा न रखें ज्यादा पौधे: ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, घर की पूर्व दिशा में ज्यादा पौधे रखने से मानसिक स्वास्थ्य पर निगेटिव प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही कंगाली भी आ सकती है। इसलिए घर में पौधे लगाते समय नियमों का विशेष ध्यान रखें।

टूटी-फूटी चीजें घर में रखने से बचें: टूटी-फूटी चीजें रखने से बचना चाहिए। चाहे वह शीशा हो या खिड़की या फर्नीचर, टूटी हुई वस्तुओं को जल्द से जल्द घर से बाहर कर दें। टूटी-फूटी चीजें सकारात्मक ऊर्जा केप्रवाह को रोकती हैं।

मंगल का रत्न है मूंगा, दोष की शांति के साथ आत्मविश्वास की कमी करता है दूर!

आपने अक्सर लोगों को कई तरह के रत्न पहने देखा होगा, जिसमें लाल कलर का मूंगा रत्न भी शामिल है। रत्नों का लोगों के जीवन पर काफी अच्छा प्रभाव रहता है। रत्न शास्त्र के अनुसार, लाल मूंगा धारण करने से लोगों को कई तरह के लाभ मिलते हैं। ऐसी मान्यता है कि लाल रंग का मूंगा रत्न पहनने से लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है और ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को ऊर्जा, तेज का प्रतीक माना जाता है। मूंगा पहनने से लोगों को दुश्मनों से छुटकारा मिलता है और जीवन आने वाली बाधाओं से मुक्ति मुक्ति मिलती है। इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलने लगती है।

रत्न शास्त्र के मुताबिक, मूंगा रत्न धारण करने से व्यक्ति का आलस्य दूर होता है। इस रत्न को पहनने से व्यक्ति के विचारों में स्पष्टता आती है और सभी कामों को समय के अंदर पूरा करने का साहस मिलता है। पहनने से व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। जिन लोगों को चिंता या अवसाद ज्यादा रहता है, उन्हें मूंगा जरूर धारण करना चाहिए।

हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं है मूंगा : लाल रंग का मूंगा रत्न हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता है। इसको केवल वे लोग पहन सकते हैं जो मेष, वृश्चिक राशि वाले हों या लग्न में सिंह, धनु, मीन राशि वाले हों। यदि उनकी कुंडली में मांगलिक दोष हो तो ऐसे व्यक्ति को मूंगा धारण करने से लाभ मिलता है। मूंगा मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करता है। इसको लेकर एक जरूरी ये बात है कि जो लोग मूंगा के साथ नीलम रत्न पहनते हैं उन्हें नुकसान उठना पड़ सकता है। इसलिए मूंगा पहनने वाले लोग नीलम रत्न न पहनें।

इन राशियों के लिए मूंगा लाभकारी : मूंगा रत्न समुद्र के अंदर पाया जाता है। दरअसल मूंगा एक प्रकार की लकड़ी होती है और इसका रंग लाल होता है। रत्न शास्त्र अनुसार जिस व्यक्ति की लग्न मेष, वृश्चिक हो या सिंह, धनु, मीन हो, वह लोग मूंगा पहन सकते हैं। क्योंकि मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह है। साथ ही अगर कुंडली में मंगल ग्रह उच्च का विराजमान हो तो भी मूंगा पहना जा सकता है। वहीं अगर कुंडली में मंगल और गुरु की युति बन रही हो तो एक साथ मूंगा और पुखराज धारण कर सकते हैं। लेकिन मूंगा के साथ नीलम और पन्ना नहीं पहनना चाहिए। अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मूंगा पहनने से क्या लाभ होता है

मूंगा धारण करने से व्यक्ति के अंदर साहस आता है साथ ही आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े छात्रों को मूंगा पहनने से काफी लाभ होता है।

किसी व्यक्ति में अगर आत्मविश्वास की कमी हो या फिर जो सपनों में डर जाता हो तो वह अपनी कुंडली दिखाकर मूंगा धारण कर सकते हैं।

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष हो तो ऐसे व्यक्ति को मूंगा धारण करना से लाभ मिलता है। मूंगा मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करता है।

मोक्षदा एकादशी के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां

मोक्षदा एकादशी के दिन भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना विष्णु जी हो जाएंगे नाराज, जानिए व्रत का सही नियम

हर साल मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी का व्रत रखने का विधान है। इस साल मोक्षदा एकादशी का व्रत 11 दिसंबर 2024 को रखा जाएगा। मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं व्यक्ति को अपने सभी पापों से भी छुटकारा मिलता है। लेकिन एकादशी व्रत के कुछ नियम भी हैं जिनका पालन करना बेहद जरूरी है वरना आपकी पूजा असफल हो सकती है। तो आइए जानते हैं कि मोक्षदा एकादशी के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

मोक्षदा एकादशी के दिन करें इन नियमों का पालन

मोक्षदा एकादशी के दिन सूर्यदेव को जल अर्पित करने के बाद अपने व्रत को आरंभ करें।

एकादशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि कर लें। इसके बाद विधिपूर्वक विष्णु जी की पूजा करें।

एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की भी पूजा करें।

एकादशी के दिन श्री हरि विष्णु को पीले रंग के फूल, केला, नारियल, पंचामृत, तुलसी आदि पूजा सामग्री अर्पित करें।

मोक्षदा एकादशी के दिन एकादशी कथा के साथ ही गीता का भी पाठ करें।

एकादशी व्रत के दिन शाम के समय पूजा-आरती के बाद ही फलाहार करें।

मोक्षदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।

एकादशी के दिन सात्विक आहार ही ग्रहण करें।

एकादशी के दिन न करें ये काम

एकादशी व्रत के दिन तामसिक चीजों (प्याज, लहसुन, मांस-मदिरा) का सेवन न करें।

एकादशी के दिन चावल और चावल से बनी चीजों का खाना वर्जित होता है।

दशमी तिथि के दिन से ही चावल और तामसिक चीजों का सेवन न करें।

एकादशी के दिन किसी दूसरे को अपशब्द न कहें और न ही किसी से वाद-विवाद करें।

रसोई में इन 3 चीजों का गिरना है अशुभ

वास्तु शास्त्र में घर में सुख-समृद्धि लाने के कई उपाय बताए गए। वास्तु की मदद से हम अपने जीवन की नकारात्मकता को भी दूर कर सकते हैं। साथ ही वास्तु में कुछ ऐसे संकेतों का जिक्र भी मिलता है जिन्हें शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में आज हम आपकी रसोई में मौजूद 3 ऐसी चीजों के बारे में जानकारी देने वाले हैं, जिनका गिरना वास्तु में अशुभ संकेत हैं। ये चीजें कौन-कौन सी हैं और इनके गिरने से क्या संकेत हमको मिलते हैं, इसके बारे में हम आपको जानकारी देंगे। साथ ही हम आपको बताएंगे अशुभता से बचने के कुछ जरूरी उपाय।

सरसों के तेल का गिरना

अगर आपकी रसोई में कभी सरसों का तेल गिर जाए, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। ये संकेत है कि आपके ऊपर या घर के किसी सदस्य के ऊपर शनि दोष है और उसे शनि ग्रह से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। सरसों के तेल के गिरने के बाद यदि आप या घर का कोई सदस्य करियर में दिक्कतों का सामना कर रहा है, तो समझ जाइए शनि दोष हो सकता है। इसके साथ ही शनि दोष के कारण व्यक्ति के बनते काम भी बिगड़ते हैं। इसलिए सरसों के तेल के गिरने के बाद आपको शनिवार के दिन एक पात्र में सरसों का तेल लेकर, उस पात्र पर घर के लोगों का हाथ छुआकर दान कर देना चाहिए। ऐसा करने से शनि से संबंधित दोष दूर हो सकते हैं।

दूध का गिरना

दूध का गिरना भी वास्तु में अच्छा संकेत नहीं माना जाता। दूध को चंद्र ग्रह से जोड़कर देखा जाता है और साथ ही ये सुख-समृद्धि का भी प्रतीक है। अगर रसोई में दूध गिरने की घटना बार-बार हो रही है तो समझ जाइए, घर परिवार में किसी को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है या बड़ी धन हानि हो सकती है। इसलिए आपको दूध गिरने के बाद भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और शिवलिंग पर दूध अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से आपके ऊपर आने वाली परेशानियां दूर हो सकती हैं।

नमक का गिरना

नमक एक ऐसा पदार्थ है जिसका प्रयोग घर में बार-बार होता है। नमक को शुक्र और चंद्रमा से संबंधित माना जाता है। रसोई में नमक का गिरना भी शुभ संकेत नहीं होता। अगर बार-बार आपकी रसोई में नमक गिर जाता है, तो समझ जाइए आपको धन के साथ-साथ वैवाहिक जीवन में भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नमक का बार-बार गिरना आपके आर्थिक रूप से कमजोर होने का भी संकेत है। इसलिए धन और वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों से बचने के लिए आपको लक्ष्मी-नारायण की पूजा करनी चाहिए और शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करना चाहिए।

क्या है 13 नंबर का डर?

दरअसल, 13 नंबर को डरावने अंक के रूप में देखा जाता है और दुनियाभर में ऐसे कई लोग हैं जो 13 नंबर के अंक से डरते हैं। वे इस नंबर को अनलकी समझते हैं और कई लोग इसे नकारात्मक शक्तियों से भी जोड़ लेते हैं, जिससे भय और भी भयानक हो जाता है। इस डर को ट्रिस्कायडेकाफोबिया कहा जाता है।

होटल में क्यों नहीं होता 13 नंबर

ऐसा कहा जाता है कि कई होटल मालिकों को ट्रिस्कायडेकाफोबिया होता है यानी कि डर, जिसके कारण वे होटल में कोई कमरा 13 नंबर नहीं रखते। यदि उनका होटल बड़ा है और उसमें कई इमारत हैं तो वहां भी 13 वां फ्लोर अंकित नहीं करते। वह 12 के बाद या तो 12 A या 12 B जैसे नंबर अंकित करते हैं या फिर वहां सीधे तौर पर 14 नंबर अंकित कराते हैं।

क्या है ट्रिस्कायडेकाफोबिया

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ऐसे लोग जो 13 नंबर से डरते हैं और उसके नाम से उनके अंदर पसीना आना, घबराहट होना जैसी समस्याएं होती हैं वे ट्रिस्कायडेकाफोबिया से ग्रसित होते हैं। कई लोगों के साथ ऐसा होता है जब 13 नंबर देखने से उनके दिल की धडकनें बढ़ जाती हैं। कई लोगों को ऐसा लगता है कि यदि वे होटल में जाकर 13 नंबर रूम बुक करेंगे तो उनका काम ही बिगड़ जाएगा।

कॉमेडियन ने पापा अमिताभ बच्चन का उड़ाया मजाक तो अभिषेक बच्चन को आया गुस्सा

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. वो अभी भी फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अभिषेक हाल ही में रितेश देशमुख के शो केस तो बनता है में गए थे. जहां पर वो खूब मस्ती करते हुए नजर आए मगर उन्हें एक टाइम पर गुस्सा आ गया जब कॉमेडियन ने उनके पिता अमिताभ बच्चन को लेकर जोक मारा. अभिषेक ने गुस्से में ऐसी बात कही कि सब चुप हो गए.

शो में कॉमेडियन परितोष त्रिपाठी ने एक एक्ट किया जिससे अभिषेक को गुस्सा आ गया. इसकी शुरुआत तब हुई जब परितोष ने खुद को एक ट्रोल बताया जो सोशल मीडिया पर सेलेब्स को ट्रोल करता है. उन्होंने अमिताभ बच्चन का नाम लिया और उनके लंबे हाथों का मजाक उड़ाया. जिसे सुनकर अभिषेक को गुस्सा आ गया.

अभिषेक ने कह डाली ये बात

अभिषेक ने कॉमेडियन को बीच में रोककर जोक पर अपनी नाराजगी जाहिर की. अभिषेक ने कहा कि उनके पिता को इस सबके बीच में नहीं लाना चाहिए. उन्हें थोड़ा रिसपेक्ट दिखानी चाहिए. अभिषेक ने कहा- मैं समझ गया लेकिन पेरेंट्स पर नहीं जाना चाहिए. मेरे तक रखिए ना, पिताजी पर... थोड़ा सेंसिटिव होता है. वो मेरे पिता हैं, अच्छा नहीं लगता. उसके लिए ही मैं बोल रहा हूं, थोड़ी बहुत इज्जत देनी चाहिए हम लोगों को. कॉमेडी में इतना भी नहीं करना चाहिए ना. हम लोग आज कल बह जाते हैं.

जब अभिषेक को शो के डायरेक्टर रोकने की कोशिश करते हैं तो वो अपना आपा खो देते हैं और सेट से चले जाते हैं. वो कहते हैं- मुझे जो कहना है वो कहने दीजिए. मैं फूल नहीं हूं. अभिषेक के जाने के बाद परितोष रितेश से कहते हैं कि उनकी इंटेशन किसी को हर्ट करने की नहीं थी. हालांकि सबको सरप्राइज करके अभिषेक सेट पर वापस आ जाते हैं और कहते हैं ये प्रैंक था. जब परितोष शांत हो जाते हैं तो अभिषेक कहते हैं- इस लाइन में मैं तेरा बाप हूं बॉस, ट्रोल ऐसे करते हैं।

राजकुमार ने श्रद्धा कपूर के साथ 'स्त्री 3' पर दिया बड़ा अपडेट

सुनकर प्रशंसकों को हो सकती है निराशा

राजकुमार राव बॉलीवुड के पसंदीदा अभिनेताओं में से एक हैं। फिल्म स्त्री से राजकुमार राव को काफी प्रसिद्धि हासिल हुई है। अब उन्होंने स्त्री 3 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है, जो इस फिल्म के प्रशंसकों को शायद पसंद नहीं आए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में राजकुमार राव ने स्त्री 3 पर एक बड़ा अपडेट देते हुए कहा है कि यह वह नहीं है जिसकी प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे। हाल ही में बातचीत में राजकुमार राव ने स्त्री 3 पर अपडेट देते हुए संकेत दिया कि इस पर काम चल रहा है लेकिन यह जल्द ही नहीं आएगी। उन्होंने कहा, स्त्री 3 जरूर आएगी लेकिन जल्द ही नहीं आएगी। राजकुमार ने यह भी कहा, स्त्री 3 को बनाने में कुछ समय लगेगा, लेकिन इसके पिछले भाग की तरह इसमें छह साल नहीं लगेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि निर्देशक अमर कौशिक, निर्माता दिनेश विजान और लेखकों सहित टीम एक बेहतरीन कहानी गढ़ने पर ध्यान दे रहे हैं।

राजकुमार ने आगे बताया कि टीम इसे सही तरीके से बनाने के लिए पूरे प्रयास कर रही है, न कि फिल्म की सफलता को भुनाने के लिए सीक्वल बनाने की जल्दबाजी में इसे बनाया जाएगा। स्त्री और स्त्री 2 के बीच छह साल के अंतराल को ध्यान में रखते हुए , उन्होंने स्त्री 3 के ऊपर आवश्यक समय लेने के महत्व पर जोर दिया है।

राजकुमार ने स्त्री में अपने प्रिय किरदार विक्की के बारे में बात करते हुए कहा कि वह इस किरदार को अपने दिल से बहुत प्यार करते हैं। वह विक्की के नासमझ, सरल स्वभाव से खुद को जुड़ा महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने किरदार की तरह, उनका भी दिल साफ है और वह दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करना पसंद करते हैं। हालांकि, वह मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि भले ही उनमें विक्की की आत्मा है, लेकिन वह खुद को कभी भी भूत के प्यार में पड़ते नहीं देखते।

काम की बात करें तो राजकुमार के लिए यह साल काफी व्यस्त रहा, जिसमें उन्होंने स्त्री 2, श्रीकांत, मिस्टर एंड मिसेज माही और विक्की और विद्या का कौन वाला वीडियो में भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने हाल ही में मालिक की शूटिंग भी पूरी की है, जो उनकी अगली रिलीज़ होगी।

आलिया कश्यप व होने वाले पति शेन, शादी से पहले हल्दी सेरेमनी में रोमांटिक हुए

बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप अपने बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। शादी की रस्म की शुरुआत हो गई है। शनिवार को ब्राइडल शॉवर के बाद रविवार को हल्दी सेरिमनी का आयोजन किया गया था। आलिया की सगाई शेन ग्रेगोइरे के साथ 2023 में हुई थी और तभी से फैंस दोनों की शादी का इंतजार कर रहे हैं और अब शादी से पहले हल्दी सेरिमनी की तस्वीर खूबसूरतियां बटोर रही हैं।

तस्वीर में आप देख सकते हैं कि हल्दी सेरिमनी में कपल रोमांटिक होता हुआ नजर आया है और वहां मौजूद मेहमान उन पर प्यार बरसा रहे हैं। कपल पर फूलों की बारिश हो रही है। आलिया और शेन ग्रेगोइरे दोनों अपने हल्दी सेरिमनी को इंजॉय करते हुए नजर आए हैं। शेन ग्रेगोइरे ने पीले रंग का कुर्ता और व्हाइट पजामा पहना हुआ है। वहीं आलिया भी येलो कलर के कॉस्ट्यूम में दिखाई दे रही हैं।

हल्दी सेरिमनी की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खुद आलिया कश्यप ने पोस्ट किया है, कैप्शन में उन्होंने लिखा है, एंड सो इट बिगिंस। सोशल मीडिया पर की गई इस पोस्ट पर फैंस के ढेर सारे कॉमेंट्स भी आ रहे हैं। आलिया कश्यप को उनके फैंस सोशल मीडिया पर शादी के लिए एडवांस में बधाई देते हुए नजर आए हैं और हल्दी सेरिमनी पर फैंस जमकर प्यार लुटाते हुए दिखाई दिए हैं।

खुशी कपूर और आलिया कश्यप दोनों अच्छे दोस्त हैं। आलिया कश्यप की शादी की सभी रस्मों में खुशी कपूर की मौजूदगी हमेशा नजर आई है। हल्दी सेरिमनी की तस्वीर में भी आप देख सकते हैं, खुशी कपूर आलिया कश्यप और शेन ग्रेगोइरे पर फूल की बारिश करते हुए नजर आ रही हैं। उनके साथ वहां पर और भी करीबी दोस्त मौजूद हैं। आलिया कश्यप की हल्दी सेरिमनी की तस्वीर तो वायरल हो गई है। अब फैंस को उनके शादी की तस्वीर की पहली झलक का इंतजार है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि फैंस के इंतजार की घड़ी अब खत्म होने वाली है आलिया कश्यप और शेन ग्रेगोइरे जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

अपनी बायोपिक में किस एक्टर को देखना चाहते हैं धर्मेंद्र? नाम जानकर रह जाएंगे हैरान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को प्यार से बी-टाउन का 'ही-मैन' कहा जाता है. वे हिंदी सिनेमा के सबसे हैंडसम एक्टर रहे हैं. अपने छह दशक से ज्यादा के लंबे और शानदार करियर में उन्होंने 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. आज भी दिग्गज अभिनेता अपने फैंस के दिलों पर राज करते हैं. धर्मेंद्र ने अपना करियर 1960 में शुरू किया था और वे 89 साल की उम्र में भी एक्टिव हैं. इंडस्ट्री में उनकी जर्नी इनक्रेडिबल रही है और फैंस लीजेंड की लाइफ पर एक बायोपिक देखना चाहते हैं. वहीं एक्टर ने एक बार बताया चाहते हैं. हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए अपने बेटों सनी देओल या बॉबी देओल को नहीं चुना. इसके बजाय, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें लगा कि इस भूमिका के लिए सलमान खान एक बेहतरीन ऑप्शन होंगे.

दरअसल 2018 में धर्मेंद्र का इंटरव्यू लिया गया था और पूछा गया था कि अगर उन पर बायोपिक बनाई जाए तो उनकी भूमिका निभाने के लिए कौन सही कैंडिडेट होगा. इस पर दिग्गज अभिनेता ने सभी को हैरान कर देने वाला जवाब दिया था. उन्होंने कहा था, मुझे

था कि वे किस अभिनेता को अपनी बायोपिक में चाहते हैं.

दरअसल कुछ साल पहले, धर्मेंद्र ने खुलासा किया था कि वह किस अभिनेता को अपनी बायोपिक में उनकी भूमिका निभाते हुए देखना लगता है कि सलमान खान बायोपिक में मेरा रोल कर सकते हैं.वह मेरे प्यारे हैं और उनमें मेरी तरह कुछ आदतें हैं. आप सभी सलमान और उनकी आदतों को अच्छी तरह से जानते हैं.

'आपने मुझे उससे अधिक दे दिया है जिसका मैं हकदार हूं', अल्लू अर्जुन की किस बात से अभिभूत हुए बिग बी?

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। फिल्म ने रिलीज के चार दिनों में ही सभी भाषाओं में कुल 529.45 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, और इसने 500 करोड़ क्लब में सबसे तेज पहुंचने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

अल्लू अर्जुन ने की थी बिग बी की तारीफ

हाल ही में, फिल्म के प्रमोशन के दौरान अल्लू अर्जुन ने बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन की जमकर तारीफ की थी। जब उनसे पूछा गया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कौन से अभिनेता उन्हें प्रेरित करते हैं, तो अल्लू ने कहा, ₹मुझे सबसे ज्यादा अमिताभ जी प्रेरित करते हैं। हम बचपन से उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं। बड़े होते समय उनका हम पर गहरा प्रभाव था। मैं उनका बड़ा फैन हूं। इस उम्र में वह जिस तरह से अभिनय कर रहे हैं, वह वाकई शानदार है।

अमिताभ ने दिया जवाब

अल्लू अर्जुन के इन शब्दों को सुनकर अमिताभ बच्चन भी अभिभूत हो गए। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, अल्लू अर्जुन जी, आपके इन शब्दों से मैं बहुत अभिभूत हूं। आपने मुझे उससे अधिक दे दिया है जिसका मैं हकदार हूं। हम सभी आपके काम और प्रतिभा के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। आप हम सभी को प्रेरित करते रहें। आपकी निरंतर सफलता के लिए मेरी प्रार्थनाएं और शुभकामनाएं।

कल्कि 2898 एडी में नजर आए थे बिग बी

वर्क फ्रंट की बात करें तो इस साल अमिताभ बच्चन को 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। फिल्म में उन्होंने जबर्दस्त एक्शन सीन दिए थे। इस फिल्म में उनके साथ प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन भी नजर आए थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

गुस्से पर नहीं रहता कंट्रोल, नाना पाटेकर ने खुद को बताया हिंसक, कर चुके हैं कई लोगों की पिटाई

बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर को उनकी बेहतरीन ऐक्टिंग के लिए पहचाना जाता है। नाना पाटेकर ने खुद से जुड़ा बड़ा खुलासा किया है और बताया है कि वह अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं कर पाते हैं। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने यह माना है कि वह काफी हिंसक हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह एक्टर नहीं होते तो वह अंडरवर्ल्ड में होते। बातचीत के दौरान नाना पाटेकर ने भी स्वीकार किया कि अब उनके हिंसक व्यवहार कम हुआ है लेकिन वह अब भी उन्हें उकसाने वाले की पिटाई कर देते हैं।

नाना पाटेकर ने बताया कि लोग मुझसे डरते थे, मैं बहुत हिंसक था, मैं ज्यादा नहीं बोलता था। मैं अपने काम से बात करता था, मैं अब कम हिंसक हूं, लेकिन आज भी अगर कोई मुझे उकसाता है तो मैं उसे पीट देता हूं। मैं अगर एक्टर नहीं बनता तो मैं अंडरवर्ल्ड में होता, यह कोई मजाक नहीं है मैं यह सच कह रहा हूं। एक्टिंग ने मुझे एक प्लेटफार्म दिया है, जिसकी वजह से मैं अपनी हताशा से दूर हो पाता हूं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए उन्होंने बताया कि मैंने बीते दिनों में कई लोगों को पीटा है, मुझे उनके नाम तक याद नहीं हैं। मेरे बहुत सारे झगड़े हुए हैं। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि नाना पाटेकर ने खुद से जुड़ा चौंकाने वाला खुलासा किया है।

नाना पाटेकर इस समय अनिल शर्मा की फिल्म वनवास को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में वह अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा के साथ नजर आ रहे हैं। अनिल शर्मा ने गदर जैसी सुपरहिट फिल्म बनाई है। वहीं नाना पाटेकर की अगर बात करें तो वह 1993 में आई फिल्म 'तिरंगा' और 'क्रांतिवीर' को लेकर पहली बार सुर्खियों में आए थे। इसके बाद वह अग्निसाक्षी, खामोशी, 'गुलाम-ए-मुस्तफा' जैसी फिल्मों में नजर आए। इसके बाद वह वेलकम फिल्म में भी नजर आए, जिसमें उन्होंने कॉमेडी के अपने अंदाज को दिखाया। अब तक 56 जैसी अंडरवर्ल्ड पर बनी फिल्म में भी उन्होंने जबर्दस्त अभिनय किया था और इस समय वह वनवास नाम की फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। साल 1978 में उन्होंने गमन नाम की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

शबाना आजमी ने बताया 40 साल की शादी का राज बोली- जावेद आज भी मुझे खूब हंसाते है

शबाना आजमी और जावेद अख्तर बॉलीवुड की दो ऐसी शख्सियत हैं, जिनका हुनर वक्त के साथ और बढ़ता गया है। शबाना ने अभिनय में बुलंदियों को छुआ है, वहीं जावेद अख्तर ने भी बेहतरीन बॉलीवुड फिल्में और गीत लिखे हैं। साथ ही यह दोनों पति-पत्नी भी हैं तो एक-दूसरे को हमेशा कलाकार के तौर पर मोटिवेट भी करते हैं। इनकी शादी को आज 40 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर शबाना आजमी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने पति जावेद अख्तर को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा यह भी बताया कि उनकी सफल शादी का राज क्या है?

शबाना ने जावेद अख्तर संग तस्वीर साझा की

अपनी शादी के 40 साल पूरे होने पर शबाना आजमी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपनी और जावेद अख्तर की एक प्यारी सी तस्वीर साझा की। इसमें दोनों के चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान है। इसी तस्वीर के साथ शबाना एक कैप्शन भी लिखती हैं- 'आज हमारी शादी को 40 साल पूरे हो गए हैं और आप आज भी मुझे खूब हंसाते हो।' यही वह खास बात है, जो शबाना और जावेद अख्तर की सफल शादी का राज है। कहा भी जाता है कि जो पति-पत्नी एक-दूसरे की खुशी और हंसी का ख्याल रखते हैं, उनकी शादी ताउम्र बनी रहती है, वे लोग एक खुशहाल शादी-शुदा जीवन जीते हैं।

जावेद अख्तर ने सफल शादी का मंत्र बताया

कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने कहा था कि वो और शबाना पति-पत्नी से अधिक दोस्त हैं। वह दोस्त की तरह साथ रहते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि शादी के रिश्ते में प्यार से ज्यादा सम्मान की जरूरत होती है। जो पति-पत्नी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, उनकी ही शादी सफल होती है।

जावेद ने की थी शबाना से दूसरी शादी

जावेद अख्तर ने साल 1984 में शबाना आजमी से शादी की थी। इससे पहले उनकी शादी हनी ईरानी से हुई थी, लेकिन शादी के कुछ साल बाद दोनों अलग हो गए थे। जावेद अख्तर और हनी ईरानी के दो बच्चे हैं, एक हैं फरहान अख्तर और जोया अख्तर। फरहान और जोया, दोनों ही बतौर निर्देशक और कलाकार बॉलीवुड में सक्रिया है। जोया, फरहान के शबाना आजमी के साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं, दोनों ही शबाना आजमी का बहुत सम्मान करते हैं।

'द गर्लफ्रेंड' मूवी में नए अंदाज में दिखेगी 'श्रीवल्ली'

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों 'पुष्पा 2 द रूल' की दमदार सफलता का जश्न मना रही हैं। उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया है। एक्शन ड्रामा फिल्म हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा रही है, जबकि तेलुगु कलेक्शन मजबूत बना हुआ है। वहीं, अब वे अपनी नई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अभिनेत्री की नई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का टीजर आखिरकार जारी हो गया है।

रश्मिका के क्लोज-अप शॉट्स

दूसरी ओर, रश्मिका की फिल्म द गर्लफ्रेंड का टीजर पहले पुष्पा 2 के साथ रिलीज होने वाला था, लेकिन किसी कारण से ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, आज टीजर रिलीज हो गया है और यह दमदार लग रहा है। निर्देशक राहुल रविंद्रन ने रश्मिका को विभिन्न मूड में दिखाने पर ध्यान केंद्रित किया है। टीजर में रश्मिका के क्लोज-अप शॉट्स भरे हुए हैं, जो अलग-अलग दिख रही हैं और उनके चेहरे पर डर साफ झलक रहा है।

रश्मिका का किरदार

रश्मिका एक कॉलेज गर्ल का किरदार निभा रही हैं, जो एक लड़के से प्यार करती है। इसके अलावा, टीजर में ज्यादा कुछ नहीं दिखाया गया है, सिवाय एक आखिरी डायलॉग के, जिसमें रश्मिका लड़के से पूछती है कि क्या वह उस पर पिकअप लाइन्स का इस्तेमाल कर रहा है, क्योंकि वह ऐसी चीज़ों पर विश्वास नहीं करती। रश्मिका एक साधारण अवतार में नजर आ रही हैं, और जो चीज इसे और दिलचस्प बनाती है, वह है विजय देवरकोंडा की आवाज। कुछ संस्कृत पंक्तियों का उनका उच्चारण टीजर को खास बनाता है।

विजय ने जारी किया फिल्म का टीजर

खास बात यह भी है कि 'द गर्लफ्रेंड' का टीजर विजय देवरकोंडा ने ही जारी किया है। टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि यह फिल्म एक थ्रिलर है, जिसमें रश्मिका को पहले कभी नहीं देखा गया किरदार निभाते हुए दिखाया जाएगा। टीजर में रश्मिका को एक ऐसे रिश्ते में दिखाया गया है, जो धीरे-धीरे उनके लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। रश्मिका ने अपनी आंखों के जरिए कई भावनाओं को साझा किया है।

फिल्म का निर्माण

यह राहुल रविंद्रन की तीसरी निर्देशित फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा भी है। फिल्म का निर्माण गीता आर्ट्स ने किया है, जिसमें हेशम अब्दुल वहाब ने संगीत दिया है। विद्या कोप्पिनीडी और धीरज मोगिलिनेनी ने मास मूवी मेकर्स और धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का सह-निर्माण किया है। वहीं, रश्मिका अब 'छावा' में विक्की कौशल के साथ भी नजर आएंगी।

दाल में चिकन और मटन से ज्यादा प्रोटीन है

बढ़ता वजन लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी है। वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग अपना आराम और सुख तक छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए दो स्ट्रॉन्ग टूल्स है एक है डाइट तो दूसरा है वर्कआउट। ये दोनों टूल्स वजन को तेजी से कम करने में असरदार साबित होते हैं। बढ़ते वजन को कम करना चाहते हैं तो रोजाना 40 मिनट तक वर्कआउट करें और डाइट में प्रोटीन को शामिल करें। प्रोटीन डाइट का सेवन करके आसानी से वजन को कंट्रोल किया जा सकता है। प्रोटीन डाइट से मतलब जरूरी नहीं है कि आप चिकन और मटन का ही सेवन करें। आप प्रोटीन डाइट में दालों का सेवन कर सकते हैं। दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जिनका सेवन करके आसानी से वजन को कम किया जा सकता है।

एम्स के पूर्व कंसल्टेंट और साओल हार्ट सेंटर के फाउंडर एंड डायरेक्टर डॉ बिमल झांजेर के मुताबिक दाल में चिकन,मटन और फिश से ज्यादा प्रोटीन होता है। सोयाबीन से लेकर सभी दालों में 28 फीसदी से लेकर 17 फीसदी तक प्रोटीन होता है। आपको बता दें कि मटन में 18 ग्राम प्रोटीन होता है जबकि चिकन में 30 ग्राम प्रोटीन होता है और फिश में 17-23 ग्राम तक प्रोटीन मौजूद होता है। नॉनवेज फूड्स से प्राप्त प्रोटीन का सेवन वजन बढ़ा सकता है। प्रोटीन डाइट में दालें ऐसा शाकाहारी फूड हैं जिनका सेवन करने से आसानी से वजन को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि प्रोटीन से भरपूर दालें कैसे वजन को कंट्रोल करती है।

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में प्रोटीन से भरपूर दालों को शामिल करें। वजन कम करने के लिए आप अपने वजन के प्रति किलोग्राम के बीच 1.6 और 2.2 ग्राम प्रोटीन के सेवन का लक्ष्य रखें। वजन कम करना चाहते हैं और हैवी वर्कआउट कर रहे हैं तो प्रति किलोग्राम 2.2-3.4 ग्राम प्रोटीन का सेवन करें। प्रोटीन डाइट वजन कम करने के लिए बेहद असरदार उपाय है।

दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती हैं। इनका सेवन करने से भूख लम्बे समय तक नहीं लगती। अगर आप रेगुलर प्रोटीन डाइट का सेवन करें तो आपकी 60% तक भूख कंट्रोल हो सकती है। वजन कम करने के लिए प्रोटीन डाइट बेहद असरदार साबित होती है।

प्रोटीन डाइट में इन फूड्स को करें शामिल

अगर आप बढ़ते वजन को प्रभावी तरीके से कंट्रोल करना चाहते हैं तो डाइट में किनुआ का सेवन करें। किनुआ एक सीड की केटेगरी में आता है जिसमें प्रोटीन के साथ ही फाइबर भी मौजूद होता है जो पाचन को दुरुस्त करता है और वजन को कंट्रोल करता है।

वजन कम करने के लिए अंडा, पनीर और दूध को करें डाइट में शामिल। ये सभी फूड्स प्रोटीन से भरपूर होते हैं और वजन को तेजी से कंट्रोल करते हैं।

वजन को कंट्रोल करने में दालें हैं असरदार। दाल प्रोटीन से भरपूर होती है जो वजन कम करने में बेहद मदद करती हैं। सभी दालें, सोयाबीन, राजमा, छोले, चना इन सभी में फैट बहुत कम और प्रोटीन बहुत ज्यादा होता है। इन दालों को खाने से वजन कम होता है।

20 की उम्र से बना लें ये आदतें तो किडनी की बीमारियां रहेंगी दूर

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण दुनियाभर में कई प्रकार की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। डायबिटीज और हार्ट की समस्या के बाद शरीर के जिन अंगों को सबसे ज्यादा प्रभावित पाया जा रहा है, उनमें किडनी और लिवर की बीमारियां सबसे ज्यादा हैं। डायबिटीज और उच्च रक्तचाप को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) का सबसे आम कारण माना जाता है। जिस तरह से कम उम्र के लोग भी डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का शिकार हो रहे हैं उसने 30 से पहले की आयु में किडनी की बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी काफी बढ़ा दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की बीमारियों के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए 20 की उम्र से ही कुछ आदतें बना लेना सभी के लिए जरूरी है। सक्रिय जीवनशैली और पौष्टिक आहार के सेवन से किडनी की समस्याओं को रोकने में मदद मिल सकती है।

बहुत महत्वपूर्ण है किडनी की सेहत

हमारी किडनी मुट्ठी के आकार का अंग हैं जो पसलियों के नीचे और रीढ़ की हड्डी के दोनों तरफ स्थित होती हैं। किडनी हमारे रक्त से अपशिष्ट उत्पादों, अतिरिक्त पानी और अन्य अशुद्धियों को छानती है, जिससे रक्त साफ रहता है। ये अपशिष्ट उत्पाद आपके मूत्राशय में जमा हो जाते हैं और बाद में मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, किडनी हमारे शरीर में पीएच, सोडियम और पोटेशियम के स्तर को नियंत्रित करने का भी काम करती है।

यही कारण है कि किडनी को स्वस्थ्य को बनाए रखना आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि कम उम्र से ही किन आदतों का पालन करके किडनी से संबंधित बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है?

ब्लड प्रेशर और शुगर को करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर और शुगर दोनों का बढ़ना सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। इससे किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। जब आपके शरीर की कोशिकाएं रक्त में मौजूद ग्लूकोज (शर्करा) का उपयोग नहीं कर पाती हैं, तो किडनी को रक्त छानने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसी तरह से हाई ब्लड प्रेशर भी किडनी की क्षति का कारण बन सकता है। किडनी को स्वस्थ और रोग मुक्त रखने के लिए कम उम्र से ही ब्लड प्रेशर और शुगर को कंट्रोल रखना जरूरी है।

संतुलित आहार का करें सेवन

संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन किडनी और शरीर के सभी अंगों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। सोडियम, प्रोसेस्ड मीट जैसी चीजें किडनी को नुकसान पहुंचाती हैं। हरी सब्जियां-फल, साबुत अनाज का सेवन करें। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है भरपूर मात्रा में पानी पीते रहना। पानी पीते रहने से किडनी स्वस्थ रहती है। ताजी चीजों को आहार में अधिक शामिल करें जिसमें स्वाभाविक रूप से सोडियम कम हो- जैसे कि फूलगोभी, ब्लूबेरी, मछली, साबुत अनाज।

धूम्रपान से बनाएं दूरी

धूम्रपान आपके शरीर की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इससे आपके पूरे शरीर और किडनी में रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि धूम्रपान करने से आपमें किडनी कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। यदि आप धूम्रपान करते हैं और धूम्रपान करना बंद कर देते हैं, तो आपका जोखिम कम हो सकता है।

सर्दियों में बढ़ जाती है आंखों की ये बीमारी

आपकी भी हैं ऐसी आदतें तो तुरंत हो जाइए सावधान

सर्दियों का ये मौसम आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ठंडे मौसम के कारण श्वसन संक्रमण के अलावा त्वचा संबंधी समस्याएं, जोड़ों में दर्द और हार्ट की दिक्कतें भी काफी बढ़ जाती हैं। ये मौसम आपकी आंखों की सेहत के लिए भी काफी दिक्कतें बढ़ा सकता है।

सर्दियों में ड्राई आइज या आंखों में सूखापन बढ़ने की दिक्कत अधिक देखी जाती है। ठंडी-शुष्क हवा और घर के अंदर हीटर के इस्तेमाल के कारण ये दिक्कत होना काफी आम है। जिन लोगों को पहले से ही ये समस्या रही है उन्हें इस मौसम में और भी सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

ड्राई आइज की दिक्कत तब होती है जब आंखें सही मात्रा में आंसू का उत्पादन नहीं कर पाती हैं। इस वजह से आपको आंखों में लालिमा, जलन और किरकिरापन महसूस होता रह सकता है। आइए जानते हैं कि इस मौसम में आंखों की देखभाल कैसे करें?

ड्राई आइज के होते हैं ऐसे लक्षण

आंखों में सूखापन के कारण कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इस वजह से आंखों में अक्सर चुभन, जलन या खुजली जैसी दिक्कत होते रहना आम है। इसके अलावा आप प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, आंखों में कुछ होने का अहसास, रात में गाड़ी चलाने में कठिनाई और धुंधला दिखाई देने की समस्या भी महसूस कर सकते हैं। शुष्क हवा में या फिर हीटर के पास बैठने से ये दिक्कतें और भी बढ़ सकती हैं।

आंखों में रहता है सूखापन तो हो जाइए सावधान

जिन लोगों को आंखों में सूखापन की दिक्कत है, उन्हें समय रहते इसका इलाज जरूर करा लेना चाहिए। अगर आंखों की इस समस्या का सही से उपचार न हो पाए तो इसके कारण आंखों में संक्रमण होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। समय के साथ आपकी आंखों की सतह को नुकसान होने और गंभीर स्थितियों में आंखों में सूजन, कॉर्नियल सतह का घिसाव, कॉर्नियल अल्सर और दृष्टि हानि तक हो सकती है।

ड्राई आइज की समस्या के कारण आपके लिए रोजमर्रा के कार्य करना भी मुश्किल हो जाता है, इससे क्वालिटी ऑफ लाइफ भी प्रभावित हो सकती है।

ड्राई आइज की समस्या है तो क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को ड्राई आइज की दिक्कत है उन्हें कुछ बातों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। लक्षणों को कम करने के लिए किसी डॉक्टर की सलाह पर आई ड्रॉप का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आंखों में नमी बनाए रखना आसान हो सकता है।

इसके अलावा जीवनशैली में बदलाव भी बहुत जरूरी है। धुएं, हवा और एयर कंडीशनिंग से बचने की कोशिश करें। सर्दियों में हीटर के सीधे सामने न बैठें, इससे भी आंखों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। आंखों की जटिलताओं को कम करने के लिए स्क्रीन से ब्रेक लेना भी जरूरी है। फोन-लैपटॉप जैसे डिजिटल स्क्रीन का उपयोग कम से कम करें। पर्याप्त नींद लें जिससे आंखों को आराम मिले।

ड्राई आइज से बचने के लिए क्या उपाय करें?

ड्राई आइज से बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

अगर आपको आंखों में सूखापन महसूस होता है, तो उन स्थितियों पर ध्यान दें जो आपके लक्षणों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

अपनी आंखों में हेयर ड्रायर, कार हीटर, एयर कंडीशनर या पंखे की हवा को सीधे जाने से बचाएं।

रैपअराउंड सनग्लास या अन्य सुरक्षात्मक आईवियर पहनें। शुष्क हवा को रोकने में इससे मदद मिल सकती है।

आंखों को आराम दें। अगर आप पढ़ रहे हैं या कोई ऐसा काम कर रहे हैं जिसमें आंखों पर दबाव बढ़ता है तो समय-समय पर आंखों को आराम दें।

कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन का कम से कम इस्तेमाल करें।

धूम्रपान से बचें। धूम्रपान की आदत आपके लक्षणों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

डॉक्टर की सलाह पर आंखों को अच्छी तरह से चिकनाईयुक्त रखने के लिए आई ड्रॉप का इस्तेमाल करें।

हाई लेवल सोडियम बना रहा है आपके खून में पानी

शरीर को फिट और स्वस्थ रखने के लिए बहुत सारे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। सबसे महत्वपूर्ण तत्व सोडियम है। सोडियम शरीर में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। शरीर में कोशिकाओं को ठीक से काम करने की आवश्यकता होती है। शरीर में तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट का स्तर संतुलित होना चाहिए और रक्तचाप को नियंत्रित करना चाहिए। यह सब सोडियम द्वारा संभव बनाया गया है। सोडियम ब्लड प्रेशर को रेगुलेट करने का काम करता है। इसके साथ ही सोडियम मांसपेशियों को ठीक से काम करने में भी मदद करता है।

जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शरीर में सोडियम की कमी भी लीवर को खराब कर सकती है या इसे बीमार कर सकती है। साथ ही शरीर में सोडियम की अधिक मात्रा भी हानिकारक होती है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, अतिरिक्त सोडियम से डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, बुखार, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ज्यादा सोडियम के सेवन से पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि सोडियम को बैलेंस में रखा जाए।

सोडियम के स्तर को कैसे कम करें

रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना खाए जाने वाले 10 तरह के खाने में 40 फीसदी तक सोडियम पाया जाता है। ब्रेड, पिज्जा, सैंडविच, कोल्ड कट्स, सूप, बरिटो, स्नैक्स, चिकन, पनीर, अंडे और आमलेट सोडियम के प्रमुख स्रोत हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमेशा शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी अपने शरीर में सोडियम के स्तर को नियंत्रित करना चाहते हैं, तो आप अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं।

नींबू का रस पिएं

नींबू में विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में होता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। इसके साथ ही नींबू का रस शरीर में सोडियम की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करता है। अगर शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है तो आप नींबू का रस पी सकते हैं।

सेब का सेवन करें

अगर आप सोडियम को कंट्रोल करना चाहते हैं और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोजाना एक सेब का सेवन कर सकते हैं। सेब पेक्टिन से भरपूर होते हैं। इसके अलावा इसमें कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम, सेलेनियम, मैंगनीज, जिंक, फॉस्फोरस, कैल्शियम, सोडियम पाया जाता है। जो कई बीमारियों में फायदेमंद होता है। सेब में सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। सेब किडनी के लिए फायदेमंद होता है।

अंडे का सेवन करें

अंडा भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर प्रोटीन होते है। अंडे को इसी वजह से सुपरफूड भी कहा जाता है। इसमें सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। इसके लिए अंडे खाए जा सकते हैं। अंडे शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सलाद में खीरे को करें शामिल

खीरे में भरपूर मात्रा में पानी होता है। इसमें 96 प्रतिशत पानी है। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। खीरे में सोडियम की मात्रा भी बहुत कम होती है। आधे खीरे में सिर्फ 3 ग्राम सोडियम होता है। इसलिए खीरा सोडियम कंट्रोल में उपयोगी माना जाता है। इसके अलावा दही में सोडियम की मात्रा भी काफी कम होती है। दही में नमक और चीनी मिलाकर खाने से परहेज करें। ज्यादा फायदे के लिए आप इसमें फल मिला सकते हैं।

भूख लगने के लिए आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। कुछ महीनों से हृदय की धड़कन तेज हो गई है। क्या आप इस सामान्य बनाने के उपाय बता सकते हैं?

- देवकीनंदन शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : 'धड़कन' या 'पाल्पीटेशन' एक गैर चिकित्सकीय शब्द है। जब कभी हृदय का स्पंदन असामान्य प्रतीत होता है -उसे पाल्पीटेशन की श्रेणी में रखा जाता है। इसमें हृदय स्पंदन के ज्यादा होने, कुछ बीट्स छूट जाने, कुछ तेजी से धड़कने, शक्ति के साथ धड़कने या कुछ असामान्य रुप से धडकने वाले हृदय के बीट्स शामिल है। इसे आप आसानी से ई .सी .जी में पकड़ सकते है। हृत्कंप तनाव से, थायराइड ग्रंथि की अति सक्रियता से, कुछ अंग्रेजी दवा के पार्श्व प्रभाव से, हृदय की धमनियों के रोग से, हृदय की मांसपेशियों में आए खिंचाव से, हृदय के वाल्व की विकृति से या किसी अज्ञात कारण से भी बढ़ सकता है। कई बार हृत्कंप कॉफी, चाय, कोको, चाकलेट और सोड़ा से भी बढ़ता देखा गया है। इसी कारण हृत्कंप में वैद्य सभी प्रकार के ठंडे पेय और चाय, कॉफी पीने से मना करते हैं ।

आयुर्वेद में बढ़ी हृदय की धड़कन की चिकित्सा है। सद्वैद्य पूरे कारणों की जांच कर, निदान पर पहुंचता है और निदान के अनुसार ही चिकित्सा तय करता है। जवाहर मोहरा हृदय को बल देने वाला एक श्रेष्ठ योग है। किसी भी प्रकार के हृत्कंप इसके प्रयोग से शांत होते हैं। ऊंझा प्रवाल पिष्टी, ऊंझा अकीक पिष्टी , ऊंझा अर्जुनारिष्ट का भी प्रयोग किया जा सकता है। चिकित्साकाल में उत्तेजना पैदा करने वाले आहार - विहार से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 27 वर्ष है । भूख नहीं लगती । मुंह में पानी आने लगता है। पेट भारी रहता है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- अभिषेक जैन,वरंगल

उत्तर : आपके लक्षणों से लगता है कि आपको ₹अग्निमांद्य ₹ नामक रोग हो गया है । अग्निमांद्य रोग में जाठराग्नि की मंद

शक्ति के कारण आहार का उचित पाचन नहीं होता। अजीर्ण, अरुचि, स्वादहानि, लालास्राव , खट्टी डकार तथा पेट में भारीपन - अग्निमांद्य के मुख्य लक्षण हैं।

एकौषध प्रयोग में :

*सोंठ चूर्ण 2 ग्राम सुबह-शाम गर्म पानी के साथ लेने से डिस्पेप्सिया दूर होता है।

* अदरक 5 ग्राम नमक या गुड़ से लेने पर भी अग्निमांद्य रोग दूर होता है।

* हरीतकी चूर्ण को गुड़ से लेने पर जठराग्नि प्रदीप्त होकर अग्निमांद्य रोग दूर होता है।

* नींबू का रस भोजन के बाद लेने पर अजीर्ण दूर होता है ।

योगों में:

* ऊंझा लवण भास्कर चूर्ण, ऊंझा हिंग्वाष्टक चूर्ण, शिवाक्षार पाचन चूर्ण परम उपयोगी है।

* भोजन के पहले ऊंझा चित्रकादि वटी चूसने से अग्निमांद्य दूर होता है।

* शंख वटी, अग्नितुंडी वटी, रसोनादि वटी भी इस रोग में बहुत ही उपयोगी है ।

*भोजन के बाद जीरकाद्यारिष्ट या उंझा द्राक्षासव लेने से अजीर्ण दूर होता है । अरुचि नष्ट होकर भोजन का सही पाचन होता है। अग्निमांद्य में देर से हजम होने वाले पदार्थ, रेचक द्रव्य , शीतल पानी, दूषित जल न लें। हल्का, सुपाच्य और समय से भोजन ही लेवें।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। पिछले 6 साल से मधुमेह से परेशान हूं। आजकल पैर के तलवों की जलन से नींद भी उड़ गई है। क्या इसका इलाज आयुर्वेद में है ? बताएं!

- अल्ताफ हुसैन ,हैदराबाद

उत्तर : आप मधुमेह के उपद्रव ₹पेरीफेरल न्यूराईटिस₹ से पीड़ित है ।यदि खून में शक्कर का नियंत्रण नहीं हो पाता है यानी भोजन के पहले रक्त में शक्कर की मात्रा 110 के ऊपर और भोजन करने के बाद 160 मिलीग्राम से ऊपर बनी रहती है तब पेरिफेरल न्यूराईटिस के कारण पैर के तलवों में जलन प्रारंभ हो जाती है। आयुर्वेद में इसका उपचार है। ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस , जांब्रोझ टिकिया एवं चंद्रप्रभा वटी का सुबह-शाम फिके गर्म दूध के साथ सेवन करने से जल्दी ही लाभ मिलता है। भोजन में सभी प्रकार की मिठाई, शक्कर, गुड़ के बने पदार्थ, मीठे फल, आइसक्रीम, कुल्फी, चॉकलेट्स आदि का पूरा त्याग करें। हर रोज सुबह पैदल घूमे और हल्के व्यायाम किया करें। दिन में सोने की आदत बंद करें । जीवन को सक्रिय रखें। कुछ ही दिनों में मधुमेह के नियंत्रण में आते ही उसके उपद्रव भी शांत होने लगेंगे।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

डोनाल्ड ट्रंप लगाएंगे अडानी की नैया पार !

क्या बंद होगा अमेरिका में रिश्वत से जुड़ा केस?

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को अमेरिकी कोर्ट से छुटकारा नहीं मिला है। अडानी पर आरोप हैं कि उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। इस मामले में गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट की ओर से अरेस्ट वारंट जारी हो चुका है। लेकिन अब अडानी को एक उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। अडानी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने अडानी से कहा है कि वह कोर्ट में आकर अपना स्पष्टीकरण दें। इसका सीधा सा मतलब है कि अडानी अगर अमेरिका जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। ऐसे में उनके कारोबार पर बुरा असर पड़ सकता है। इसका फायदा दूसरी कंपनियां उठा सकती हैं।

क्या अडानी को मिलेगी राहत?

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अडानी के तारणहार बन सकते हैं। दरअसल, ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दोस्ती काफी गहरी है। इकनॉमिक टाइम्स में छपी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अडानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी सहयोगी हैं। ऐसे में भारत अमेरिका की कोर्ट में आरोपों का सामना करने के लिए उनके प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं दे सकता। इस तरह के जोखिम के सामने आने से पहले मोदी इस मामले को ट्रंप के सामने उठा सकते हैं। ट्रंप अगले महीने राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। ऐसे में ट्रंप प्रशासन अडानी के इस मामले को खारिज करने का फैसला ले सकता है।

इस मामले में हो सकता है समझौता

ट्रंप अगर प्रत्यर्पण से जुड़ा मामला खारिज कर देते हैं तो अडानी पर केवल संघीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी से जुड़ा मामला ही बचेगा। यह एक दीवानी मुकदमा है। इस मामले में अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग कुछ पेनल्टी और बैन की मांग कर रहा है। इस मामले में अडानी समझौता करने की पेशकश कर सकते हैं।

कानूनी पचड़ों में नहीं पड़ना चाहेंगे अडानी

अडानी कानूनी पचड़ों में नहीं पड़ना चाहेंगे। अगर कोर्ट के ये मामले लंबे चलते हैं तो अडानी को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए रकम जुटाना मुश्किल हो सकता है।

विदेशी बैंक अडानी के नए प्रोजेक्ट के लिए लोन देने से दूरी दिखा सकते हैं। साथ ही मौजूदा लोन को निकालने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

शेयरों का मिला-जुला रुख

सोमवार को अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर का मिला-जुला असर दिखाई दिया। दोपहर करीब 1:30 बजे अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर 0.13% की गिरावट के साथ 2503.20 रुपये पर थे। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर 0.81% की तेजी के साथ 1220.85 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। अडानी पोर्ट्स के शेयर एक फीसदी से कुछ ज्यादा की तेजी के साथ 1272.50 रुपये पर थे।

लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 200 अंक फिसला, निफ्टी 24650 से नीचे

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। कारोबारी लिहाज से बीते छह महीने के सबसे अच्छे हफ्ते के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर बंद हुए। बाजार में यह गिरावट एफएमसीजी शेयरों में गिरावट के कारण दिखी। गिरावट का मुख्य कारण गोदरेज कंज्यूमर्स की ओर से घटती मांग की आशंका के कारण तीसरी तिमाही के लिए पूर्वानुमानों में कटौती करना रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स 200.66 (0.24%) अंकों की गिरावट के बाद 81,508.46 पर बंद हुआ। दिनभर यह 81,783.28 के उच्च और 81,411.55 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। जबकि निफ्टी 58.80 (0.24%) अंक टूटकर 24,619.00 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक और भारतीय स्टेट बैंक पिछड़ गए। दूसरी ओर, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल और पावरग्रिड लाभ में रहे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे के अनुसार, पिछले सप्ताह की तेजी के बाद निवेशकों के उत्साह में कमी के कारण बाजार में सीमित दायरे में कारोबार हुआ और ज्यादातर समय यह नकारात्मक दायरे में रहा। एशियाई बाजारों में सियोल और शंघाई में गिरावट रही, जबकि टोक्यो और हांगकांग में बढ़त रही। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत बढ़कर 71.75 डॉलर प्रति बैरल हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पिछले तीन सत्रों से लगातार शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद शुक्रवार को बिकवाल बन गए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने 1,830.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 56.74 अंक या 0.07 प्रतिशत गिरकर 81,709.12 पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी 30.60 अंक गिरकर 24,677.80 पर बंद हुआ था।

सरकार के इस योजना से रोजगार में बंपर बढ़ोतरी

8,910 करोड़ रुपये के निवेश को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार की तरफ से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में बंपर नौकरियों के अवसर सामने आ रहे है। यह नौकरियां उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत उत्पन्न हो रही है। आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि 31 अक्टूबर तक कुल 2.89 लाख से ज्यादा नौकरियां उत्पन्न की हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बताया कि इस योजना के लिए देशभर में कुल 8,910 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए पीएलआई योजना को 31 मार्च, 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10,900 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी थी। इसे 2021-22 से 2026-27 तक लागू की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, अब तक 171 एप्लिकेंट को इस योजना के तहत शामिल किया गया है। इस योजना में देश में उगाए गए कृषि प्रोडक्ट के उपयोग को अनिवार्य किया गया है। इससे स्थानीय कच्चे माल की खरीदारी में काफी बढ़ोतरी हुई है। इससे ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों को लाभ हुआ है और किसानों की आय में भी बढ़ोतरी हुई है।

इन चीजों का मिल रहा फायदा

केंद्र सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में छोटे और मझोले उद्योगों (एसएमईएस) को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाओं का समर्थन कर रही है। इसमें प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), पीएलआईएसएफपीआई और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारीकरण योजना (पीएमएफएमई) शामिल है। इन योजनाओं के माध्यम से छोटे और मझोले उद्योगों को वित्तीय, तकनीकी और मार्केट सपोर्ट प्रदान की जा रही है। इससे उनकी क्षमता को विस्तार करने में मदद मिल रही है।

ऐसे उठाए इस योजना का लाभ

पीएलआई योजना के तहत, अधिकांश लाभार्थी एमएसएमईएस हैं, जिनमें 70 एमएसएमईएस सीधे योजना में शामिल हैं, जबकि 40 अन्य कंपनियां बड़े उद्योगों के लिए कॉन्ट्रैक्ट निर्माता के रूप में योगदान कर रही हैं। इस योजना के तहत, लाभार्थियों को विदेशों में अपने उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर 50 प्रतिशत खर्च की वापसी मिलती है। यह उनके सालाना खाद्य उत्पाद बिक्री का 3 प्रतिशत है। आवेदकों को इस योजना में भाग लेने के लिए पांच सालों में कम से कम 5 करोड़ रुपये खर्च करने की आवश्यकता होती है। वर्तमान में इस योजना के तहत 73 लाभार्थी हैं।

नोएडा एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सफल टेस्टिंग

जानें किस कंपनी ने कर दिखाया यह कमाल, बहुत रोचक है कहानी

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को पहली फ्लाइट की टेस्टिंग हुई। एक प्लेन इस एयरपोर्ट के रनवे पर उतरा और टेकऑफ हुआ। यह टेस्टिंग पूरी तरह सफल रही। जिस एयरलाइंस कंपनी के प्लेन की यहां टेस्टिंग हुई, वह देश की सबसे बड़ी लो कॉस्ट एयरलाइन है। हवाई सफर करने वाली काफी यात्री इस कंपनी के प्लेन में यात्रा करना पसंद करते हैं।

जिस कंपनी के प्लेन ने आज जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग की, उसका नाम इंडिगो है। इंडिगो 18 साल पुरानी कंपनी है। इसकी स्थापना 4 अगस्त 2006 को हुई थी। यह एक लो कॉस्ट एयरलाइन है। यानी इसमें यात्रा करने की टिकट दूसरी एयरलाइंस के मुकाबले काफी सस्ती होती है।

दो दोस्तों ने शुरू की थी कंपनी

इंडिगो की शुरुआत कैसे हुई, यह कहानी काफी रोचक है। इस कंपनी को दो दोस्तों राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने साल 2006 में शुरू किया था। राहुल दिल्ली के रहने वाले हैं जबकि उनके दोस्त राकेश अमेरिका में रहते हैं। इंडिगो शुरू करने से पहले गंगवाल कई बड़ी एयरवेज कंपनियों में काम कर चुके थे। ऐसे में उन्हें इस सेक्टर की काफी अच्छी नॉलेज थी। वैसे तो इंडिगो की शुरुआत साल 2004 में उस समय हो गई थी जब इन्होंने इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की शुरुआत 2004 में की। उस समय देश की एविएशन इंडस्ट्री भारी नुकसान से जूझ रही थी। इसके बावजूद दोनों ने इस सेक्टर में उतरने की ठानी। साल 2004 में ही कंपनी को एयरलाइन शुरू करने का लाइसेंस मिल गया था।

उधार के विमानों से मिली उड़ान

साल 2004 में लाइसेंस मिल जाने के बावजूद भी कंपनी साल 20006 तक अपनी उड़ानें शुरू नहीं कर पाई थी। ऐसा इसलिए क्योंकि कंपनी के पास कोई विमान नहीं था। यहां गंगवाल ने अपने नेटवर्क का फायदा उठाया। उन्होंने अपनी जान-पहचान के चलते कंपनी को एयरबस से 100 विमान उधारी पर दिलाए। इसके बाद चार अगस्त 2006 से कंपनी ने अपनी उड़ान शुरू की। कंपनी की पहली उड़ान दिल्ली से गुवाहाटी होते हुए इंफाल के लिए थी।

भीड़ में ऐसे बनाई अलग पहचान

जिस समय इंडिगो शुरू हुई, उस समय एविएशन इंडस्ट्री मुश्किल दौर से गुजर रही थी। साथ ही कई बड़ी कंपनियां भी मार्केट में मौजूद थीं। ऐसे में इंडिगो के सामने सवाल था कि वह इनके बीच में अपनी पहचान कैसे बनाएगी। इसका हल निकालते हुए कंपनी ने सस्ती दरों पर टिकट बेचने शुरू किए। इससे कंपनी को अधिक संख्या में यात्री मिले और उसका नुकसान भी बेहद कम हुआ।

आज देश की प्रमुख एयरलाइन

जब से इंडिगो शुरू हुई है, उसके बाद कई एयरलाइंस बंद हो गईं। कारण इन एयरलाइंस को चलाना काफी महंगा हो रहा था। वहीं दूसरी ओर इंडिगो लगातार ऊंचाइयां छूती रही। आज भारतीय एयरलाइंस में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी इंडिगो की है, जो 50 फीसदी से ज्यादा है।इंडिगो की उड़ान देश के लगभग सभी प्रमुख शहरों के लिए मौजूद है। आज कंपनी के पास करीब 400 विमान हैं। कंपनी रोजाना 123 जगहों के लिए दो हजार से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है। कंपनी विदेश की यात्रा के लिए भी सर्विस देती है।

एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को दिया झटका

महंगा किया लोन पर ब्याज

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी ने साल खत्म होने से पहले अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने कुछ पीरियड के लोन पर एमसीएलआर यानी लोन लेने के लिए लेंडिंग रेट को 0.05 फीसदी बढ़ा दिया है। ये नए रेट्स 7 दिसंबर 2024 से लागू हो गए हैं। आइए जानते हैं किस तरह के लोन पर ये रेट बढ़ाए गए हैं।

इन लोन पर बढ़ाया गया रेट

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर रेट सिर्फ ओवरनाइट पीरियड पर बढ़ाया है। पहले जहां ओवरनाइट पीरियड पर एमसीएलआर 9.15 फीसदी था वो अब बढ़ाकर 9.20 फीसदी कर दिया गया है।

आपकी ईएमआई पर कैसे होगा असर?

बैंक के एमसीएलआर रिवाइज करने से आपके होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन समेत सभी तरह के फ्लोटिंग लोन की ईएमआई पर असर पड़ता है। दरअसल, एमसीएलआर बढ़ने से आपके लोन पर इंटरेस्ट बढ़ जाता है और आपकी ईएमआई बढ़ जाती है। मान लीजिए आप कोई लोन लेना चाहते हैं तो आपको लोन अब 0.05 फिसदी पहले के मुकाबले महंगा मिलेगा वहीं, जिनका लोन पहले से चल रहा होगा उनकी ईएमआई बढ़ जाएगी। हालांकि, बैंक ने ये रेट ओवरनाइट पीरियड पर बढ़ाए हैं।

दिसंबर से लागू हैं ये दरें

एचडीएफसी बैंक के ओवरनाइट एमसीएलआर 9.15 फीसदी से बढ़कर 9.20 फीसदी कर दिया है।

एक महीने का एमसीएलआर 9.20 फीसदी है। इसमें बदलाव नहीं किया गया है।

तीन महीने की एमसीएलआर 9.30 प्रतिशत है। इसमें बदलाव नहीं किया गया।

छह महीने की एमसीएलआर 9.45 फीसदी है। इसमें बदलाव नहीं किया गया।

एक साल का एमसीएलआर 9.45 फीसदी है। इसमें बदलाव नहीं किया गया।

2 साल से अधिक पीरियड के लिए एमसीएलआर 9.45 फीसदी है। इसमें बदलाव नहीं किया गया।

3 साल से अधिक पीरियड के लिए एमसीएलआर 9.50 फीसदी है। इसमें बदलाव नहीं किया गया।

पेज़ैप पर भी दिया झटका

इससे पहले बैंक ने अपने पेज़ैप वॉलेट यूजर्स को भी झटका दिया है। 6 दिसंबर को बैंक ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी थी जिसमे कहा गया था कि पेजैप वॉलेट में क्रेडिट कार्ड से पैसा लोड करने पर 2.5 फीसदी प्लस जीएसटी का चार्ज देना होगा। हालांकि पेजैप वॉलेट में यूपीआई या डेबिट कार्ड के जरिए से पैसे ऐड करने पर कोई चार्ज नहीं देना होगा। पहले ये चार्ज 1.5 फीसदी था, जिसे 6 दिसंबर से बढ़ाकर 2.5 फीसदी कर दिया गया।

मोदी, पुतिन, जिनपिंग और ट्रंप से पंगा लेने वाले जॉर्ज सोरोस की जान लीजिए पूरी कुंडली, कितनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस एक बार फिर चर्चा में हैं। बीजेपी ने कांग्रेस पर सोरोस से संबंध रखने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की जिससे राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी उस संगठन से जुड़ी हैं जो सोरोस से फंड लेती हैं। यह संगठन अलग कश्मीर की वकालत करता है। पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने सोरोस के साथ हाथ मिलाया है। सोरोस की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति नफरत जगजाहिर है। आखिर कौन हैं जॉर्ज सोरोस. सोरोस का नाम भारत में नया नहीं है। उनके सपोर्ट वाली नॉन प्रॉफिट मीडिया संस्था OCCRP ने पिछले साल गौतम अडानी और अनिल अग्रवाल पर निशाना साधा था। उसकी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी ग्रुप ने गुपचुप तरीके से खुद अपने शेयर खरीदकर लाखों डॉलर का निवेश किया। इसी तरह वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने देश के पर्यावरण कानूनों को कमजोर करने के लिए गुपचुप तरीके से लॉबिंग की थी। 94 साल के सोरोस की पहचान एक ऐसे शख्स की रही है जो दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए अपना एजेंडा चलाता है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का भी धुर आचोलक माना जाता है।सोरोस अमेरिका के बड़े कारोबारियों में से एक हैं। लेकिन उनका करियर काफी विवादित रहा है। वह ऐसे सटोरिए, निवेशक और कारोबारी हैं लेकिन खुद को दार्शनिक और सामाजिक कार्यकर्ता कहलाना पसंद करते हैं। उन पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए एजेंडा चलाने का आरोप लगता रहता है। आरोप यह भी है कि उन्होंने कई देशों में चुनावों को प्रभावित करने के लिए खुलकर भारी-भरकम फंडिंग की। यूरोप और अरब के कई देशों में सोरोस की संस्थाओं पर भारी जुर्माना लगाकर पाबंदी लगाई गई है। आरोप है कि सोरोस दुनिया कई देशों में कारोबार और समाजसेवा की आड़ में पैसे के जोर पर वहां की राजनीति में दखल देते हैं। सोरोस प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के आलोचक रहे हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि मोदी के नेतृत्व में भारत तानाशाही व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सोरोस ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने और नागरिकता संसोधन कानून का भी खुलकर विरोध किया था। पिछले साल जनवरी में जब हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी में अडानी के खिलाफ रिपोर्ट जारी की थी तो सोरोस काफी मुखर हो गए थे। उन्होंने कहा कि अडानी का पीएम मोदी के साथ इतना घनिष्ठ संबंध है कि दोनों एक-दूसरे के लिए जरूरी हो गए हैं। सोरोस ने तब कहा था, 'इस मुद्दे पर मोदी चुप हैं लेकिन उन्हें विदेशी निवेशकों और संसद के सवालों का जवाब देना पड़ेगा।

सोना 190 रुपए फिसलकर 78960 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंचा, चांदी 350 रुपए मजबूत

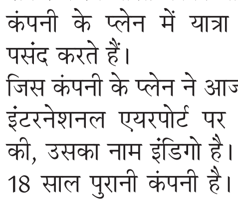

नई दिल्ली,9 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को देश की राजधानी दिल्ली में सोने का भाव 190 रुपये घटकर 78,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 79,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, सोमवार को चांदी की कीमतों में इजाफा दिखा और यह 350 रुपये चढ़कर 93,850 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 190 रुपये टूटकर 78,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। शुक्रवार को यह पीली धातु 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस बीच, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 410 रुपये अथवा 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,029 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मार्च डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 738 रुपये या 0.8 प्रतिशत की तेजी के साथ 93,186 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 14.10 डॉलर प्रति औंस या 0.53 प्रतिशत बढ़कर 2,673.70 डॉलर प्रति औंस हो गई।

अरबपतियों की संख्या के मामले में तीसरे स्थान पर भारत, 185 हो गई देश में धनकुबेरों की संख्या

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत भले ही एक विकासशील देश है, लेकिन अरबपतियों की संख्या के मामले में यह अमेरिका और चीन जैसे देशों को टक्कर दे रहा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि साल 2024 में भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। अमेरिका में अरबपतियों की संख्या 835 और चीन में 427 है। हाल ही में एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। पिछले एक साल 21 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 32 नए लोग भारत में अरबपतियों की सूची में शामिल हुए हैं। जबकि 2015 से इस आंकड़े में 123 फीसदी का उछाल आया है। भारत में बीते एक साल में अरबपतियों की कुल संपत्ति 42.1 फीसदी की उछाल के साथ 905.6 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। जहां बीते एक साल में अमेरिका में अरबपतियों की लिस्ट में 84 नए लोग जुड़े हैं, वहीं चीन में 93 लोग इस लिस्ट से बाहर हो गए। अमेरिका में अरबपतियों की कुल संपत्ति 4.6 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 5.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, वहीं अगर चीन की बात करें, तो यहां अरबतियों की कुल संपत्ति 1.8 ट्रिलियन डॉलर से गिरकर 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक आ गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 06-38, सूर्यास्त. - 17-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी 03-42 तक उपरान्त एकादशी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , मंगलवार 10 December
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 13-29 तक उपरान्त रेवती
योग - व्यतिपात 22-01 तक उप वरियान
करण- तैतिल 16-53 तक उप गर
विशेष:- विश्व मानव अधिकार दि
व्रत -त्योहार - सर्वार्थसिद्ध योग 07-11 से

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	04-52	बजे
चंद्र-	मीन	मे	धनु----	07-04	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	09-09	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-01	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	12-39	बजे
शुक्र-	मकर	मे	मेष---	14-14	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-00	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-00	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	20-13	बजे
			सिंह---	22-24	बजे
			कन्या--	00-31	बजे
			तुला---	02-37	बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:55 से 16:18 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:38 - 07:59	अशुभ	काल	17:38 - 19:18	अशुभ
उत्पात	07:59 - 09:23	अशुभ	लाभ.	19:18 - 20:55	शुभ
चंचल.	09:23 - 10:46	शुभ	उत्पात	20:55 - 22:32	अशुभ
लाभ	10:46 - 12:09	शुभ	शुभ.	22:32 - 00:09	शुभ
अमृत	12:09 - 13:32	शुभ	अमृत	00:09 - 01:46	शुभ
काल.	13:32 - 14:55	अशुभ	चंचल.	01:46 - 03:23	शुभ
शुभ.	14:55 - 16:18	शुभ	रोग.	03:23 - 05:00	अशुभ
रोग.	16:18 - 17:38	अशुभ	काल.	05:00 - 06:38	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा |अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है| विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है । शुभ रंग सफ़ेद है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कौन थी यलम सुकरा ?

जिनसे नक्सलियों को था 'रहस्यमयी' डर, जन अदालत लगाकर घोंटा गला

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में माओवादियों ने एक और महिला की हत्या कर दी। यह दूसरी घटना दो दिनों के अंदर हुई है। माओवादियों का आरोप है कि ये महिलाएं पुलिस की मुखबिर थीं। 40 साल की यलम सुकरा, लोदेड गांव की रहने वाली थी। यह गांव तिमापुर से 50 किमी से भी कम दूरी पर है, जहां शनिवार को एक 45 वर्षीय तीन बच्चों की मां की हत्या कर दी गई थी। दोनों महिलाओं का उनके परिवार के सदस्यों के सामने गला घोंट दिया गया। यलम सुकरा को उनके पति रमैया यलम के साथ अगवा किया गया था। रमैया को बुरी तरह पीटा गया और फिर उन्हें अपनी पत्नी की हत्या होते देखने के लिए मजबूर किया गया। माओवादियों ने सुकरा पर छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सुरक्षा बलों को जानकारी देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सुकरा की सूचना की वजह से पुलिस कई माओवादियों को पकड़ने और मार गिराने में कामयाब रही। माओवादियों ने दावा किया कि हाल ही में तेलंगाना में हुए एक ऑपरेशन में सात माओवादियों की मौत सुकरा की दी हुई जानकारी के कारण हुई थी। पुलिस के अनुसार, इस दंपति को 7 दिसंबर को लोदेड से अगवा किया गया था। लोदेड रायपुर से 460 किमी दूर और तेलंगाना सीमा के पास स्थित है। उन्हें एक पहाड़ी पर तथाकथित 'जन अदालत' में ले

जाया गया। वहां वरिष्ठ माओवादी कमांडरों ने सुकरा पर सात साल से अधिक समय तक पुलिस के लिए काम करने का आरोप लगाया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। वहीं, दोनों को बेरहमी से पीटा गया, जिसके बाद महिला का गला घोंट दिया गया और उसका शव लोदेड के बाहरी इलाके में फेंक दिया गया। घायल रमैया को शव के पास छोड़ दिया गया। वह किसी तरह गांव पहुंचे और मदद के लिए चिल्लाए। पुलिस की एक टीम पोस्टमार्टम के लिए शव को लेने पहुंची। सुकरा के शव के पास एक माओवादी पर्चा मिला। पर्चे में लिखा था कि यलम सुकरा 2017 से पुलिस इंस्पेक्टरों के संपर्क में थी और उन्हें कैडरों की आवाजाही के बारे में जानकारी देती थी।

बेटी के प्रेमी को फंसाने के लिए मंत्री को धमकी

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को धमकी देने वाला गिरफ्तार, 50 लाख की मांगी थी रंगदारी

रांची, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री और रांची सांसद संजय सेठ से 50 लाख रुपए रंगदारी मांगने के मामले का खुलासा हो गया। दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से मैसेज भेजने वाले आरोपी मिनाजुल को गिरफ्तार कर लिया। उसकी बेटी के प्रेमी मो. मोईज को भी हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में कांके के होचर गांव के गढ़ हुसिर निवासी मिनाजुल ने पहले तो अपनी संलिप्तता से इनकार किया, लेकिन जब लगा कि बेटी फंस जाएगी तो उसने अपना जुर्म कबूल लिया। उसने बताया कि बेटी का मो. मोईज से प्रेम संबंध था।

मोईज ने बातचीत करने के लिए अपनी प्रेमिका को अपने नाम से सिम खरीदकर दिया था। मिनाजुल को मोईज पसंद नहीं था। इसलिए उसने मोईज को फंसाने के लिए बेटी के मोबाइल से संजय सेठ को धमकी भरा मैसेज भेज दिया। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि मिनाजुल को अपनी बेटी का मो. मोईज से बातचीत करना पसंद नहीं था। वह जानता था कि जिस मोबाइल से उसकी बेटी बात करती है, उसका सिम मो. मोईज के नाम पर था। अगर वह उस सिम से किसी पावरफुल व्यक्ति को धमकी दे तो उसकी तुरंत गिरफ्तारी हो सकती है। इसके बाद वह मौके की तलाश में जुट गया। मौका मिलते ही शुक्रवार को उसने रक्षा राज्य मंत्री को धमकी भरा मैसेज भेजकर रंगदारी मांग ली। जिस मोबाइल से मैसेज भेजा गया था, पुलिस ने उसे भी जब्त कर लिया है। उसकी भी जांच की जा रही है।

टीएस ने की मेकाहारा अस्पताल की तारीफ

कांग्रेस ने बीमारू बताया, बैज बोले- सिंहदेव का ऐसा कहना उनका व्यक्तिगत आंकलन, भाजपा बोली- कांग्रेस में अंदरूनी कलह

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने एक दिन पहले जिस मेकाहारा सरकारी अस्पताल की तारीफ की। कांग्रेस ने आज उसी अस्पताल को बीमारू बताया है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सिंहदेव की पोस्ट को पार्टी लाइन से अलग बताकर उसे उनका व्यक्तिगत आंकलन बताया है।

दरअसल, बीजेपी सरकार ने सबसे बड़े सरकारी अंबेडकर अस्पताल में 700 बेड की नई बिल्डिंग के निर्माण का टेंडर जारी किया गया। जिसका भूमिपूजन टीएस सिंहदेव ने साल 2023 में स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए किया था। टीएस सिंहदेव ने लिखा कि, उन्हें इस बात का दुख है कि अस्पताल की नई बिल्डिंग का काम उनके शासनकाल में नहीं हो पाया।

मेकाहारा अस्पताल में एकीकृत नवीन अस्पताल भवन के निर्माण कार्य के टेंडर निकालने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शुभकामनाएं। कांग्रेस की सरकार

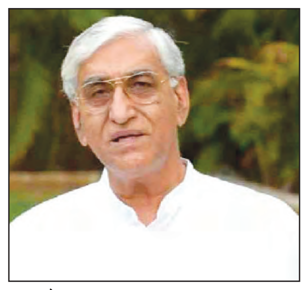

के दौरान हमारे द्वारा शुरू की गई इस पहल के अगले चरण में पूर्ण होने से प्रदेश की जानता को लाभ मिलेगा। काफ़ी अथक प्रयासों से इस बिल्डिंग के लिए सभी प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था। जैसे की नाबार्ड से लोन लेना, भवन का नक्शा तैयार करना इत्यादि। दुख इस बात का है कि हम इसे अपने शासन काल में पूर्ण नहीं कर पाए। लेकिन यह देख अच्छा लगा कि आप इसे आगे ले जा रहे हैं। जनसेवा के कार्यों को यूं ही दलगत राजनीति, और सरकारों के परे जाकर विस्तार दिया जाना चाहिए। टीएस सिंहदेव ने अपनी पोस्ट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए सरकार की तारीफ की। इसके अगले ही दिन कांग्रेस के ऑफिशियल X अकाउंट आईएनसी छत्तीसगढ पर प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अंबेडकर अस्पताल को बीमारू बताया गया है। इस पोस्ट में अस्पताल में सर्दी-जुकाम की दवा तक नहीं होने का हवाला देकर एक कार्टून पोस्ट किया गया है।

इस मामले में जब पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि, हम तो अंबेडकर अस्पताल से लेकर पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवाल उठा रहे हैं। अगर उन्होंने (टीएस सिंहदेव) ऐसा कहा है तो यह उनका व्यक्तिगत आंकलन है।

स्पा-सेंटर्स में डीप मसाज के नाम पर सेक्स सर्विस

रायपुर के 400 सेंटर में 3,000 युवक-युवतियां, गुमास्ता-लाइसेंस लेकर गंदा काम, निगम-पुलिस के पास रिकॉर्ड नहीं

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर सहित प्रदेश भर के अधिकांश स्पा सेंटर्स में नियमों का उल्लंघन हो रहा है। मॉनिटरिंग के अभाव के चलते डीप मसाज के नाम पर गंदा काम अधिकांश सेंटर में चल रहा है। सिर्फ गुमास्ता लाइसेंस लेकर स्पा कारोबारी अपनी मनमानी कर रहे हैं। रायपुर में ही 400 से ज्यादा स्पा सेंटर्स में 3 हजार युवक-युवतियां काम करते हैं। सेंटर्स में न रिकॉर्ड मैंटेन किया जा रहा, न सीसीटीवी लगाए गए, वहीं एक्सपर्ट की नियुक्त भी नहीं की गई है। जिससे ये पता नहीं चल पा रहा कि कौन काम कर रहा है? किस तरह की सर्विस दी जाती है? यहां पर किस तरह के लोग आते है? इसका कोई भी रिकॉर्ड निगम और पुलिस प्रशासन के पास नहीं है।

सितंबर 2023 को रायपुर पुलिस की 6 टीम ने तेलीबांधा, गोलबाजार, गंज, मौदहापारा और आमानाका इलाके के स्पा सेंटर में दबिश दी। यहां दिल्ली- कोलकाता की 21 युवतियां और 4 मैनेजर को पकड़ा था। इनमें एक महिला भी शामिल थी। ये कार्रवाई डीएसपी आइयूसीएडब्ल्यू ललिता मेहर, डीएसपी अजाक ज्योत्सना चौधरी, डीएसपी माना कल्पना वर्मा, डीएसपी क्राइम दिनेश सिन्हा और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने की थी।

25 जून 2023 को रायपुर के सिविल लाइन पुलिस ने शंकर नगर स्थित द मून और द माइंड स्पा सेंटर में दबिश दी थी। पुलिस को शिकायत मिली थी, कि यहां पर देह व्यापार चल रहा है। दबिश में 13 संदिग्ध युवतियां मिली थी। पुलिस ने यहां से 5 युवकों पर कार्रवाई की थी। स्पा सेंटर खोलने के लिए केंद्र सरकार की जो गाइडलाइन है, उसके अनुसार कारोबारियों को स्पा व्यवसाय लाइसेंस, ओसी सर्टिफिकेट, बिल्डिंग परमिट, पेशेवर लाइसेंस (मसाज थेरेपिस्ट, कॉस्मेटोलॉजिस्ट, एस्थेटिशियन, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट, मैनीक्योरिस्ट लाइसेंस) लेना अनिवार्य है।

स्थानीय लोगों ने मोर जस्ट फैमिली सैलून-स्पा में बैठने वाले अनुराग नाम के व्यक्ति का वीडियो बनाया और वीडियो में अनुराग ने सेक्स सर्विस उपलब्ध करवाने की बात भी कही और उसका पैसा भी बताया। अनुराग के कबूलनामे की खबर पब्लिश होने के बाद आरोपी स्पा सेंटर में ताला मारकर फरार हो गया। लेकिन 6 महीने बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार एजेंसियों ने आज तक दलाल अनुराग और दुकान किराए पर देने वाले मालिकों पर किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की। स्पा सेंटरों को गुमास्ता लाइसेंस नगर निगम देता है। समय-समय पर औचक निरीक्षण करके रिकॉर्ड जांचने की जिम्मेदारी निगम के अलावा पुलिस अधिकारियों की भी है। जिम्मेदारों का कहना है, कि शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है। हालांकि, पहले भी कई स्पा सेंटर्स में दबिश देकर रायपुर पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। यूएनओडीएस (संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण कार्यक्रम) भी समय-समय पर सलाह जारी करता है।

सैट जवान को लगी गोली, हुई मौत

राइफल साफ करने के दौरान हुआ हादसा, अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में तोड़ा दम

धनबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंप में तैनात झारखंड पुलिस के हवलदार को गोली लगी। गोली लगने के बाद उसे आनन-फानन में एसएनएमएमसीएच अस्पताल लाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी एसपी अजीत कुमार, सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी सहित पुलिस मेंस एसोसिएसन के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। मृतक हवलदार नाम नंद किशोर सिंह है। वह पलामू का रहने वाला था। घटना को लेकर सिटी एसपी अजीत कुमार ने बताया कि टुंडी थाना के सैट में हवलदार नंदकिशोर सिंह तैनात था। गोली लगने से उसकी मौत हुई है। मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टुंडी थाना क्षेत्र सीआरपीएफ कैंप सैट में हवलदार नंदकिशोर की तैनाती थी। सुबह उठकर वह राइफल साफ कर रहे थे।

पोर्नोग्राफी-केस में फंसाने की धमकी देकर 54 लाख ठगे

बाल काटने वाले लड़कों ने रिटायर्ड अफसर से की वसूली, इनका अमेरिका, चीन और यूरोप कनेक्शन

बिलासपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के रिटायर्ड अफसर को पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर 54 लाख 30 हजार रुपए की ठगी की है। सैलून में काम करने वाले और कॉलेज छात्रों ने खुद को ईडी अधिकारी बताकर धमकाया था। इसके बाद किस्तों में रिटायर्ड अफसर से रकम ली गई।

ठगी में राजस्थान के अलवर के 3 युवक शामिल हैं। इनमें 2 आरोपी पकड़े गए हैं, जबकि एक फरार है। साइबर ठगों के गैंग का उत्तरी अमेरिका, चाइना और यूरोप कनेक्शन होने का भी पता चला है। यूएसटीडी क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट कर ठगी के पैसों को सुरक्षित किया है। एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि सिविल लाइन क्षेत्र के अज्ञेयनगर निवासी 71 वर्षीय जय सिंह चंदेल रिटायर्ड अफसर हैं। बीते जुलाई में उनसे ठगी हुई है। आरोपियों ने 20 दिन के भीतर अलग-अलग किस्तों में रुपए ट्रांसफर कराए। इसके बाद भी फंसाने की धमकी देते रहे। आखिरकार परेशान होकर उन्होंने

पुलिस की रेंज साइबर टीम ने ठगी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

रेंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने जब जांच शुरू की। मोबाइल कॉल्स की तकनीकी जांच की, तब आरोपियों के राजस्थान के अलवर से कॉल करने की जानकारी मिली। बैंक अकाउंट्स सहित अन्य डिटेल्स निकाल कर जांच की गई। पुलिस की टीम ने अलवर और हरियाणा में डेरा डाला, तब 2 युवकों को गिरफ्तार किया। अलवर में आरोपियों के ठिकाने में दबिश देकर पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के फैमिली लाइन स्क्रीम नंबर 3 निवासी निकुंज कुमार और शिवाजी पार्क विजय मंदिर रोड साबह जौहड़ा निवासी लक्ष्य सैनी (20) को पकड़ लिया। दोनों आरोपी सैलून में काम करते हैं और पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा की पढ़ाई कर रहे हैं। एक के पिता टेंट हाउस चलाते हैं और दूसरे के कुरियर कंपनी में काम करते हैं। दोनों आरोपियों के बैंक अकाउंट में ठगी के पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। दोनों के अकाउंट में 9-9 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इनका तीसरा साथी गौरव अभी फरार है। पुलिस के अनुसार इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस अफसरों ने बताया कि ठगों ने रिटायर्ड अफसर नीरज को उनके मोबाइल से पोर्न वीडियो भेजे जाने की बात कहकर धमकाया। इसके साथ ही उनके मोबाइल पर वॉट्सऐप के जरिए एक फर्जी एफआईआर की प्रति भेजी और कहा कि मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस का अधिकारी विनायक बनकर उन्हें फोन से धमकाया गया। ठगों ने कहा कि मुंबई में एक व्यक्ति के घर 274 एटीएम कार्ड मिले हैं, जिसमें से एक उनके नाम का है। इसकी जांच अब ईडी कर रही है। झांसे में लेकर अलग-अलग किस्तों में पैसे ट्रांसफर करा लिए।

अंधविश्वास ने ली बच्चे की जान

पांच दिन पहले बीमारी से मरा बेटा, नाराज महिला ने गोतनी के बेटे की गला दबाकर की हत्या

पलामू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अंधविश्वास के चक्कर में पलामू में एक बार फिर मासूम की हत्या कर दी गई है। घटना पलामू जिले के चैनपुर थानाक्षेत्र के सलतुआ गांव की है। जहां एक महिला का बच्चा बीमारी से मर गया तो उसने ओझा की बातों में आकर गोतनी के आठ साल के बेटे को मार डाला। मासूम की हत्या करने वाली रिश्ते में चाची है। हत्या करने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक अखिलेश सिंह का पुत्र प्रेम कुमार सिंह (8) अपने घर के पास खेल रहा था। दोपहर दो बजे के करीब चचेरी चाची जमुना सिंह की पत्नी सुनीता देवी बच्चे को टॉफी खिलाने के बहाने बहला - फुसलाकर साथ ले गई। घर से करीब एक किलोमीटर दूर ले जाकर अरहर के खेत में गला दबा हत्या कर दी। बच्चे का शव खेत में छोड़कर वह वापस घर लौट आई। शाम तक बच्चा घर नहीं पहुंचा तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। घंटों तलाश करने के बाद बच्चे को अरहर की खेत में मृत पाया गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। कुछ ग्रामीणों ने बच्चे को अंतिम बार चाची सुनीता के साथ देखे जाने की बात कही। सुनीता से पूछताछ किया गया तो उसने बच्चे को मारने का बात कबूल किया। महिला को रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया।

गोतनी के बेटा को मारने वाली महिला सुनीता का बेटा एक साल का था। पांच दिन पहले ही उसकी मौत बीमारी से हुई थी। सुनीता के रिश्तेदार सतबरवा में रहते हैं।

महादेव सट्टा ऐप, केडिया की 160 करोड़ की संपत्ति सीज

कमाई को शेयर बाजार में किया निवेश, ईडी ने जब्त किए थे 13 करोड़ के जेवर

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप प्रमोटर विकास छापरिया के करीबी ब्रोकर गोविंद केडिया से ईडी लगातार पूछताछ कर रही है। गोविंद स्टॉक पोर्टफोलियो फर्म का मालिक है। केडिया पर सट्टे की रकम को शेयर बाजार में लगाने का आरोप है। ईडी ने गोविंद केडिया के नाम से डीमैट होल्डिंग्स में 160 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है।

गोविंद केडिया पर परफेक्ट प्लान इन्वेस्टमेंट्स (एलएलपी), एक्जिम जनरल ट्रेडिंग एफजेडसीओ और टेकप्रो आईटी सॉल्यूशंस एलएलसी जैसी कंपनियों के जरिए सट्टे की अवैध कमाई को निवेश करने का आरोप है। वहीं पैसों को छिपाने के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) का इस्तेमाल किया। विकास छपरिया के कहने पर गोविंद केडिया ने शेयर बाजार में सट्टे की कमाई को निवेश किया। इन निवेशों से होने वाले लाभ और हानि को कथित तौर पर 75:25 के अनुपात में बांटा गया था। जिसमें गोविंद केडिया ने कुल निवेश के केवल 25% पर ब्याज लिया था। पिछले साल ईडी ने गोविंद केडिया के ठिकानों पर छापेमारी कर 18 लाख रुपये कैश और 13 करोड़ रुपए के सोने के ज्वेलरी जब्त की थी। इससे पहले भी जांच के दौरान ईडी ने 236.3 करोड़ रुपये के नगद डेरिवेटिव और सुरक्षा होल्डिंग्स को फ्रीज कर दिया था, जो विकास छपरिया से संबिधत कंपनियां थी। ईडी ने जांच में पाया कि गोविंद केडिया की शेल कंपनी मेसर्स लैक्सिस रेजीडेंसी एलएलपी जो विकास छपरिया की पार्टनशिप फर्म थी और एक अन्य महादेव सट्टा एक के आरोपी नितिन टिबरेवाल से जुड़ी थी। जांच में पाया गया है कि गोविंद केडिया का नाम टेकप्रो आईटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयर होल्डर नितिन टिबरेवाल से भी जुड़ा है। नितिन टिबरेवाल पर महादेव ऑनलाइन बुक सिंडिकेट के लिए कंपनी का इस्तेमाल करने का आरोप है। ईडी का दावा है कि टिबरेवाल ने अवैध सट्टेबाजी संचालन से होने वाली आय को विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से शेयर बाजार में लगाया, जिससे शेयर ट्रेडिंग के माध्यम से करोड़ों रुपये के काले धन को वैध संपत्ति में बदला गया। नितिन टिबरेवाल की मदद करने में गोविंद केडिया की भूमिका अहम रही। गोविंद केडिया की 5 दिनों की कस्टोडियल रिमांड पूरी होने के बाद ईडी की टीम उसे रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश करेंगी। जहां ईडी फिर से रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है। वहीं इस मामले में और भी कई खुलासे हो सकते हैं। इससे पहले ईडी, रायपुर जोनल ऑफिस ने महादेव सट्टा ऐप मामले में 387.99 करोड़ की संपत्ति को कुर्क किया था।

किम्स के डायरेक्टर को जमीन पर पटककर पीटा

छोटे भाई पर लपका और दबाया गला, महिला डॉक्टर की भी पिटाई, संपत्ति विवाद में मारपीट

बिलासपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित चर्चित किम्स अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. रविशेखर को उनके बड़े भाई ने जमीन पर पटककर पीटा है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें रविशेखर पर भाई राजशेखर लपकते और उसका गला दबाते नजर आ रहा है। हाथ और मुक्के से मारता दिख रहा है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक किम्स अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. वाई आर कृष्णा की मौत के बाद से उनकी करोड़ों रुपए की संपत्ति को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिस पर पुलिस पहले से केस दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं मारपीट मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. रविशेखर ने बताया कि वो न्यूरोसर्जन हैं। रविवार की शाम वे ओपीडी की तरफ गए थे। इस दौरान देखा कि उनके कमरे में बड़े भाई डॉ. राजशेखर बैठे थे। दरवाजा खोलकर उन्होंने कहा कि ये कमरा मेरा है। बिना परमिशन यहां क्यों बैठे हैं, तब राजशेखर ने गाली देते हुए कहा कि अस्पताल मेरे बाप का है, मेरी मर्जी मैं जहां बैठूं। इस दौरान रवि शेखर ने बड़े भाई को गाली देने से मना किया, तब राजशेखर अचानक तैश में आ गया। लपककर उसका गला पकड़ लिया। उसे जमीन पर गिराकर हाथ-मुक्के से मारपीट करने लगा। अस्पताल स्टाफ के साथ महिला डॉक्टर सुधाराम बीच बचाव करने आई। इस दौरान राजशेखर ने महिला डॉक्टर सुधाराम से भी गाली-गलौज की। अपमानजनक टिप्पणियां की।

मारपीट से डॉक्टर को आई चोट

धक्कामुक्की कर मारपीट की। अस्पताल स्टाफ ने बीच-बचाव कर विवाद को शांत कराया। वहीं महिला डॉक्टर ने मामले की शिकायत महिला थाने में की है। डॉ. राजशेखर का आरोप है कि उनके पिता के नाम की संपत्ति को हथियाने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कर कोर्ट को गुमराह किया जा रहा है।

उन्होंने दावा कि वे अस्पताल के डायरेक्टर हैं। काम भी कर रहे हैं, जिसके एवज में हर माह 4 लाख रुपए वेतन भुगतान किया जाता है, लेकिन अक्टूबर 2022 से उनका वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। राजशेखर ने प्रबंधन पर अपने ढाई साल के वेतन में अनियमितता करने का आरोप लगाया है।

पंजाब से आकर झारखंड में करता था लूट, गिरफ्तार

लूट का प्लान बनने पर ई रिक्शा चालक रांची से निकलता था

पलामू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए अपराधियों में गिरोह का सरगना पंजाब में रहता था और लूट के लिए पलामू आता था। कांड को अंजाम देने के बाद वह वापस लौट जाता था। वहीं, गिरोह में रांची का एक ई रिक्शा चालक भी शामिल है। लूट का प्लान तैयार होने पर वो रांची से पलामू आता था। यह जानकारी रविवार को एसपी रिष्मा रमेशन ने दी। एसपी ने बताया कि 23 अक्टूबर की देर रात पांकी थाना क्षेत्र के गजबोर गांव में कृष्णा सोनी के घर में छह अपराधी घुसे थे। इस दौरान सोना, चांदी के जेवर और रुपए को लूट कर फरार हो गए थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज के निर्देशानुसार, छापेमारी टीम का

गठन किया गया। टीम को गैंग के सदस्य उपेंद्र कुमार उर्फ उपेंद्र विश्वकर्मा (29) के अपने घर दूब गांव आने की जानकारी मिली थी। शनिवार को पुलिस की टीम दूब गांव पहुंचीं और उपेंद्र को गिरफ्त में ले लिया। पूछताछ में उपेंद्र ने अपने साथियों की जानकारी दी। इसके बाद गैंग के सरगना दूब गांव के ही रहने वाले सतीश राम उर्फ सतीश चन्द्रवंशी (35), पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के पगार खुर्द निवासी छोटू कुमार सिंह (24) और रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के सिमलिया गांव के रहने वाले शत्रुघन कुमार वर्मा (34) पुलिस के हाथ लग गए। शत्रुघ्न के घर से लूटा गया जेवर और सोना का गोला मिला है। लूट के जेवर को गलाकर सोना का गोला बनाया गया था। साथ ही लूटा गया दो मोबाइल, ताला तोड़ने के लिए उपयोग किया गया औजार मिला है।

जयराम महतो बोले- ऐ नाजिर, पटक कर मारेंगे

घूसखोरी की शिकायत पर डुमरी विधायक बोले- पैसे का भुगतान कीजिए नहीं तो सुरक्षाकर्मी लेकर आइएगा

रांची, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। डुमरी विधायक और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) सुप्रीमो जयराम महतो ने घूसखोरी की शिकायत पर अंचल कार्यालय के कर्मचारी को जमकर फटकार लगाई। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि महतो फोन पर नाजिर से बात कर रहे हैं। उन्होंने नाजिर से कहा- विधायक से इस टोन में बात करोगो, मारेंगे पटक कर। नाजिर हो कि प्रधानमंत्री। चुपचाप पैसा वापस कीजिए नहीं तो सुरक्षाकर्मी लेकर आइएगा।

दरअसल, जयराम के पास लोग घूसखोरी की शिकायत लेकर गए थे। लोगों ने शिकायत की थी कि पैसा ले लिया है और काम नहीं कर रहा है। इसी शिकायत पर उन्होंने नाजिर को फोन लगाकर खरी-खोटी सुनाई।

सोमवार को पहली बार विधानसभा पहुंचे जयराम महतो ने खास अंदाज में एंट्री ली। वह नंगे पांव विधानसभा पहुंचे। हाथ में एक लाल डायरी थी। सदन की चौखट पर माथा टेका, इसके बाद वह अंदर दाखिल हुए।

उन्होंने कहा- करोड़ों लोगों की आस्था झारखंड विधानसभा से जुड़ी हैं। लोकतंत्र का यह मंदिर किसी धार्मिक स्थल से ज्यादा महत्वपूर्ण है। आस्था के केंद्र में पहली बार दाखिल होने जा रहा हूं। लाखों लोगों की उम्मीदों को लेकर मैं विधानसभा में जा रहा हूं।

महतो ने कहा- झारखंड की दशा और दिशा को बदलने के लिए राजनीति में कदम रखा हूं। नई राजनीतिक पार्टी होने की वजह से कई चुनौतियां हैं। संघर्ष करते हुए यहां तक पहुंचे हैं। हमारी मेहनत, हमारा संघर्ष और जनता का विश्वास हमारी पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा। जयराम गिरिडीह जिले के डुमरी विधानसभा से चुनाव जीते हैं। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रही बेबी देवी को हराया था।

नंगे पांव विधानसभा पहुंचे जयराम महतो, चौखट पर टेका माथा

पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ रबींद्रनाथ महतो का स्पीकर बनना तय, चुनाव आज

रांची, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र की सोमवार को शुरुआत हो गई। पहले दिन सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली। इसके बाद कार्यवाही को मंगलवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। पहली बार विधानसभा पहुंचे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) सुप्रीमो जयराम महतो ने खास अंदाज में एंट्री ली।

जयराम नंगे पांव विधानसभा पहुंचे। सदन की चौखट पर माथा टेका, इसके बाद वह अंदर दाखिल हुए। जयराम गिरिडीह जिले के डुमरी विधानसभा से चुनाव जीते हैं। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री रही बेबी देवी को हराया था। सबसे पहले सीएम हेमंत सोरेन ने विधायक पद की शपथ ली। इसके बाद बारी-बारी से सभी विधायकों ने शपथ ली। इससे पहले सदन की कार्रवाई शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर के पद पर स्टीफन मरांडी को नियुक्त किया गया। फिर उन्होंने सदन में स्थायी स्पीकर की नियुक्ति की प्रक्रिया से सभी सदस्यों को अवगत कराया। बताया जा रहा है कि हेमंत सरकार ने नाला से विधायक रबींद्रनाथ महतो को स्पीकर बनाने का फैसला किया है। वह आज ही नामांकन करेंगे। 10 दिसंबर को नए स्पीकर का चुनाव होगा। महतो इससे पहले भी पिछली सरकार में विधानसभा अध्यक्ष थे।

सीरिया छोड़ भागे असद को पुतिन ने दी पनाह

तुर्किये 6 महीने पहले से जानता था विद्रोही तख्तापलट करेंगे, भारत बोला- हालात पर हमारी नजर

दमिश्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर रूस भाग गए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असद और उनके परिवार को राजीतिक शरण दी है। जबकि अमेरिका ने सीरिया में असद सरकार के पतन का स्वागत किया है। रूस के राष्ट्रपति आवास के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जानकारी दी है कि सीरिया के राष्ट्रपति को शरण देना पुतिन का निजी फैसला था। पेस्कोव ने कहा कि वह ये जानकारी नहीं देंगे कि असद को कहां ठहराया गया है।

सीरिया के राष्ट्रपति असद

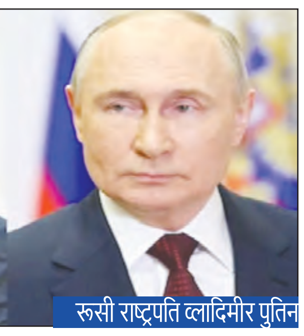
रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

वहीं न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने दावा किया है कि विद्रोहियों ने 6 महीने पहले ही तुर्किये को ये जानकारी दे दी थी कि वे असद का तख्तापलट करने वाले हैं। दूसरी तरफ, असद सरकार के सहयोगी ईरान ने सीरिया में हुए तख्तापलट को लेकर हैरानी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने रविवार को कहा, इस बात से हैरान हूं कि सीरियाई सेना, विद्रोहियों को रोक नहीं सकी, यह सब बहुत तेजी से हुआ। अरागची ने यह भी कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति असद ने ईरान से कोई मदद नहीं मांगी थी। वहीं, भारत भी सीरिया के हालात पर नजर बनाए हुए है।

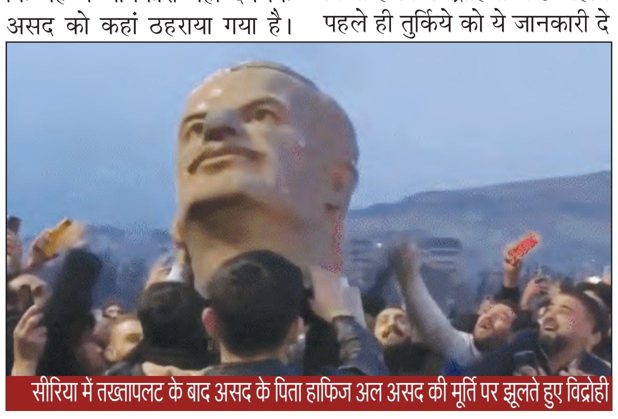
सीरिया में तख्तापलट के बाद असद के पिता हाफिज अल असद की मूर्ति पर झूलते हुए विद्रोही

भारत में बनेगा रूसी सुखोई एसयू-57?

खरीदने पर चल रही बात! चीन-पाकिस्तान की उड़ेगी नींद

मॉस्को, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की खोज ने एक दिलचस्प मोड़ ले लिया है। रूसी मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि भारत, रूस के सुखोई एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान के अधिग्रहण पर विचार कर रहा है। इन रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि भारत विशेष रूप से सुखोई एसयू-57 के दो सीट वाले वेरिएंट को खरीदने में रुचि दिखा रहा है। ऐसी भी संभावना है कि इन विमानों को मेक इन इंडिया इनिशिएटिव के तहत भारत में ही निर्मित किया जाएगा।

डिफेंस डॉट इन वेबसाइट के अनुसार, अगर भारत, रूस से एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान को खरीदता है तो इसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के तहत स्थानीय रूप से निर्मित किया जाएगा।

अगर यह डील फाइनल होती है तो दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और गहरा हो सकता है।

श्रीलंका, बांग्लादेश और अब सीरिया

कैसे विद्रोह के बाद जनता ने शासकों के महलों को लूटा, देश छोड़कर भागे नेता

दमिश्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार 8 दिसम्बर को इस्लामिक विद्रोहियों ने सीरिया में बशर अल-असद की सत्ता को उखाड़ फेंका। सीरिया के लोगों के लिए यह एक युग का अंत था, जो पांच दशक से ज्यादा समय से असद परिवार के शासन के साथ चल रहा था। जैसे ही लोगों को बशर अल-असद के जाने की खबर मिली, राजधानी दमिश्क की सड़कों पर विद्रोहियों के साथ ही लोगों ने भी जश्न मनाना शुरू कर दिया। सड़कों पर जमा लोग प्रेसिंडेशियल पैलेस की तरफ बढ़ने लगे और थोड़ी ही देर में असद का लग्जरी ठिकाना रही इस जगह पर आम लोगों का कब्जा हो चुका था।

प्रेसिडेंशियल पैलेस से सामने आईं तस्वीरें ने एक बार फिर दिखा दिया कि अगर लंबे समय तक राज करने वाले शासकों ने जनता के मन को पढ़ने में देर की तो उसका यही हाल होना है। इसके पहले श्रीलंका में हुए जनविद्रोह और इसी साल बांग्लादेश में हुए छात्र आंदोलन के बाद इन देशों में

भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला था। इन देशों में भी कभी मजबूत पकड़ रखने वाले शासकों के आवास पर जनता का कब्जा हो गया था। सीरिया में विद्रोही बलों ने एक सप्ताह पहले हमला शुरू किया था और तेजी से बढ़ते हुए रविवार को दमिश्क पर कब्जा कर लिया। रविवार को जब विद्रोहियों ने सीरिया से असद शासन के खात्मे की घोषणा की तो लोग सीधे प्रेसिडेंशियल पैलेस की तरफ बढ़ने लगे। प्रेसिडेंशिल पैलेस से जो तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें लोगों को अंदर घूमते और तस्वीरें लेते देखा गया है। इस दौरान महल के अंदर तोड़फोड़ भी की गई और लोग कुर्सियां और महंगे सामान लेकर बाहर जाते देखे गए। जनवरी 2022 में श्रीलंका में जनता ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ सड़कों पर उतर आई थी। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर राष्ट्रपति भवन की तरफ बढ़ने लगे। गोटाबाया राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा। कभी श्रीलंका में बेहद ताकतवर समझे वाले राजपक्षे परिवार के लिए यह शर्मिंदगी भरा क्षण था। गोटाबाया के देश छोड़कर जाने की खबर सुनते ही लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी थी। इसकी तस्वीरें खूब वायरल हुई थीं। इसी साल जुलाई में बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों ने देश में जारी भारी आरक्षण के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग के बाद आंदोलन भड़क उठा और 5 अगस्त को शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। ढाका में शेख हसीना के जाने की खबर सुनते ही प्रदर्शनकारी उनके सरकारी आवास में घुस गए। प्रदर्शनकारियों ने जमकर लूटपाट की। अंदर रखे सामान को प्रदर्शनकारियों को सर पर लादकर ले जाने की तस्वीरें पूरी दुनिया में वायरल हुई थीं।

अंतरिक्ष से आएगी प्रलय!

रूस का खतरनाक नया हथियार बनेगा तीसरा विश्व युद्ध भड़कने की वजह? अमेरिका के उड़े होश

मॉस्को, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के कॉसमॉस 2553 सैटेलाइट पर अमेरिका ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों को लगता है कि रूस का सैटेलाइट कॉसमॉस, 2553 एक अंतरिक्ष हथियार हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस पर अपनी चिंता जताते हुए कहा है कि इसमें परमाणु हथियार या फिर दूसरी सैटेलाइट्स को नष्ट करने वाला उपकरण हो सकता है। ये स्पेप में तबाही मचा सकता है और तीसरे विश्व युद्ध के शुरू होने की वजह बन सकता है। यह सैटेलाइट 24 फरवरी 2022 को रूस के यूक्रेन पर हमले से 19 दिन पहले लॉन्च हुई थी। रूस का कॉसमॉस 2553 एक उच्च-विकिरण कक्षा में है, जहां आमतौर पर सैटेलाइट नहीं भेजे जाते। रूस का तर्क है कि यह सैटेलाइट विकिरण के प्रभावों का परीक्षण करने के लिए किया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इस अंतरिक्ष यान में नए उपकरण और सिस्टम हैं। वहीं अमेरिकी अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए कहा कि सैटेलाइट डमी हथियार ले जा सकती है और यह एक खतरनाक हथियार का शुरुआती रूप है। यह हजारों महत्वपूर्ण उपग्रह नष्ट कर सकता है। कॉसमॉस 2553 हर दो घंटे में पृथ्वी का चक्कर लगाता है। यह एक ऐसी कक्षा में है, जहां बहुत अधिक विकिरण होता है। इसलिए इस कक्षा का उपयोग कम ही होता है। ऐसे में इस लॉन्च पर सवाल उठ रहे हैं। सैटेलाइट हमारी रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी हैं। ये मौसम की जानकारी से लेकर वित्तीय लेनदेन जैसे कई कामों में मदद करते हैं।

अगर अंतरिक्ष में परमाणु विस्फोट हुआ तो इसका पृथ्वी पर बहुत बुरा असर होगा। ऐसा हथियार एक ही परमाणु विस्फोट से कई सैटेलाइट्स को नष्ट कर

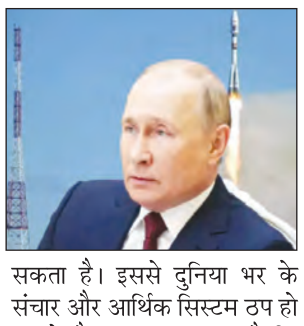

सकता है। इससे दुनिया भर के संचार और आर्थिक सिस्टम ठप हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आपका इंटरनेट बंद हो सकता है और स्मार्टफोन काम करना बंद कर सकतें हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लगातार आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि रूस ने लगातार अंतरिक्ष में परमाणु हथियार रखने के खिलाफ बात की है। अंतरिक्ष में हथियार तैनात करने के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समझौते भी हैं। 1967 की अंतरिक्ष संधि कक्षा में सामूहिक विनाश के हथियार तैनात करने से रोकती है।

ट्रम्प अवैध प्रवासियों को अमेरिका से निकालने पर कायम

कहा- पैदा होते ही यूएस नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म करूंगा, नाटो छोड़ने का भी विचार

वाशिंगटन, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद के अपने एजेंडे का खुलासा किया। ट्रम्प ने एक बार फिर अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर करने का प्लान दोहराया। साथ ही उन्होंने ड्रीमर्स अप्रवासी की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की बात की। ट्रम्प ने कहा कि वो अपने ऑफिस के पहले दिन ही पैदा होते ही अमेरिकी नागरिकता मिलने का अधिकार खत्म कर देंगे। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के मुताबिक जो भी बच्चा अमेरिका में पैदा होता है, उसे पैदा होते ही अमेरिका की नागरिकता मिल जाती है। भले ही उसके माता-पिता के पास किसी भी देश की नागरिकता हो। हालांकि ट्रम्प के इस फैसले को कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने नाटो को लेकर कहा कि वो राष्ट्रपति बनने के बाद इससे बाहर निकलने के लिए गंभीरता से विचार करेंगे। साथ ही उन्होंने वादा किया कि वो अबॉर्शन पिल्स पर बैन नहीं लगाएंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उनका फेडरल रिजर्व (सेंट्रल बैंक) के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को पद छोड़ने के लिए कहने का कोई प्लान नहीं है। ट्रम्प ने वादा किया कि वो राष्ट्रपति बनते ही कैपिटल हिल मामले के दोषियों को माफ करने के लिए कदम उठाएंगे। 2020 में ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद 6 जनवरी 2021 को उनके कुछ समर्थकों ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) में घुसकर लूटपाट की थी।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ट्रम्प की कई योजनाओं को कोर्ट में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा नाटो से उनका अलग होने का प्लान अमेरिकी खेमे के देशों में बेचैनी पैदा कर सकता है।

कनाडा में भारतीय स्टूडेंट की हत्या

हमलावर ने सीढ़ियों पर पीछे से गोली मारी, सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था

ओटावा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में 20 साल के एक भारतीय छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। छात्र हर्षनदीप सिंह पंजाब के रहने वाले थे। वह कनाडा के एडमोंटन शहर में बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते थे। हर्षनदीप की हत्या सीसीटीवी में कैद हो गई थी, इसका वीडियो वायरल हो रहा है। घटना बीते 6 दिसंबर को एडमोंटन की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हर्षनदीप सिंह को एक अपार्टमेंट की सीढ़ियों के रास्ते भागने की कोशिश करते समय पीछे से गोली मारी गई। जिस शख्स ने हर्षनदीप पर गोली चलाई, उसके अलावा एक लड़का और एक महिला भी मौके पर मौजूद थी। जब हर्षनदीप ने भागने की कोशिश की तो महिला ने पीछे से पकड़कर उसे रोकना चाहा। इसके ठीक बाद हमलावर ने हर्षनदीप पर गोली चला दी। हर्षनदीप पंजाब में कहां के रहने वाले हैं और वह किस कोर्स की पढ़ाई करने कनाडा गए थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हर्षनदीप कनाडा में पढ़ाई के अलावा अपना खर्च चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते थे। हर्षनदीप की हत्या के मामले में इवान रेन और ज्यूडिथ सॉल्टो नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की उम्र 30 साल बताई जा रही है। हर्षनदीप की हत्या करने वाले आरोपियों पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का आरोप लगा है। कनाडा जैसे कई देशों में हत्याओं को कई कैटेगरी में रखा जाता है। सुनियोजित हत्या या एक से ज्यादा लोगों की हत्या के मामलों को फर्स्ट डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। इसमें आरोप साबित होने पर मृत्युदंड या बिना पेरोल के आजीवन कारावास की सजा मिलती है। इसी तरह लूट और डकैती के दौरान की जाने वाली हत्याओं को सेकेंड-डिग्री मर्डर माना जाता है। इसमें आजीवन कारावास की सजा मिलती है। इसी तरह असावधानी या लापरवाही से होने वाली हत्याओं को थर्ड डिग्री मर्डर की कैटेगरी में रखा जाता है। कनाडा में रह रहे भारतीयों की हत्या कोई नई बात नहीं है। हाल ही में कनाडा में पंजाब के भारतीय छात्र गुरसिस सिंह की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कनाडा के सार्निया शहर के 36 साल के क्रॉस्ले हंटर को सेकेंड डिग्री मर्डर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हर्षनदीप की हत्या के पीछे क्या वजह थी, अभी यह साफ नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। खालिस्तानी कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से कनाडा और भारत के रिश्ते बिगड़ गए हैं। बीते सप्ताह 17 और 18 अक्टूबर को दोनों देशों ने अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में तैनात भारतीय राजदूत संजय वर्मा जब वापस आए तो उन्होंने मीडिया इंटरव्यू में कनाडा में रह रहे भारतीय स्टूडेंट्स की स्थितियों के बारे में बताया था।

बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु पर एक और केस

समर्थकों पर भी हमला करने का आरोप, बांग्लादेशी फॉरेन एडवाइजर से मिले भारतीय विदेश सचिव

ढाका, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के चटगांव में हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु और उनके समर्थकों पर कोर्ट परिसर के भीतर झड़प को लेकर केस दर्ज किया गया है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, 26 नवंबर को कोर्ट से वापस लौटते वक्त चिन्मय कृष्ण दास के समर्थकों ने इस्लामी वकालत संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के कार्यकर्ता इनामुल हक समेत अन्य लोगों पर हमला किया था। हक की शिकायत पर दर्ज किए गए केस में चिन्मय प्रभु को मुख्य आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा 164 नामजद और लगभग 500 अज्ञात लोग भी आरोपी हैं। इनामुल हक का दावा है कि उन्हें पंजाबी कुर्ता और टोपी पहनने के कारण निशाना बनाया गया। इस हमले में उनके हाथ और सिर में चोटें आईं। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ लोगों ने उन्हें बचाकर चटगांव मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया। दोनों देशों के बीच तनाव के बीच आज भारत के फॉरेन सेक्रेटरी विक्रम मिस्री ने बांग्लादेश के फॉरेन एडवाइजर मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद विक्रम मिस्री ने कहा- हमने हाल के घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़ी हमारी चिंताओं के बारे में उन्हें बताया। आज की बैठक ने हम दोनों को अपने रिश्तों का जायजा लेने का मौका दिया है। बांग्लादेश में पिछले मंगलवार भी एक व्यापारी पर हमले का मामला दर्ज कराया गया था। इसमें इस्कॉन के कुछ सदस्यों समेत 40-50 अनजान लोगों को आरोपी बनाया गया था।

सीरिया विजय के बाद एचटीएस कमांडर की ऐतिहासिक मस्जिद से 'विक्ट्री स्पीच'

ईरान को सुनाया, अमेरिका और इजरायल को दिया संदेश

दमिश्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में करीब दो हफ्ते चली लड़ाई रुक गई है। शनिवार को राष्ट्रपति बशर अल असद देश छोड़कर भाग गए हैं और अबू मोहम्मद अल जुलानी के नेतृत्व में एचटीएस के विद्रोही लड़ाकों का दमिश्क पर कब्जा हो गया है। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े रहे जुलानी ने जीत के बाद दमिश्क में भाषण दिया है। दमिश्क में उमय्यद मस्जिद में जुलानी ने लोगों को संबोधित किया, जिसे उसकी विक्ट्री स्पीच कहा जा रहा है। अपने स्पीच में जुलानी ने ईरान पर हमला बोला तो अमेरिका और इजरायल को भी संदेश देने की कोशिश की। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलानी ने अपना संदेश देने के लिए टीवी स्टूडियो या राष्ट्रपति भवन की बजाय दमिश्क की उमय्यद मस्जिद को चुना। दमिश्क की 1300 साल पुरानी ये मस्जिद

दुनिया की सबसे प्राचीन मस्जिदों में से एक है और इसका धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। ऐसा कर जुलानी ने खुद को धर्म के प्रति जुड़ा दिखाने की कोशिश की है। उसने मस्जिद से कहा कि ये इस्लामी राष्ट्र के लिए एक अहम जीत है, जो हजारों शहादत के बाद मिली है। जुलानी ने उमय्यद मस्जिद से कहा, 'यह जीत इस क्षेत्र के इतिहास में एक नए अध्याय का प्रतीक है। एक ऐसा इतिहास जो खतरों से भरा है, जिसने सीरिया को ईरानी महत्वाकांक्षाओं के लिए एक खेल का मैदान बना दिया था।' जुलानी ने साफ संदेश दिया कि ईरान का सीरिया हस्तक्षेप खत्म हो गया है। ईरान अब लेबनान में हिजबुल्लाह तक पहुंच के लिए सीरियाई जमीन का इस्तेमाल नहीं कर सकता है। जुलानी के गुट को अमेरिका और इजरायल आतंकी संगठन मानते हैं। अमेरिका ने जुलानी के सिर पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम रखा हुआ है। इसके बावजूद ईरान पर सख्ती बरतते हुए उसने इजरायल-अमेरिका को संदेश देने की कोशिश की है कि नए सीरिया में आपके हितों को समझा जाएगा। जुलानी समझता है कि ये ऐसी शक्तियां हैं, जो उसे नीचे ला सकती हैं। ऐसे में उसने अमेरिका को मैसेज की कोशिश की है। जुलानी ने असद के खिलाफ लड़ाई छेड़ने के बाद से ही लगातार जो बाइडन और अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तक अपना संदेश पहुंचाने की कोशिश की है। हाल ही में जुलानी ने सीएनएन से बातचीत में कहा था कि वह दूसरे जिहादी गुटों से अलग हो गया है क्योंकि वह उनकी क्रूर रणनीति का समर्थन नहीं करता है।

बाइडन ने भी एक बयान में कहा कि उन्होंने जुलानी को 'सही बातें कहते हुए' सुना है लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि उसे बातों नहीं कामों से आंका जाना चाहिए।

इजरायल का दावा: सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियारों से जुड़े ठिकानों को बनाया निशाना

यरुशलम, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल ने सोमवार को कहा है कि उसने सीरिया में संदिग्ध रासायनिक हथियारों से जुड़े एक ठिकाने को निशाना बनाया है। इतना ही नहीं इजरायली सेना ने उन ठिकानों को भी निशाना बनाया है, जहां सीरिया के लंबी दूरी तक मार करने वाले रॉकेट रखे थे।

गौरतलब है कि सीरिया से बशर अल-असद के भागने और वहां विद्रोही गुटों के कब्जे के बाद सीरियाई सेना के हथियारों के गलत हाथों में पड़ने का खतरा पैदा हो गया था। इस्राइल ने अपने ऊपर दिख रहे इसी खतरे के मद्देनजर सीरिया में यह हमले बोले।

इजरायल के विदेश मंत्री गिडियोन सार ने कहा, हमारा इकलौता हित इजरायल और उसके नागरिकों की सुरक्षा है। इसलिए हमने सीरिया में

रॉकेट भी किए तबाह

कूटनीतिक हथियारों की प्रणालियों, बचे हुए रासायनिक हथियार और लंबी दूर तक मार करने वाली मिसाइल और रॉकेट वाले ठिकानों पर हमला कर दिया। सीरिया में बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद इजरायल ने विद्रोही गुटों को लेकर प्रतिक्रिया दी थी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि यह पश्चिम एशिया के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। असद शासन का पतन और दमिश्क में तानाशाही का खत्म होना एक बड़ा मौका है, लेकिन इसके साथ ही कड़े बड़े खतरे भी हो सकते हैं। नेतन्याहू ने कहा कि वह इजरायल की तरफ से सीरिया के उन द्रूज, कुर्द, ईसाई और मुस्लिम समुदायों के साथ शांति का हाथ बढ़ाना चाहते हैं, जो इजरायल के साथ शांति से रहना चाहते हैं।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति पर ट्रैवल बैन लगाया

मार्शल लॉ लागू करने के कारण लगा प्रतिबंध, विपक्ष फिर महाभियोग प्रस्ताव की तैयारी में

सियोल, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में सोमवार को राष्ट्रपति यून सुक-योल पर ट्रैवल बैन लगा दिया गया। साउथ कोरिया के करप्शन इन्वेस्टिगेशन हेड ने बताया कि राष्ट्रपति पर यह बैन मार्शल लॉ लगाने के कारण लगाया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, साउथ कोरियाई पुलिस पिछले हफ्ते से ही मार्शल लॉ लागू करने की वजह से उनके खिलाफ विद्रोह के आरोपों की जांच के लिए ट्रैवल बैन पर विचार कर रही थी।

यून सुक-योल ने पिछले मंगलवार विपक्षी पार्टी पर नॉर्थ कोरिया से सांठगांठ करने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। इसके बाद देश को गंभीर

राजनीतिक अशांति का सामना करना पड़ा। विपक्ष उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया था, जो पास नहीं हो सका।

सत्तारूढ़ दल के ज्यादातर सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर वोटिंग का बायकॉट किया था, इस वजह से विपक्ष इसे पास करने के लिए जरूरी 200 वोट नहीं जुटा पाया। हालांकि बुधवार को साउथ कोरिया में संसद का नया सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में विपक्ष एक बार फिर से महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। अगर बुधवार को विपक्ष राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास करवाने में सफल हो जाता है तो यून के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। जहां 9 में से 6 के जजों के वोट से प्रस्ताव साबित हो जाएगा।

फिलहाल साउथ कोरिया की कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं, इस वजह से यह साफ नहीं है कि 7 जजों के बिना ये मुकदमा चलेगा या नहीं। अगर यून मई 2027 में अपने पांच साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोड़ते हैं, तो संविधान के मुताबिक, 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होगा। दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी डीपीके, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे।

राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर असर पड़ा।

बाघ आया, 6 गांवों की लाइट गई!

छत्तीसगढ़ में कान्हा टाइगर रिजर्व के टी-200 बाघ का खौफ ट्रैंकुलाइज करेगा वन विभाग

रायपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ और बिहारपुर इलाके में एक बाघ के घूमने की खबर से हड़कंप मच गया है। शुक्रवार को बाघ दिखाई देने के बाद वन विभाग ने बिजली काटने का एडवाइजरी जारी की है। यह बाघ मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व से आया है और इसे टी-200 नाम दिया गया है। यह बाघ लगातार मवेशियों का शिकार कर रहा है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात को इसने एक बकरी का शिकार किया और आखिरी बार इसे भोटा गाँव में देखा गया। यह बाघ अमरकंटक और पेंड्रा-मरवाही से होते हुए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पहुंच गया है।

हिंदुओं पर हो रहे हमले के बीच भारतीय विदेश सचिव पहुंचे ढाका

ढाका, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। यहां हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ढाका के दौरे पर हैं। वह भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए सोमवार सुबह यहां पहुंचे। ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब इस साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

अगस्त में शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़कर भारत आने के साथ ही नई कार्यवाहक सरकार और उसके प्रमुख मो. यूनुस ने भारत को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। शेख हसीना के देश छोड़ने के साथ ही बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न शुरू हो गया। लोगों के घर जलाए गए, हत्याएं हुईं और मंदिरों को भी निशाना बनाया गया। इस बीच इस्कॉन भी बांग्लादेश के निशाने पर आ गया। कुछ संगठनों ने इस्कॉन को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग कर डाली। यहां तक कि कुछ दिनों पहले हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब इन सब चिंताजनक हालातों के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ढाका पहुंचे हैं। दोनों देशों के विदेश सचिवों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल द्वारा दोनों देशों के बीच स्थापित विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) तंत्र में भाग लेकर द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने चार दिसंबर को बताया था कि दोनों देशों के विदेश सचिव आपसी हितों के मुद्दों पर बातचीत करेंगे। इस साल सितंबर में, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार (मंत्री) मोहम्मद तौहीद हुसैन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी।

“भजनलाल से पूछ लेना”

राइजिंग राजस्थान समिट में ऐसा क्यों बोले किरोड़ी लाल मीना?

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दोपहर तीन दिवसीय राइजिंग राजस्थान समिट का उद्घाटन किया। राजधानी जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वरसेशन सेंटर में आयोजित समिट में शामिल होने के लिए किरोड़ी लाल मीना भी पहुंचे। इस दौरान मीडिया ने सवाल किया कि क्या आपको मंत्री के रूप में देखा जाएं। जिस पर किरोड़ी मीना ने जवाब दिया कि इस बारे में भजनलाल से पूछ लेना।

किरोड़ी लाल मीना ने राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम को लेकर मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि पूर्वी राजस्थान में निवेश काफी संभावनाएं हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे बन गया है। ईआरसीपी में 15 फीसदी प्रावधान इंडस्ट्री के लिए रखा गया है, जिससे पूर्वी राजस्थान को विशेष फायदा होने वाला है। इस दौरान मीडिया ने किरोड़ी मीना से पूछा कि क्या उन्हें सम्मेलन में मंत्री के रूप में देखा जाएं? जिस पर जवाब देते हुए किरोड़ी लाल ने कहा कि आप कोई भी रूप देख लेना, भजनलाल से पूछ लेना।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में कुछ सीटों पर हार के बाद किरोड़ी लाल मीना ने कृषि मंत्री के पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। इस्तीफा वापस लेने को लेकर मान-मनौव्वल का दौर चला, लेकिन किरोड़ी पूरी तरह से माने नहीं। दिल्ली में हाईकमान से मुलाकात भी हुई, लेकिन ज्यादा कुछ हासिल नहीं हुआ। इसके बाद वे लगातार 'एकला चलो' की तर्ज पर सक्रिय रहे। हालांकि, राजस्थान उपचुनाव से ठीक पहले वो भाई को टिकट दिलाने में कामयाब हो गए। लेकिन, उनके भाई की हार के बाद से ही चर्चा है कि क्या किरोड़ी कैबिनेट मंत्री के तौर पर फिर सक्रिय हो जाएंगे? अभी तक इस पर असमंजस बरकरार है।

नरेश मीणा को कोर्ट से लगा तगड़ा झटका

थप्पड़बाज नेता को लेकर अब होगी आर-पार की लड़ाई!

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान उपचुनाव के दौरान हुए 'थप्पड़ कांड' के आरोपी नरेश मीणा 26 दिन बीत जाने के बाद भी जेल में बंद हैं। अब कोर्ट से मिले झटके के बाद उनके समर्थकों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। मीणा के समर्थकों का कहना है कि अगर 15 दिसंबर तक रिहाई नहीं हुई तो 17 दिसंबर से युवा सड़कों पर उतरेंगे। जानते हैं नरेश मीणा की रिहाई को लेकर प्रदेश में क्या माहौल बना हुआ है।

टोंकः राजस्थान के उपचुनाव में 'थप्पड़ कांड' के नरेश मीणा के कारण सियासत में काफी हलचल रही। इधर, नरेश मीणा कब जेल से छूटेंगे? यह पहेली अब तक नहीं सुलझ पाई है। घटना के 26 दिन बीते जाने के बाद भी नरेश मीणा अभी भी टोंक जेल में बंद है। इस मामले में नरेश सहित 63 लोगों की गिरफ्तारी हुई। इनमें से चार नाबालिग बच्चों की जमानत हो चुकी है, लेकिन नरेश सहित अन्य लोगों को अभी तक जमानत नहीं मिल पाई है। हालांकि नरेश मीणा ने उनियारा एसीजेएम कोर्ट में अपनी जमानत की याचिका दायर की, लेकिन कोर्ट ने नरेश की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इसको लेकर अब लोगों में चर्चा है कि आखिर नरेश को कब तक जमानत मिलेगी? वहीं सवाई माधोपुर में कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल के नेतृत्व में नरेश के समर्थकों ने हुंकार भरी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिसंबर तक नरेश की रिहाई नहीं हुई, तो 17 से प्रदेश के युवा सड़कों पर उतरेंगे।

घटना के 26 दिन बाद भी नरेश को नहीं मिली जमानत

प्रदेश में 13 नवंबर को उपचुनाव हुए। इस दौरान देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र के समरावता गांव में जमकर बवाल हुआ। ग्रामीणों के बहिष्कार के बाद भी जबरन वोट डलवाने के मामले में गुस्साएं निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एरिया मजिस्ट्रेट अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया। यह मामला इतना बढ़ा कि घटना की रात समरावता गांव में पुलिस और नरेश के समर्थकों के बीच जमकर संघर्ष हुआ, आगजनी की घटनाएं हुई, हवाई फायरिंग और आसू गैस के गोले छोड़े गए। अगले दिन भारी पुलिस बल ने नरेश को गिरफ्तार कर लिया। नरेश 14 नवंबर से टोंक जेल में बंद है।

उसके साथ कल 63 समर्थक भी जेल में बंद थे। इनमें चार नाबालिग बच्चों को फिलहाल जमानत दे दी गई है। इधर, उनियारा एसीजीएम कोर्ट ने नरेश की जमानत याचिका खारिज कर दी। नरेश ने इस मामले में यह पहली बार अपनी जमानत याचिका दायर की थी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के गांव में अब नजर नहीं आएगा प्लास्टिक कचरा

झुंझुनू, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का गांव किठाना अब मॉडल गांव बनेगा। यहां सिंगल यूज प्लास्टिक कचरा सड़कों, गलियों और नालियों में नजर नहीं आएगा। केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन में इस गांव का चयन किया गया है।

यहां तीन चरणों में गांव को प्लास्टिक कचरे से मुक्त बनाया जाएगा। गांव में गंदे पानी की निकासी की समस्या का समाधान हो चुका है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र ने बताया कि गांव को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सभी का सहयोग लिया जाएगा।

तीन चरणों में होगा काम

पहला चरण

जनप्रतिनिधियों, गांव के प्रमुख लोगों, स्कूल के बच्चों और शिक्षकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के नुकसान बताए जाएंगे। उनको प्रेरित किया जाएगा कि गांव को मॉडल बनाने में सहयोग करें। घरों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। गांव में नुक्कड़ नाटक और रैली का आयोजन किया जाएगा।

दूसरा चरण

गांव में स्वयंसेवी संगठनों और अन्य संगठनों के माध्यम से कपड़े के थैले वितरित करवाए जाएंगे। मिट्टी के बर्तनों का महत्व बताकर उनका उपयोग करवाया जाएगा। ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक काम में नहीं लिया जाए। इसके अलावा हर घर में बड़े डिब्बे या थैले रखवाए जाएंगे। जहां बचे हुए सिंगल यूज प्लास्टिक को डाला जा सके।

तीसरा चरण

डिब्बों और थैले में भरे हुए सिंगल यूज प्लास्टिक को तय समय के बाद घर-घर से उठवाया जाएगा। ताकि यह कचरा गांव की नालियों और सड़कों पर नहीं आए। बाद में इस कचरे का तय प्रक्रिया से निस्तारण किया जाएगा।

इन गांवों का भी चयन

किठाना के अलावा मलसीसर, खांदवा, पातुसरी, ठाठवाड़ी, हनुमानपुरा, निवाई, सुजडौला, बनवास, काजड़ा व टोडी गांव का चयन स्वच्छ भारत मिशन के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने के लिए किया गया है।

ज्यादा साफ नजर आएंगे गांव

सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं होने पर गांव ज्यादा साफ नजर आएंगे।

मिशन के तहत किठाना सहित ग्यारह गांवों का चयन किया गया है। यहां कोशिश रहेगी कि सड़कों व नालियों में सिंगल यूज प्लास्टिक नजर नहीं आए। यह गांव पूरे राज्य व देश में मॉडल बने।

कांग्रेस पार्टी के नेता निसार ने कहा- ‘दरगाह आग नहीं तूफान है, पुर्जे-पुर्जे उड़ जाएंगे’

अजमेर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में अजमेर दरगाह मंदिर दावा मामले को लेकर जबरदस्त बहस और सियासत देखी जा रही है। हिन्दू मुस्लिम आस्था और संविधान को लेकर नए नए बयान सामने आ रहे है। ऐसे में अब कर्नाटक तुमकुर सिटी से इंडियन मूवमेंट पार्टी के नेता निसार अहमद ने बयान दे दिया है।

निसार अहमद ने हज़रत ख्वाज़ा गरीब नवाज की दरगाह में मंदिर बताने वाले हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को नादान बताते हुए कहा कि ख्वाजा साहब एक दरख्त है और इनकी जड़ें विश्व भर में फैली हुई है। ऐसे में अगर कोई इनको हाथ लगाने की बात तो दूर, इन पर निगाहे भी उठाएंगा तो गिर जाएंगा और खत्म हो जाएंगा। ख्वाजा साहब की दरगाह को लेकर इनकी तरफ से विवादित आवाज उठाना अब ये दर्शाता है कि देश के विवादित सब ही मसले ख्वाजा साहब के करम से जल्द खत्म हो जाएंगे। क्योंकि इन्होंने अब ख्वाजा साहब की तरफ निगाह डाली है जो कि समस्त धर्म जाति के लिए एक आस्था का बड़ा केंद्र है।

ख्वाजा साहब की दरगाह कौमी एकता की दुनिया मे एक बड़ी मिसाल है। भारत सरकार को इसमें दखल देना चाहिए और विष्णु गुप्ता जैसे नादानों को रोकना चाहिए, वरना इन जैसे नादान लोग ख्वाजा साहब की निगाहों से ही खत्म हो जाएंगे। अजमेर दरगाह एक ऐसा धार्मिक स्थल है, जहां राजा रजवाड़ा, मुग़ल बादशाहों और मराठों ने अपना मत्था टेका और ख्वाजा साहब का आशीर्वाद लिए।

चाय पीने के बाद छह लोग अस्पताल में भर्ती, तीन की मौत

बांसवाड़ा, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के के बांसवाड़ा जिले के आबापुरा थाना क्षेत्र के नालदा गांव में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। चाय पीने के बाद एक ही परिवार के 6 लोग अचानक बेहोश हो गए, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां से 4 लोगों को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि आज तीन लोगों की मौत हो गई। जिनमें मां, दादी और पोता शामिल है।

पुलिस ने बताया कि रविवार को नालदा गांव के एक परिवार ने दोपहर में चाय बनाई और सभी ने मिलकर चाय पी। कुछ देर बाद घर के 6 सदस्यों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई और धीरे-धीरे उनकी हालत गंभीर होती चली गई। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। परिवार के अन्य सदस्यों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई और सभी को बांसवाड़ा के जिला अस्पताल पहुंचाया।

फूड प्वाइजनिंग की आशंका

आबापुरा थाना अधिकारी राम रूप मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला फूड प्वाइजनिंग का लग रहा है। हालांकि, पुलिस इसे संदेहास्पद मान रही है और चाय में जहर मिलने की आशंका से इनकार नहीं कर रही। चाय पत्ती को जांच के लिए भेजा गया है और डॉक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने बताया कि चाय बनाने में जिस चाय पत्ती का इस्तेमाल किया गया था, वह घर में पहले से ही रखी हुई थी। चाय पीने के तुरंत बाद ही सभी की तबीयत बिगड़ने लगी।

खेत से रास्ता निकालने के विवाद में चचेरे भाई की हत्या

पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

सिरोही, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पिंडवाड़ा पुलिस ने अजारी गांव के सारणफली में खेत में रास्ते के विवाद को लेकर चचेरे भाई की हत्या करने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने भाई पर कुल्हाड़ी से वार कर वारदात को अंजाम दिया था।

पिंडवाड़ा पुलिस थानाधिकारी हमीरसिंह भाटी की अगुवाई में टीम द्वारा की गई। इस मामले में सारणफली, अजारी, पुलिस थाना पिंडवाड़ा जिला सिरोही निवासी वीरमाराम पुत्र भुराजी गरासिया को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती 5 दिसंबर को सारणफली वासी तलसाराम पुत्र देवाराम गरासिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनके परिवार में भाई वीरमाराम पुत्र भूराजी गरासिया के घर पर आने-जाने के लिए उनका पुश्तैनी रास्ता है लेकिन दो-तीन दिन से वीरमाराम उनके खेत में से अपने घर पर आने-जाने के लिए रास्ते की मांग कर रहा था, जिसके लिए प्रभुराम ने मना कर दिया था। इसी बात से नाराज वीरमाराम और उसके बेटे विक्रम ने खेत पर सिंचाई करने गए प्रभुराम के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे प्रभुराम के सिर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौत हो गई थी।

जोधपुर-जैसलमेर हाईवे पर हादसा

मिनी बस और ट्रेलर की टक्कर में दो की मौत, 21 घायल

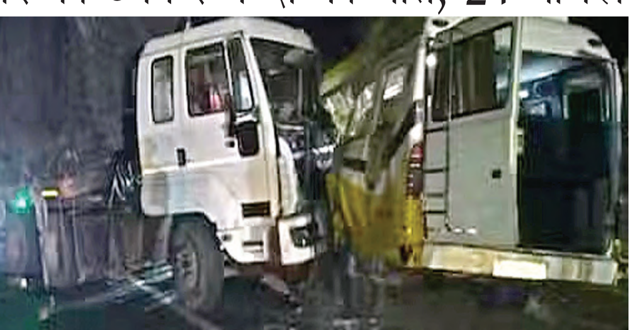

जोधपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर जिले में रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना आगोलाई क्षेत्र के भाटों की ढाणी के पास हुई, जब यात्रियों से भरी मिनी बस और ट्रेलर की आपस में जबरजस्त भिड़ंत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब सवा नौ बजे जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे 125 पर यह हादसा हुआ। मिनी बस में सवार सभी यात्री पोखरण स्थित आशापुरा माताजी के दर्शन कर लौट रहे थे। यात्रियों में से अधिकांश एक ही परिवार के सदस्य थे, जो शादी के बाद जात लगाने की परंपरा निभाने मंदिर गए थे।

दुर्घटना के बाद बस में सवार शिवप्रसाद और रक्षिता नाम के लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 21 लोग घायल हो गए। इनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जोधपुर के अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे की सूचना मिलते ही बालेसर थाना प्रभारी नरपतदान चरण अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला। ट्रेलर ड्राइवर दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया, पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मौत का दूसरा नाम है ये घाटी

अब तक ले चुकी है एक हजार से ज्यादा लोगों की जान

पाली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। चारभुजा से देसूरी की तरफ आ रही छात्रों से भरी एक स्कूली बस देसूरी नाल के पंजाब मोड़ के पास ब्रेकफेल होने से अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में कुल 62 छात्र-छात्राएं व शिक्षक सवार थे। हादसे में तीन छात्राओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि अन्य करीब छात्र व शिक्षक चोटिल हो गई। 16 बच्चों का राजसमंद आरके राजकीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। एक ही हालत नाजुक होने पर उदयपुर रेफर किया। आपको बता दें कि देसूरी-चारभुजा के बीच आठ किलोमीटर का खतरनाक घाट है। नाल में एस और एल आकृति में खतरनाक मोड़ हैं। इस सड़क का निर्माण 1952 में हुआ था। इसके बाद मरम्मत होती रही, लेकिन सड़क की चौड़ाई नहीं बढ़ पाई। देसूरी नाल में 12 खतरनाक मोड़ हैं, जहां हर वक्त वाहन चालकों के दुर्घनाग्रस्त होने का खतरा रहता है। सड़क की चौड़ाई 5.50 मीटर से कम है और खतरनाक ढलान 1.8 अनुपात का है और सड़क किनारे 40 से 50 फीट तक गहरी खाई है। ढलान में 5 संकरी पुलिया बनी हुई है। देसूरी नाल में 7 सितंबर 2007 को बड़ा सड़क हादसा हुआ था। यहां नाग देवता के नीचे रामदेवरा जातरूओं का ट्रक ब्रेकफेल होकर खाई में पलट गया था। जिसमे एक साथ 89 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा भी कई हादसे हुए। देसूरी नाल संघर्ष समिति का दावा है कि अब तक एक हजार से अधिक लोगों की दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है।

तालिबानी सजा! युवक को पेड़ पर रस्सी से उल्टा लटका कर पीटा

बूंदी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के उमरच गांव में रविवार सुबह जमकर हंगामा हो गया। यहां ग्रामीणों की ओर से एक चोर को पेड़ पर रस्सी से बांधकर उल्टा लटका कर बेरहमी से पीटने का गंभीर मामला सामने आया है। चोर से मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेज गति से वायरल हो रहा है।

उधर, सदर थाना पुलिस चोर को पेड़ पर लटकाकर मारपीट करने की घटना से साफ इनकार कर रही है।

जबकि घटना का वायरल वीडियो में ग्रामीणों की भयावहता साफ बयान कर रहा है। घटना से सारी मानवीय संवेदना तार-तार हो गई है।,

चोरी करने आया था, नींद आई तो पकड़ा गया

मामले को लेकर ग्रामीणों से जानकारी मिली है कि आरोपी युवक हंसराज जाट नशे का आदी है। क्षेत्र में आये दिन चोरियों की वारदातों को अंजाम देता है। युवक उमरच गांव में केबल और खेत से मोटर चोरी करने आये थे। उसके साथ आए कुछ युवक भागने में सफल हो गए।

लेकिन पिटाई का शिकार युवक ज्यादा नशे की हालत में होने से गहरी नींद के कारण गांव में ही किसी स्थान पर सो गया। रविवार सुबह जब ग्रामीणों को चोरी का पता लगा तो गांव में शोर मचा। इसके बाद गांव में सन्दिग्ध युवक को देख ग्रामीणों का शक यकीन में बदल गया, उसके बाद उसे लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दिया।

पेड़ पर उल्टा लटकाया, बेरहमी से डंडों से पीटा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि युवक को पेड़ पर उल्टा लटका कर एक शख्स डंडे से पिटाई कर रहा है। कई ग्रामीण वहां तमाशा बिन खड़े हुए है। युवक दर्द से कर्रा रहा है। उधर सदर थाने के एएसआई जय सिह का कहना है कि मामले की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ कर बैठा रखा था।

इसी बीच तालेड़ा थानां पुलिस भी पहुंच गई थी। आरोपी युवक तालेड़ा में केबल चोरी के मामले में वांछित होने से उसे तालेड़ा पुलिस अपने साथ ले गई है। एएसआई ने पेड़ पर लटकाकर मारपीट करने से साफ इनकार किया है।

सदर थाना पुलिस ने एसपी को किया गुमराह

मामले को लेकर सदर थाना पुलिस की भूमिका संदेहास्पद बनी रही। थाना पुलिस ने युवक को पेड़ से लटकाकर पीटने की घटना होने पर भी एसपी को सामान्य घटना बताकर गुमराह करने की कोशिश की। इसी तरह मीडिया कर्मियों को भी सदर पुलिस सामान्य घटना बताकर टालती रही।

हालांकि बाद में जब वीडियो एसपी के पास पहुँचा तो सदर थाना पुलिस के सुर बदल गए। उधर सीआई रमेश आर्य ने बताया कि वीडियो में युवक को उल्टा लटकाया हुआ है। मारपीट करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

कानून को हाथ में लेने का किसी को अधिकार नही- एसपी

मामले में पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जायेगा। किसी को भी कानून हाथ मे लेने का अधिकार नही है। इस तरह से मारपीट करने गलत है, आरोपी जो भी बक्शे नही जायेंगे।

महिला नेता के घर में कार्यकर्ता ने लगाया कैमरा

मंगेतर के साथ वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल किया; 10 लाख रुपए मांगे

जयपुर, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में महिला नेता का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। घर पर मिलने आने के दौरान कार्यकर्ता ने कैमरा लगा दिया था। फिर वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की डिमांड की। महिला ने कार्यकर्ता सहित दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया- 25 साल की महिला छात्र नेता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया- पिछले करीब 3 साल से आरोपी कार्यकर्ता उसके लिए काम कर रहा है।

जो सोशल मीडिया अकाउंट चलाता था। पीड़िता के मोबाइल की एप्पल आईडी और पासवर्ड भी उसके ही पास थे। ज्यादातर समय मोबाइल भी कार्यकर्ता के पास ही रहता था। इसका फायदा उठाकर धोखे से ओटीपी लेकर अपने मोबाइल में एक्सेस ले लिया। एप्पल आईडी और पासवर्ड होने के कारण वॉट्सऐप अकाउंट भी अपने मोबाइल में खोलकर निजी चेट, परिजनों-रिश्तेदारों को भेजकर गोपनीयता भंग करने लगा। इस बारे में पूछने पर आरोपी कार्यकर्ता ने भविष्य बर्बाद करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

आरोप है कि कार्यकर्ता ने उसके घर में हिडन कैमरा लगा दिया था। मंगेतर के मिलने आने पर हमारे वीडियो बना लिए थे। 6 दिसंबर को सुबह करीब 9:30 बजे आरोपी कार्यकर्ता अपने दोस्त के साथ घर आया। कार्यकर्ता ने अपने मोबाइल में उसका अश्लील वीडियो दिखाया।

मेरे विरोधियों को वीडियो भेजकर भविष्य बर्बाद करने की धमकी देने लगा। वीडियो डिलीट करने की बोलने पर 10 लाख रुपए देने को कहा। वीडियो शेयर करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया गया। महिला छात्र नेता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

टीपीसीसी प्रमुख ने कांग्रेस शासन में तेलंगाना के पुनर्निर्माण पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने विपक्ष की साजिशों का मुकाबला करते हुए सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। सोमवार को यहां विधान परिषद के परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने तेलंगाना में प्रजा पालना विजयोत्सव और तेलंगाना राज्य के निर्माता सोनिया गांधी के जन्मदिन सहित दोहरे समारोहों पर जोर दिया। टीपीसीसी अध्यक्ष ने तेलंगाना राज्य के वादे को पूरा करने के लिए सोनिया गांधी की अटूट प्रतिबद्धता को याद किया और लोगों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर समारोह में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने तेलंगाना तल्ली (मां तेलंगाना) प्रतिमा के अनावरण पर भी प्रकाश डाला, जो राज्य की संस्कृति और विरासत को दर्शाती है। महेश कुमार गौड़ ने एकता के संकेत के रूप में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। एमएलसी बालमूर वेंकट नरसिंह राव और टीनमार मल्लन्ना के साथ महेश कुमार गौड़ ने कांग्रेस शासन में तेलंगाना की प्रगति के बारे में भावुकता से बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार लोगों के आशीर्वाद से तेलंगाना को पुनर्निर्माण और प्रगति की ओर ले जा रही है। टीपीसीसी प्रमुख ने राज्य के विकास का समर्थन करने में विफल रहने के लिए तेलंगाना से भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, राजनीति को चुनावों तक ही सीमित रखना चाहिए। इसके अलावा, सभी को राज्य की प्रगति में योगदान देना चाहिए। महेश कुमार गौड़ ने बीआरएस पर भी कटाक्ष किया और आरोप लगाया कि उसका एक दशक पुराना शासन फार्महाउस और निजी सम्पदा तक सीमित है।

उन्होंने कहा, पिछली सरकार के विपरीत, कांग्रेस ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करते हुए शासन को लोगों के करीब लाया है।

इससे पहले दिन में, महेश कुमार गौड़ ने एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ गांधी भवन में सोनिया गांधी के 79वें जन्मदिन समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम में एक भव्य केक काटने की रस्म शामिल थी, जिसके बाद टीपीसीसी द्वारा एक विशाल रक्तदान अभियान का आयोजन किया गया। समारोह में मंत्रियों, विधायकों, एमएलसी, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की भी भागीदारी देखी गई, जो उत्साह के साथ दिन मनाने के लिए एक साथ आए।

कई मामलों में वांछित राजस्थान से गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा के मार्गदर्शन में और सीसीएस एसीपी शशांक रेड्डी, माधापुर सीसीएस इंस्पेक्टर संजीव, एसएचओ कोल्लूर रविंदर इंस्पेक्टर और उनकी टीम एचसी वीरा स्वामी, एचसी रविंदर रेड्डी, पीसी कुमार ने राजस्थान राज्य के धौलपुर जिले के राजखेड़ा पीएस के बिचौला गांव में एक वांछित आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया।

आरोपी प्रदीप, निवासी बिचौला गांव, कोल्लूर पीएस के सीआर नंबर 26/2021, यू/एस 395 आईपीसी के संबंध में वांछित था। पिछले तीन वर्षों से उसके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) लंबित था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को राजस्थान के मनिया स्थित न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से ट्रांजिट वारंट हासिल किया गया।

प्रदीप कई आपराधिक मामलों में शामिल है, उसके खिलाफ विभिन्न मामलों में कुल 9 गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) लंबित है।

सोनिया गांधी और तेलंगाना के बीच एक मजबूत रिश्ता : रेवंत रेड्डी

हर साल 9 दिसंबर को तेलंगाना तल्ली का जन्मदिन मनाया जाएगा

फाइल फोटो

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा में सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी आज 78वां जन्मदिन मना रही हैं। चार करोड़ तेलंगानावासियों और विधानसभा की ओर से सोनिया गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और तेलंगाना के बीच एक मजबूत रिश्ता है। महान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने 60 साल पुराने तेलंगाना संघर्ष का सम्मान किया और तेलंगाना को राज्य का दर्जा देकर चार करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने अलग तेलंगाना के लिए विभिन्न तरीकों से लड़ाई लड़ी। तेलंगाना संघर्ष के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। सोनिया गांधी ने 9 दिसंबर, 2009 को तेलंगाना के गठन की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू करने का एक नेक फैसला लिया। 9 दिसंबर का दिन तेलंगाना के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना तल्ली की छवि आज तक आधिकारिक रूप से घोषित नहीं की गई है। लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान नहीं किया गया है। सत्ता में आने के तुरंत बाद, लोगों की सरकार ने संघर्ष के दौरान अपने दिलों पर इसे लिखने वाले युवाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए वाहनों पर उपयोग के लिए टीजी की घोषणा की। सरकार ने प्रेरणा से भरे "जय जयहे तेलंगाना" को तेलंगाना का आधिकारिक गीत घोषित किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना तल्ली की छवि को अब तक आधिकारिक रूप से मंजूरी नहीं दी गई है। दो मुद्दे चर्चा में आए: 'तेलंगाना देवता (देवी) और तेलंगाना तल्ली (माँ) क्या तेलंगाना तल्ली को हीरे, कीमती पत्थरों और मुकुटों से सजाया जाना चाहिए? क्या हमें अपनी माँ की तरह होना चाहिए? बुद्धिजीवियों ने सुझाव दिया कि तेलंगाना तल्ली सही विकल्प है।

आज, हम तेलंगाना तल्ली की मूर्ति स्थापित कर रहे हैं, जो सभी वर्गों की माँ को दर्शाती है। चार करोड़ लोगों का पूरा तेलंगाना समुदाय आज एकजुट होकर उत्सव के माहौल में इस कार्यक्रम का जश्न मनाएगा। दुर्भाग्य से, कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया। यह सोचना गलत है कि एक व्यक्ति और एक पार्टी का विचार तेलंगाना समाज का विचार है। मध्य युग के शासकों के विपरीत, सरकार को लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज शाम 6 बजे तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। विपक्षी दलों से विवाद पैदा करना बंद करने की अपील। हर साल 9 दिसंबर को तेलंगाना तल्ली का जन्मदिन मनाया जाएगा। "देवी आशीर्वाद देती हैं और तेलंगाना तल्ली हमें प्यार करते हैं"।

निजी बस के टक्कर से बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह कुकटपल्ली के मूसापेट में एक निजी बस की टक्कर से एक मोटर चालक की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब पीड़ित रमेश अपनी बाइक पर एर्रागड्डा से कुकटपल्ली की ओर जा रहा था। पुलिस के अनुसार मूसापेट पहुंचने पर मोड़ लेते समय निजी बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसके बाद रमेश नियंत्रण खो बैठा और बस के पिछले टायर के नीचे आ गया और कुचल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रास्ते से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने जब यह घटना देखी तो उन्होंने कुकटपल्ली पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया है।

104 चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद

21 लाख रुपये है कीमत

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय रेलवे पुलिस की विशेष टीमों ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके रेल उपयोगकर्ताओं और नागरिकों के 21 लाख रुपये मूल्य के कुल 104 मोबाइल फोन का पता लगाया, जो या तो खो गए थे या चोरी हो गए थे। बरामद किए गए फोन उनके मालिकों को सौंप दिए गए।

केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर पोर्टल एप्लीकेशन को राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा अप्रैल 2024 में उपयोग में लाया गया और जुलाई तक 210 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जबकि पिछले दो महीनों में 104 मोबाइल फोन बरामद किए गए। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि नागरिकों के खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाने के लिए रेलवे पुलिस जिले में विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस अधीक्षक (जीआरपी सिकंदराबाद) चंदना दीप्ति ने कहा कि जिन मोबाइल फोन का पता लगाया गया है, उनमें सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट किए गए मामले और मीसेवा एप्लीकेशन शामिल हैं। तेलंगाना के अलावा, विशेष टीमों ने केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों से मोबाइल बरामद किए हैं।

चंदना दीप्ति ने बताया कि ये फोन या तो यात्रा के दौरान फुटबोर्ड पर बैठे यात्रियों से चुराए गए या खिड़की के पास से, जहां उन्होंने फोन खो दिए, या फिर कुछ चोरों ने उन्हें छीन लिया। जीआरपी अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे अपने सामान के प्रति सावधान रहें तथा यदि रेलवे स्टेशनों पर कोई मोबाइल फोन चोरी हो जाए तो वे तुरंत पोर्टल पर लॉग इन करके सीईआईआर पोर्टल पर आईएमईआई नंबर के साथ अपने मोबाइल फोन को ब्लॉक कर दें। अधिकारियों ने बताया कि वैकल्पिक रूप से, जिन यात्रियों के मोबाइल फोन खो गए हैं, उन्हें सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करके आईएमईआई को ब्लॉक करने के लिए तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करना चाहिए।

कोर्ट ने हत्यारोपी को सुनाई उम्रकैद की सजा

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय अदालत ने 5 साल पहले अत्तापुर में एक महिला की हत्या के जुर्म में एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अत्तापुर निवासी और कर्नाटक के मूल निवासी श्रीकांत के (30) ने 2019 में एक महिला की हत्या कर दी थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया। सुनवाई के बाद अदालत ने उसे दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

विधानसभा सत्र 16 दिसंबर तक स्थगित

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा सत्र 16 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया। सोमवार को तेलंगाना विधानसभा और विधान परिषद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ। हालांकि, कार्यवाही शुरू होने से पहले ही बीआरएस नेताओं ने विधानसभा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें परिसर से बाहर निकाल दिया। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के मुद्दे पर बात की। सदस्यों ने इस विषय पर संक्षिप्त चर्चा की और डिजाइन पर सुझाव और प्रतिक्रिया दी। विधानसभा ने हर साल तेलंगाना तल्ली के स्थापना दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने का संकल्प लिया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 16 दिसंबर तक विधानसभा स्थगित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 11 से 13 दिसंबर तक निजी और आधिकारिक उद्देश्यों से अन्य राज्यों का दौरा करेंगे, जिसके चलते विधानसभा सत्र 16 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पहले दिन जयपुर, राजस्थान का दौरा करेंगे और अगले दो दिन दिल्ली में बिताएंगे। इस यात्रा के दौरान रेवंत रेड्डी केंद्रीय मंत्रियों और अधिकारियों के साथ राज्य से संबंधित मामलों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, पार्टी आलाकमान से उनकी मुलाकात की भी संभावना है। विधानसभा सत्र स्थगित होने के चलते टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अन्य प्रमुख नेता मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान के साथ मुख्य चर्चा मंत्रिमंडल विस्तार, मनोनीत पदों को भरने और पार्टी के अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

पीएम श्री केवी पिकेट में पॉश और पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय (केवी) पिकेट ने पॉश अधिनियम (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) और पॉक्सो अधिनियम (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) के बारे में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम, सुरक्षित वातावरण बनाने और कानूनी सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। पीएम श्री केवी पिकेट के प्रिंसिपल रूपिंदर सिंह ने लिंग आधारित हिंसा और पॉक्सो के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बात की। विशेषज्ञ वक्ता, कानूनी पेशेवर और बाल कल्याण अधिवक्ता ने इन कृत्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एक प्रमुख अधिवक्ता श्री ए श्रीनिवास राव ने व्यावसायिक स्थानों पर उत्पीड़न को रोकने और संबोधित करने के लिए पॉश के तहत कानूनी प्रावधानों की व्याख्या की और बच्चों को यौन अपराधों से बचाने में पॉक्सो अधिनियम की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्पष्टता और सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक जीवन के केस अध्ययन और इंटरैक्टिव चर्चाएँ आयोजित की गईं। बर्जीनिया सुंदर राज, टीजीटी अंग्रेजी, श्रीमती अर्पणा, टीजीटी अंग्रेजी और श्रीमती ललिता स्कूल काउंसलर ने जी.बी.वी. और पी.आई.सी.एस.ओ. पर आधारित छात्रों के लिए सत्र लिया। के.वी. पिकेट जागरूकता को बढ़ावा देने और सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में उदाहरण के रूप में आगे बढ़ना जारी रखता है।

स्काईवॉक से कूदा व्यक्ति घायल

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को उप्पल स्काईवॉक से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश करने वाला एक व्यक्ति घायल हो गया। वह घायल होने से बच गया और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। कथित तौर पर कुछ व्यक्तिगत मुद्दों से परेशान होकर भवानी नगर निवासी 42 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने का निर्णय लिया। वह स्काईवॉक पर चढ़ गया और कूद गया। हालांकि, कम ऊंचाई के कारण उसे केवल चोटें आईं। घटना को देखकर वाहन चालक और राहगीर उसे बचाने के लिए दौड़े। उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

रिश्वत मांगने के आरोप में वरिष्ठ अकाउंटेंट गिरफ्तार

खम्मम, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी के अधिकारियों ने खम्मम में जिला कोषागार कार्यालय में कार्यरत एक वरिष्ठ लेखाकार को एक मृतक पेंशनभोगी की पत्नी से रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) खम्मम रेंज के डीएसपी वाई रमेश ने बताया कि जिले के सुबलापडु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अटेंडेंट के रूप में काम करने वाले पेंशनभोगी मल्लैया की एक साल पहले मृत्यु हो गई थी। उनकी पत्नी ने बिल तैयार करने और 4 लाख रुपये की पेंशन राशि को मंजूरी देने के लिए ट्रेजरी कार्यालय से संपर्क किया। आरोपी के. नागेश ने बिल पास करने के लिए 40,000 रुपये (जो पेंशन राशि का 10 प्रतिशत था) की रिश्वत मांगी। पेंशनभोगी की पत्नी द्वारा एसीबी से संपर्क किए जाने के बाद अधिकारियों ने ऑडियो रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की और सोमवार को नागेश को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि आरोपी अधिकारी को वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए तीसरे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

कार ने किसान दंपत्ति को कुचला, महिला की मौत

मेदक, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को नरसिंगी में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के किनारे अपने खेत जा रहे किसान दम्पति को एक तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया। वड्डापु लक्ष्मी (40) और नागराजू नामक दंपत्ति अपने खेत की ओर जा रहे थे, तभी हैदराबाद से निजामाबाद जा रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। लक्ष्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नागराजू गंभीर रूप से घायल हो गया। नागराजू को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है।

हैदराबाद मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे पर आज लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 180वीं बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में समिति के उपाध्यक्ष एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी व अपर मंडल रेल प्रबंधक एम.ए.रहमान, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/दक्षिण मध्य रेलवे डॉ.श्याम सुंदर साहु, सभी शाखा अधिकारी और आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी ने भाग लिया। राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। बैठक के आरंभ में मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से हैदराबाद मंडल की हिंदी ई-पत्रिका हैदराबाद दर्पण का विमोचन किया गया। इस प्रयास के लिए राजभाषा विभाग को बधाई देते हुए अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि विभिन्न विभागों से संबंधित सामान्य व तकनीकी लेख, कहानियां, कविताएं आदि शामिल करने से भविष्य में यह पत्रिका अधिक रोचक तथा उपयोगी बनेगी। अध्यक्ष ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित मद विशेषकर धारा 3 (3) के प्रलेखों को अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषी रूप में जारी करना, हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देना आदि पर जोर दिया।

एम.ए.रहमान, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक ने हिंदी ई-पत्रिका के नियमित विमोचन पर राजभाषा विभाग की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि हैदराबाद मंडल के सभी स्टेशन संचालन नियम एवं फाटक संचालन नियम अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषिक रूप में स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। उन्होंने संबंधित शाखा अधिकारियों से अनुरोध किया कि मंडल पर स्थित प्रशिक्षण संस्थानों में उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री को हिंदी में भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डॉ.श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा)/दक्षिण मध्य रेलवे ने पावर पाइंट प्रस्तुति के माध्यम से ई-ऑफिस पर क्विक नोटिंगों का उपयोग करते हुए आसानी से हिंदी में काम करने के बारे में विस्तार से समझाया। राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर राजभाषा प्रगति से संबंधित विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा की और पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने अगली तिमाही की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक वकील ने सोमवार को कोटि में आशा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के दौरान हैदराबाद पुलिस के दो अधिकारियों के कथित अमानवीय व्यवहार के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में शिकायत दर्ज कराई।

याचिकाकर्ता ई रामा राव ने अपनी शिकायत में कहा कि एसीपी सुल्तान बाजार के शंकर और सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनिवास चारी ने महिला आशा कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मारपीट के कारण कई आशा कार्यकर्ता घायल हो गईं और उन्होंने घटना की जांच और कार्रवाई की मांग की।

मंदिर के आसपास के निजी गेस्ट हाउस बने जुए के अड्डे!

मेदक, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वन दुर्गा भवानी मंदिर एडुपयाला के आसपास बने कई गेस्ट हाउस कथित तौर पर जुए के अड्डे बनते जा रहे हैं और पुलिस ऐसी गतिविधियों के प्रति आंखें मूंदे बैठी है। कथित तौर पर जुआरी श्रद्धालुओं के वेश में गेस्ट हाउस पर कब्जा कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि वे हैदराबाद और अन्य जिलों से टीमों में गेस्ट हाउस में रात बिताने के लिए आ रहे हैं क्योंकि वहां ज्यादा निगरानी नहीं है। इस तरह से आए एक व्यक्ति के परिवार के सदस्यों की शिकायत के बाद, पुलिस ने रविवार रात को गेस्ट हाउस पर छापा मारा और 12 लोगों को जुआ खेलते हुए पाया। पुलिस ने 12.5 लाख रुपये के कैसीनो सिक्के भी बरामद किए। पुलिस ने आरोपियों से 49,000 रुपये भी जब्त किए।

एडुपयाला मंदिर में भक्तों की आमद दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, इसलिए मंदिर के आसपास कई निजी गेस्ट हाउस बनाए गए हैं। कुलचरम और पपन्नापेट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत मंदिर के आसपास लगभग 15 से 20 गेस्ट हाउस थे, जिनमें से प्रत्येक में 10 से 20 कमरे थे। गेस्ट हाउस के मालिक 24 घंटे के लिए 1,000 से 1,500 रुपये चार्ज करते हैं। हालांकि, कई लोग सप्ताहांत के दौरान इन गेस्ट हाउसों पर कब्जा कर रहे थे। कथित तौर पर वे जुए पर लाखों रुपये खर्च कर रहे थे। श्रद्धालुओं ने पुलिस से धार्मिक स्थलों पर ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए इन गेस्ट हाउसों में होने वाली गतिविधियों की नियमित निगरानी करने का आग्रह किया है।

नगरकर्नूल में 3 छात्र अस्पताल में भर्ती

स्कूल में फिर फूड पॉइजनिंग

नगरकर्नूल, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरकर्नूल मंडल के नागनौला स्थित कस्तूरबा विद्यालय की तीन छात्राएं सोमवार को भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गईं। प्रेमलता, अक्षया और एक अन्य छात्रा ने पेट दर्द, मतली, उल्टी और खांसी की शिकायत की।

उनकी हालत गंभीर होने पर स्कूल प्रबंधन ने उन्हें जिले के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। स्कूल स्टाफ ने दावा किया कि छात्र स्कूल परिसर के बाहर से लाए गए स्नैक्स खाने के बाद बीमार पड़े। इन दावों का खंडन करते हुए अभिभावकों ने तर्क दिया कि केवल एक छात्र ने बाहर से स्नैक्स खाया था और जानना चाहा कि बाकी दो छात्र कैसे बीमार पड़े।

वाहनों पर रंगीन शीशे लगाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा यातायात पुलिस (आरटीपी) ने सोमवार को अपने अधिकार क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भारी रंगीन शीशे और काली फिल्म वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, काली फिल्मों के साथ-साथ सायरन और प्रेशर हॉर्न के अवैध इस्तेमाल का एक और बड़ा अपराध भी बढ़ रहा है। इन उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए, राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस ने टिंटेड ग्लास और अनधिकृत सायरन के इस्तेमाल के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया।

आरटीपी अधिकारियों ने बताया कि विशेष अभियान में कारों पर लगे काले शीशों पर विशेष ध्यान दिया गया। यातायात अधिकारियों ने कहा कि एमवी अधिनियम के तहत उल्लंघनकर्ताओं को यातायात चालान जारी किए गए। अनुमत सीमा से अधिक ऐसे रंगीन शीशों या काली फिल्मों का उपयोग करना उल्लंघन है और सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा करता है। शहर की सड़कों पर चलने वाली अधिकांश कारें काले शीशों वाली नजर आती हैं, जो शहर में प्रतिबंधित हैं। वर्ष 2012 में सर्वोच्च न्यायालय ने देशभर में सभी वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।

सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के अनुसार, काली फिल्म पूरी तरह से प्रतिबंधित है, हालांकि ब्रांडेड निर्मित रंगीन शीशों पर 30 प्रतिशत तक काली फिल्म लगाने की अनुमति है और रंगीन शीशों पर यातायात पुलिस उल्लंघन करने पर 1,000 रुपये का चालान काट रही है और शीशों से फिल्म उतार रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

बीमा सखी योजना ...

आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है। शास्त्रों में नौ अंक को बहुत शुभ माना जाता है। नौ अंक नव दुर्गा की नौ शक्तियों से जुड़ा है। हम सब साल में शक्ति की उपासना करते हैं। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है।

आज नौ दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है। इस समय कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की इस धरती को प्रणाम करता हूं।

पीएम ने कहा कि मैं पूरे हरियाणा को यहां के देशभक्त लोगों को राम राम करता हूं। हरियाणा ने एक हैं तो सेफ हैं के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। सैनी की सरकार को बने अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं, लेकिन प्रशंसा पूरे देश में हो रही है।

पीएम ने कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाई, इसके लिए मैं हरियाणा के हर परिवारजन का वंदन करता हूं। सैनी की नई सरकार को बने हुए अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं और उनकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है।

सरकार बनने के तुरंत बाद जिस तरह यहां बिना पर्ची बिना खर्ची के हजारों युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं, वह देश ने देखा है। अब यहां डबल इंजन की सरकार डबल रफ्तार से काम कर रही है। चुनाव के दौरान आप सभी माताओं बहनों ने नारा दिया था म्हारा हरियाणा नान स्टॉप हरियाणा। उस नारे को हम सभी ने अपना संकल्प बना दिया है। उसी संकल्प के साथ आज सब के दर्शन के लिए आया हूं।

जर्मनी का नागरिक ...

इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर कहा था कि रमेश की भारतीय नागरिकता को समाप्त कर दिया जाए क्योंकि उन्होंने अपने आवेदन में जानकारी को छुपाया है। गृह मंत्रालय ने कहा था कि रमेश ने गलत बयान/तथ्यों को छिपाकर भारत सरकार को गुमराह किया है। अगर उन्होंने बताया होता कि आवेदन करने से पहले वे एक साल तक भारत में नहीं रहे थे तो मंत्रालय उन्हें नागरिकता नहीं देता। इसके बाद रमेश ने गृह मंत्रालय के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी। अदालत ने उनसे कहा था कि वह एक हलफनामा दाखिल करें जिसमें इस बात की जानकारी दें कि उन्होंने अपना जर्मनी का पासपोर्ट सरेंडर कर दिया है और इस बात का भी सबूत दें कि उन्होंने जर्मनी की नागरिकता छोड़ दी है।

2013 में अविभाजित आंध्र प्रदेश की हाई कोर्ट ने रमेश को उपचुनाव में मिली जीत को रद्द कर दिया था। इसके बाद रमेश सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और वहां से हाई कोर्ट के आदेश पर स्टे की मांग की थी।

स्टे के लगे रहने तक उन्होंने 2014 और 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। 2023 के चुनाव में वह हार गए थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह पर दिग्गज संजय मांजरेकर के खुलासे ने किया हैरान

एडिलेड टेस्ट हारने के बाद टीम इंडिया को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया के नंबर 1 तेज गेंदबाज हैं. भारत की जीत पर उन पर काफी हद तक निर्भर करती है. इसलिए बीसीसीआई उनका खास ध्यान रखती है. कप्तान रोहित शर्मा भी उन्हें लेकर सतर्क रहते हैं. टीम मैनेजमैंट चाहती है कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जैसी बड़ी सीरीज और बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट रहें. साथ ही भारतीय टीम के लिए ज्यादा से ज्यादा दिन तक खेल सकें. इसलिए उन्हें पूरा आराम दिया जाता है. उनके आराम को लेकर दिग्गज क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने एक बड़ा खुलासा किया है. साथ ही टीम इंडिया को चेतावनी भी दी.

बुमराह ने खेले सिर्फ इतने मैच

संजय मांजरेकर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर एडिलेड टेस्ट की एनालिसिस के दौरान खुलासा किया कि जसप्रीत बुमराह को बहुत ज्यादा आराम दिया जाता है. उन्होंने बताया कि पिछले 3 साल में भारत ने जीतने भी मुकाबले खेले हैं, बुमराह ने उसके सिर्फ एक तिहाई मैचों में हिस्सा लिया. उन्होंने भारत के लिए सिर्फ 34 प्रतिशत मुकाबले खेले, जबकि वह भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं. उन्होंने सुनील गावस्कर का समर्थन करते हुए कहा कि बुमराह को सीरीज में बचे हुए सभी मुकाबले खेलने चाहिए. यही सीरीज है जो सालों साल याद रखें जाते हैं. इन मौकों के लिए उन्हें इतना आराम दिया जाता है.

मांजरेकर ने इस दौरान उन्होंने चेतावनी भी दी. उनके मुताबिक, टीम इंडिया उन पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है, जिसका नुकसान हो सकता है. कहा कि मोहम्मद शमी भारत के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं. हालांकि, कई बार उन्होंने बुमराह को भी पीछे छोड़ दिया, जबकि सिराज टीम के तीसरे पेसर के तौर पर खेलते रहे हैं. अब समय है कि मैनेजमेंट बुमराह का विकल्प तलाश करे.

मांजरेकर ने कहा कि जब बुमराह अटैक पर नहीं हो तो टीम के बाकी दो तेज गेंदबाज भी उतने ही असरदार होने चाहिए, जिसकी एडिलेड में कमी दिखी. अगर जल्दी ऐसा नहीं किया गया तो टीम का 90 के दशक जैसा हाल हो जाएगा. एक गेंदबाज के हटते ही विरोधी टीम हावी हो जाएगी.

क्या वाकई में बुमराह पर ज्यादा निर्भर है भारत?

संजय मांजरेकर की बातों में कहीं ना कहीं सच्चाई दिखती है. भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह पर काफी ज्यादा निर्भर लग रही है. उन पर ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने और ओवर डालने का प्रेशर है. पिछले 6 में से 5 टेस्ट मैच वह खेल चुके हैं. उन्हें सिर्फ मुंबई टेस्ट में आराम दिया गया था. वहीं पर्थ में उनकी घातक गेंदबाजी से टीम इंडिया ने 295 रन से जीत हासिल की. वहीं एडिलेड टेस्ट के दौरान वह एक तरफ से दबाव बनाने और विकेट चटकाने में कामयाब रहे. लेकिन दूसरी छोर से हर्षित राणा और सिराज का साथ नहीं मिला, जिसका नतीजा रहा कि टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा.

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

लगातार 11 मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा

रदरफोर्ड ने अपना पहला शतक बनाया

खेल डेस्क, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। शेरफेन रदरफोर्ड के पहले वनडे शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार 11 मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की।

सेंट किट्स में कैरेबियाई टीम ने 295 रनों का लक्ष्य हासिल कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

जीत के हीरो रदरफोर्ड रहे, जिन्होंने धीमी शुरुआत के बाद 80 गेंदों पर 113 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वेस्टइंडीज को एक समय 114 गेंदों पर 161 रनों की जरूरत थी, लेकिन उसने 14 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

रदरफोर्ड को दो बार गेंद हेलमेट पर लगी

रदरफोर्ड को दो बार गेंद उनकी हेलमेट पर लगी, उसके बावजूद उन्होंने अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपना शतक तब पूरा किया जब बांग्लादेश ने 47वें ओवर में ओवर थ्रो के जरिए 6 रन दिए।

उसके बाद उन्होंने सौम्या सरकार की गेंदों पर लॉन्ग-ऑफ और मिडविकेट पर लगातार छक्के लगाए, फिर उन्होंने शॉर्ट थर्ड मैन पर एक छक्का लगाया, जहां नाहिद राणा ने कोई गलती नहीं की और उनका कैच पकड़ लिया। लेकिन तब तक वेस्टइंडीज को सिर्फ जीत के लिए 7 रन चाहिए थे।

रदरफोर्ड ने कप्तान शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स के साथ अर्धशतीय साझेदारी की

रदरफोर्ड ने कप्तान शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स के साथ मिलकर पारी को संभाला। चौथे विकेट के लिए रदरफोर्ड ने होप के साथ 99 रन की साझेदारी की। होप ने 88 गेंदों पर 86 रन की पारी खेली।

वहीं पांचवें विकेट के लिए जस्टिन ग्रीव्स के साथ 57 गेंदों पर 95 रन की साझेदारी की। ग्रीव्स ने 31 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 41 रन बनाए।

बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद , नसीद राणा, रिशर हुसैन, मेहदी हसन मिराज और सौम्या सरकार ने एक- एक विकेट लिए।

सिराज पर 20% मैच फीस का जुर्माना लगा

हेड को एक डिमेरिट पॉइंट मिला; एडिलेड टेस्ट में दोनों ने की थी बहस

सएडिलेड, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बैटर ट्रैविस हेड को ICC ने क्रिकेट आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है। ICC ने दोनों प्लेयर्स को 1-1 डिमेरिट पॉइंट दिया। वहीं सिराज पर मैच फीस का 20% जुर्माना भी लगाया गया।

सिराज ने ICC कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया। वहीं हेड को आर्टिकल 2.13 के तहत दोषी पाया गया। पिछले 24 महीने में दोनों की पहली गलती थी, इसलिए किसी पर भी मैच का बैन नहीं लगा। दोनों 14 दिसंबर से शुरू होने वाले ब्रिसबेन टेस्ट में खेल सकते हैं।

82वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 7वां विकेट गंवाया। यहां ट्रैविस हेड 140 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सिराज के ओवर की तीसरी बॉल पर छक्का मारा, फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद हेड ने कुछ कहा जिसके बाद सिराज ने भी कुछ शब्द कहे और उन्हें सेंड ऑफ (बाहर जाने का इशारा किया) दिया। फिर हेड ने जाते हुए सिराज से कुछ कहा। ओवर के बाद सिराज को ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की हूटिंग का सामना भी करना पड़ा।

सिराज ने तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले स्टार स्पोर्ट्स हिंदी से कहा, जब मैंने उसे (ट्रैविस हेड) बोल्ड किया, तो मैंने केवल जश्न मनाया और उसने मुझे गाली दी और आपने इसे टीवी पर भी देखा। मैंने सिर्फ शुरुआत में जश्न मनाया, मैंने उससे कुछ नहीं कहा।

सिराज ने आगे कहा, प्रेस कॉन्फ्रेंस में उसने जो कहा वह सही नहीं था, यह झूठ है कि उसने सिर्फ मुझसे वेल बोल्ड कहा था। यह सभी ने देखा कि उन्होंने मुझसे ऐसा नहीं कहा था।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद हेड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैनें सिराज को वेल बोल्ड कहा था, लेकिन उन्होंने फालतू में गुस्सा दिखाया।

जूनियर महिला हॉकी एशिया कप के पहले मैच में भारत की जीत

बांग्लादेश को 13-1 से हराया

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। मुमताज खान के चार गोल के अलावा कनिका सिवाच और दीपिका की हैट्रिक की मदद से गत चैंपियन भारत ने महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में बांग्लादेश को 13-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

पूल ए के मैच में विजेता टीम के लिए मुमताज (27वें, 32वें, 53वें, 58वें), कनिका (12वें, 51वें, 52वें), दीपिका (7वें, 20वें, 55वें), मनीषा (10वें), ब्यूटी डुंग डुंग (33वें) और उप कप्तान साक्षी राणा (43वें) ने गोल दागे जबकि बांग्लादेश की ओर से ओरपिता पाल (12वें) ही एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। भारत ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और आराम से जीत दर्ज की।

भारत सोमवार को अपने दूसरे ग्रुप गेम में मलेशिया से भिड़ेगा। टीम अपना खिताब बचाने के अलावा अगले साल चिली के सैंटियागो में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की भी उम्मीद कर रही है। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा।

खो-खो विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार भारत

आज से शुरू होगा प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले महीने भारत की मेजबानी में खो-खो विश्व कप का आयोजन होना है। इससे पहले भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई), भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल मंत्रालय ने प्रशिक्षण शिविर के आयोजन का फैसला लिया है। सोमवार को केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। इसमें प्रदर्शन के आधार पर खो-खो विश्व कप में भाग लेने के लिए 15 पुरुष खिलाड़ी और इतने ही महिला खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम के लिए चयन किया जाएगा।

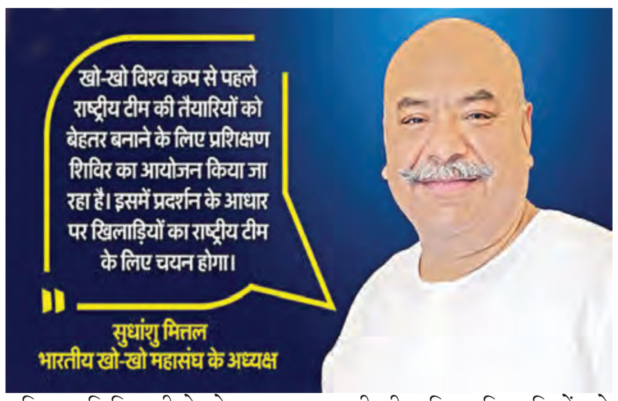

मुख्य कोच अश्विनी शर्मा करेंगे प्रशिक्षण शिविर की देखरेख

भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर मंगलवार यानी 10 दिसंबर से जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होगा। एक महीने तक चलने वाले इस शिविर की देखरेख भारतीय टीम के मुख्य कोच अश्विनी शर्मा करेंगे। इसमें देश भर से चुने गए 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों को टीम भावना विकसित करने, कौशल बढ़ाने, मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में अनुभवी और नए युवा खिलाड़ियों को खेल विशेषज्ञों द्वारा पोल डाइविंग, टैपिंग, जिग जैग रनिंग, डाजिंग टैपिंग आदि बारीकियां सिखाई जाएंगी।

प्रशिक्षण के साथ-साथ खिलाड़ियों को ये सुविधाएं भी देगा केकेएफआई

खो-खो विश्व कप का आयोजन 13 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होगा। सुधांशु मित्तल ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर की औपचारिक शुरुआत से पहले दो दिनों के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा परीक्षण किए जाएंगे। खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था जवाहर लाल नेहरू साई छात्रावास में की जाएगी। सभी खिलाड़ियों को निशुल्क आवास सुविधा तथा 20,000 रुपये के मूल्य की खेल किट उपलब्ध कराई जाएगी।

तनीषा-अश्विनी ने गुवाहाटी मास्टर्स का खिताब बरकरार रखा

फाइनल में चीनी जोड़ी को हराया

गुवाहाटी, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय महिला युगल जोड़ ने फाइनल में चीन की ली हुआ झोउ और वांग जी मेंग को हराकर गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपना खिताब बरकरार रखा। पेरिस ओलंपिक में भी भाग लेने वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 43 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में ली और वांग को 21-18, 21-12 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

दुनिया की 16वें नंबर की जोड़ी तनीषा और अश्विनी ने धमाकेदार शुरुआत की और 8-2 की बढ़त बना ली। हालांकि चीन की जोड़ी ने गेम के मध्य अंतराल तक अंतर 10-11 तक कम कर दिया और दबाव बनाए रखा। 18-19 तक यह जोड़ी पिछड़ रही थी। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अंतिम दो अंक हासिल कर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत प्रतिस्पर्धात्मक रही। लेकिन भारतीयों ने सात अंक की बढ़त के साथ 15-6 की बढ़त बना ली। उन्होंने लय बनाए रखी और खिताब बरकरार रखा।

अनमोल खिताब से चूकीं

दूसरी ओर, उभरती हुई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब अपने पहले सुपर 100 खिताब के करीब पहुंचने के बाद महिला एकल फाइनल में चीन की काई यान यान से 21-14, 13-21, 19-21 से हारकर उपविजेता रहीं।

78 मिनट तक चला महिला एकल मुकाबला उतार चढ़ाव भरा रहा जिसमें अनमोल ने पहले गेम में अपना कौशल दिखाया और 4-4 की बराबरी से बढ़त बनाते हुए छह गेम प्वाइंट से पहला गेम जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में काई ने शानदार जज्बा दिखाया और 10-4 की बढ़त को 14-6 कर दिया और अंत में इसे जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरा गेम करीबी रहा जिसमें अनमोल ने 4-0 की बढ़त को 10-8 कर दिया। लेकिन काई वापसी करते हुए 18-16 से आगे हो गईं। अनमोल हालांकि 19-19 से बराबरी पर आ गईं। लेकिन ताकतवर स्मैश से चीन की खिलाड़ी को मैच प्वाइंट मिल गया और अनमोल की नेट पर गलती से काई जीत दर्ज करने में सफल रहीं।

‘पृथ्वी शॉ साहब, दूसरे विनोद कांबली मत बनो’

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने दी भारतीय बल्लेबाज को सलाह

इस्लमाबाद,, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। पृथ्वी शॉ इन दिनों खराब दौर से गुजर रहे हैं। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में शॉ को किसी भी टीम ने खरीदने में दिलचस्पी तक नहीं दिखाई। शॉ के करियर का ग्राफ बेहद तेजी से नीचे गिर रहा है। खराब फॉर्म के साथ-साथ बढ़ता वजन और फिटनेस को लेकर भी भारतीय बल्लेबाज की जमकर आलोचना हो रही है। हर कोई शॉ को खुद पर फोकस करने की सलाह दे रहा है। इस कड़ी में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली का भी बयान सामने आया है। बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पृथ्वी शॉ को लेकर कहा, “पृथ्वी शॉ साहब अपने आप को सुधारो। आप इस समय अभी सिर्फ 23-24 साल के ही हैं। मेरे बेटे की उम्र के हो। क्रिकेट पर फोकस कीजिए। दूसरे विनोद कांबली मत बनो। मुझे दर्द होता है, क्योंकि आप एक क्रिकेटर हैं। आप हमारी फैमिली से हैं। खुद में सुधार करो मेरे बच्चे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहे हैं। खुद पर विश्वास रखो। मैदान पर जाओ और दमदार प्रदर्शन करके दिखाओ। कड़ी मेहनत कभी भी खराब नहीं जाती है।” शॉ काफी लंबे समय से आउट ऑफ फॉर्म चल रहे हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल ने चंडीगढ़ को हराया

3 रन से जीत दर्ज की, शमी ने 32 रन बनाए, 1 विकेट भी लिया

बेंगलुरु, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बंगाल ने चंडीगढ़ को 3 रन से हरा दिया। चंडीगढ़ ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। टीम ने बंगाल के 8 विकेट 114 रन पर गिरा दिए थे। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी करने आए शमी ने 17 बॉल पर नाबाद 32 रन बना दिए, जो आखिर में टीम के लिए मैच जिताऊ पारी साबित हुई। चंडीगढ़ से जगजीत सिंह ने 4 विकेट लिए।

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर159 रन बनाए। जवाब में चंडीगढ़ 20 ओवर खेलकर 156 रन ही बना सकी। राज बावा ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए। बंगाल के लिए शमी ने 4 ओवर में 13 डॉट बॉल डाली, 25 रन देकर 1 विकेट भी लिया। सायन घोष ने 4 विकेट लिए। चंडीगढ़ को जीत के लिए 20वें ओवर में 11 रन चाहिए थे। यहां कप्तान घरामी ने सायन घोष को बॉलिंग दी। जिन्होंने यॉर्कर बॉल पर निखिल शर्मा को आउट किया। वहीं जगजीत सिंह रन आउट हो गए। घोष ने ओवर में मात्र 7 रन दिए और बंगाल को 3 रन से जीत दिला दी।

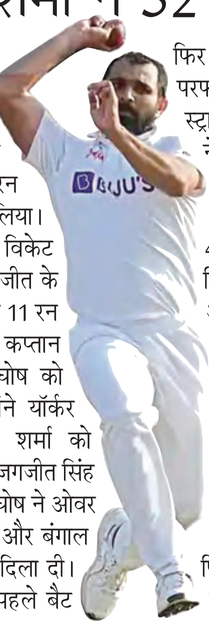

मोहम्मद शमी ने पहले बैट फिर बॉल दोनों के साथ शानदार परफॉर्म किया। उन्होंने 188.23 के स्ट्राइक रेट से 32 रन बनाए। शमी ने पारी में 3 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। वहीं उन्होंने 139 की रफ्तार से बॉलिंग करते हुए 4 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर अरसलान खान को शून्य के स्कोर पर आउट किया।

34 साल के शमी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 16 दिन में 8 मैच खेले और लगभग सभी मैचों में अपने 4 ओवर का कोटा पूरा किया। जिससे पता चलता है की वह पूरी तरह से फिट हैं। कई बॉलिंग एक्सपर्ट्स का मानना था कि शमी अपने इस सीजन के पहले रणजी ट्रॉफी मैच मध्यप्रदेश के खिलाफ ओवरवेट दिख रहे थे। मैच में उन्होंने दोनों इनिंग मिलाकर 42 ओवर जरुर डाले थे। लेकिन उनको अपने फॉलो थ्रू को लेकर दिक्कतें आ रही थी। चंडीगढ़ के खिलाफ शमी पूरी तरह से अपनी लय में दिखे।

उन्होंने अपने पहले 3 ओवर के स्पेल में मात्र 11 रन दिए। इसके बाद चौथे ओवर में शमी को जगजीत ने एक चौका और छक्का लगाया। सैयद मुश्ताक अली और रणजी ट्रॉफी को मिलाकर शमी ने कुल 64 ओवर डाले। जिसमें उन्होंने 16 विकेट लिए। शमी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी में 42.3 ओवर की गेंदबाजी की और 7 विकेट लिया। वहीं

जल्द डॉक्टर बनेगा वेंकटेश अय्यर

मुंबई, 9 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में अपने शानदार प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स को चैम्पियन बनाने वाले वेंकटेश अय्यर कुछ समय में डॉक्टर बनने वाले हैं। वेंकटेश को हाल ही में आईपीएल ऑक्शन में 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, जिससे वो अब तक के चौथे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे। 29 साल के इस ऑलराउंडर ने बताया कि भारत की जर्सी पहनना उनके लिए क्यों मायने रखता है और खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना क्यों जरूरी है। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा, ‘मैं फाइनेंस में पीएचडी कर रहा हूं। अगली बार आप मेरा इंटरव्यू डॉ. वेंकटेश अय्यर के रूप में लेंगे। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहती है। एक क्रिकेटर 60 साल की उम्र तक नहीं खेल सकता। शिक्षित होना आपके फैसलों में भी आपकी मदद करता है। मैं चाहता हूं कि एक क्रिकेटर ना केवल क्रिकेट ज्ञान बल्कि सामान्य ज्ञान भी सीखे। यदि आप ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन पूरी कर सकते हैं तो आपको जरूर करनी चाहिए।’ कोलकाता नाइट राइडर्स ने मेगा ऑक्शन से पहले अपने इस ऑलराउंडर को रिलीज कर दिया था। हालांकि मेगा ऑक्शन में केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच उनको खरीदने को लेकर जबरदस्त होड़ देखने को मिली, लेकिन आखिर में केकेआर के मैनेजिंग डायरेक्टर वैंकी मैसूर उन पर विजयी बोली लगाने में सफल रहे।

नई प्रतिमा राज्य के लोकाचार के अनुरूप : पोन्नम प्रभाकर

विपक्ष की आलोचना के बीच विधानसभा में तेलंगाना तल्ली प्रतिमा पर चर्चा

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधानसभा में तेलंगाना तल्ली (मां तेलंगाना) प्रतिमा के अनावरण पर गहन चर्चा हुई, जिसमें सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के मंत्रियों और नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू ने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के डिजाइन और अनावरण का बचाव करते हुए इसे राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतिबिंब बताया। आलोचनाओं का जवाब देते हुए उन्होंने बीआरएस पार्टी पर जवाबदेही से बचने के लिए जानबूझकर विधानसभा सत्र से बचने का आरोप लगाया। श्रीधर बाबू ने कहा, हमें लगा कि वे चर्चा में भाग लेंगे, लेकिन उन्होंने दूर रहना ही बेहतर समझा। उन्होंने बीआरएस नेताओं से एक दिन के लिए राजनीतिक मतभेदों को अलग रखने और अनावरण समारोह में भाग लेने का आग्रह किया। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्य के आधिकारिक प्रतीक के रूप में तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के महत्व पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कोई आधिकारिक प्रतिनिधित्व मौजूद नहीं था। उन्होंने तेलंगाना की सांस्कृतिक और भावनात्मक भावनाओं को मूर्त रूप देने वाली प्रतिमा को डिजाइन करने और अनावरण करने के लिए पिछले दशक के दौरान पहल की कमी की आलोचना की। पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की, नई प्रतिमा राज्य के लोकाचार के अनुरूप है और इसे आगे चलकर सभी सरकारी कार्यालयों में स्थापित किया जाएगा। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने में सोनिया गांधी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा, सोनिया गांधी के बिना, तेलंगाना को एक और जीवनकाल में भी हासिल नहीं किया जा सकता था। उन्होंने प्रतिमा अनावरण का राजनीतिकरण करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की, उन्होंने कहा कि जिस दिन हम तेलंगाना के सांस्कृतिक प्रतीक का सम्मान कर रहे हैं, विपक्ष अपनी शुभकामनाएं देने के बजाय विरोध प्रदर्शन कर रहा है। वेंकट रेड्डी ने मूर्ति के डिजाइन के बारे में दावों को खारिज करते हुए तर्क दिया, क्या हमारी मां को उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए मुकुट या हार की आवश्यकता है? मूर्ति तेलंगाना की भावना का सच्चा प्रतिबिंब है। एक अन्य मंत्री सीतक्का ने विपक्ष, विशेष रूप से भाजपा और बीआरएस को राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना तल्ली मूर्ति के अनावरण का उपयोग करने के लिए फटकार लगाई। उन्होंने सवाल किया कि पिछले दशक में तेलंगाना तल्ली को आधिकारिक रूप से मान्यता देने के लिए कोई प्रयास क्यों नहीं किए गए। उन्होंने कहा, वे मूर्ति में बदलाव की बात करते हैं, लेकिन जब तेलंगाना को टीजी से टीएस में बनाया जा रहा था, तब वे कहां थे? आज, वे आपत्तियां उठाते हैं जबकि हम तेलंगाना की सच्ची भावना को संरक्षित करने के लिए काम करते हैं। सीतक्का ने पिछली कार्रवाइयों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने पहले केटीआर की बहन जैसी मूर्ति को तेलंगाना तल्ली के रूप में स्थापित किया था। उन्होंने पुष्टि की, वर्तमान मूर्ति वास्तव में तेलंगाना के लोगों के श्रम, संघर्ष और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है, उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बच्चे साधारण नहीं बल्कि लचीले और मजबूत हैं।

प्राथमिकता के आधार पर हो जनसमस्याओं का निस्तारण

जिला कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को निर्देश

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलक्टर सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि जन शिकायतों का प्राथमिक के आधार पर निस्तारण किया जाना चाहिए। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर स्थित सभा कक्ष में अपनी समस्याएं व्यक्त करने आए लोगों की जिला कलक्टर सी. नारायण रेड्डी, अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह, डीआरओ द्वारा संगीता ने समस्याओं की सुना। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले के अधिकारी प्रत्येक सोमवार को विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर लोक रेडियो कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने और समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आवेदनों को लंबित न रखते हुए समय-समय पर समीक्षा करते रहना चाहिए। सोमवार को प्रजावाणी कार्यक्रम एवं उनकी कुल (52) शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें राजस्व विभाग- 45, अन्य विभाग- 07, कुल 52 आवेदन प्राप्त हुए।

कांग्रेस ने पुनः डिजाइन की गई तेलुगू तल्ली की प्रतिमा का किया बचाव

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को राज्य सचिवालय में पुन: डिजाइन की गई तेलुगू तल्ली प्रतिमा के अनावरण को लेकर गरमागरम बहस हुई, जिसमें कांग्रेस सरकार ने नए डिजाइन को उचित ठहराया। सरकार ने दावा किया कि बीआरएस शासन के दौरान पिछले संस्करण को कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं दी गई थी, जिसके कारण मौजूदा सरकार को डिज़ाइन को औपचारिक रूप देना पड़ा। विधानसभा में एक बयान देते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि नया डिज़ाइन तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तेलुगू तल्ली उस मां का प्रतिनिधित्व करती है जिसने राज्य आंदोलन के दौरान चार करोड़ लोगों को एकजुट किया और उनका नेतृत्व किया। यह प्रतिमा हमारे इतिहास और शहीदों के बलिदान का प्रतीक है, जबकि प्रतिमा हमारी परंपराओं और संस्कृति का प्रतीक है।

रेवंत रेड्डी ने मूर्ति को फिर से डिजाइन करने में सांस्कृतिक समृद्धि को मिटाने के आरोपों को खारिज कर दिया। रेवंत ने तेलंगाना की पहचान का जश्न मनाने के लिए 9 दिसंबर को तेलुगू तल्ली अवतारण उत्सव के रूप में भी घोषणा की। भाजपा ने डिजाइन को अंतिम रूप देने से पहले राजनीतिक दलों से परामर्श न करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा विधायक पायल शंकर और पलवई हरीश बाबू ने मूर्ति से प्रमुख सांस्कृतिक प्रतीक बथुकम्मा को बाहर रखे जाने पर दुख जताया और इसे शामिल करने का आग्रह किया। हरीश बाबू ने याद दिलाया कि भारत माता को सबसे पहले बंगाल में एक साधारण महिला के रूप में डिजाइन किया गया था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने देश की समृद्धि को दर्शाने के लिए मुकुट और आभूषणों के साथ इसे फिर से डिजाइन करवाया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने इसे उलटने का फैसला किया।

सीपीआई विधायक कुनामनेनी संभाशिव राव ने विपक्षी दलों से सलाह किए बिना प्रतिमा को फिर से डिजाइन करने पर कांग्रेस का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) सरकार ने भी तेलंगाना थल्ली के डिजाइन को अंतिम रूप देने से पहले अन्य राजनीतिक दलों, खासकर सीपीआई से सलाह नहीं ली। कांग्रेस के मंत्री डी श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर ने भी सरकार के इस कदम का बचाव करते हुए तर्क दिया कि पिछली बीआरएस सरकार आधिकारिक डिजाइन को मंजूरी देने में विफल रही। उन्होंने कहा कि नई कांग्रेस सरकार ने राज्य गान, तेलंगाना थल्ली के डिजाइन को आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी है और लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार टीएस से टीजी में संक्षिप्त नाम भी बदल दिया है।

सोनिया गांधी के जन्मदिन पर मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद हनुमंत राव के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने बड़ा केक काटा और जश्न मनाया। एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, सांसद अनिल कुमार यादव, एमएलसी बालमुरी वेंकट, सैट अध्यक्ष शिव सेना रेड्डी, मत्स्य पालन अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार, विकलांग निगम अध्यक्ष, वीरैया ने भाग लिया। बाद में एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी और अन्य ने टीपीसीसी के तत्वावधान में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

भक्तों की आस्था के अनुरूप मंदिरों में हो रहे है कार्य : मंत्री

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा को 11 दिसंबर को श्री मुत्यालम्मा मंदिर, कुम्मारिगुडा, सिकंदराबाद में देवी प्रतिमा की पुन: स्थापना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनने के लिए आमंत्रित किया है। धर्मस्व विभाग की मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त श्रीधर, सहायक आयुक्त संध्या रानी ने मंत्री सुरेखा को विधानसभा के मंत्री कक्ष में एक साथ निमंत्रण दिया।

मंत्री सुरेखा ने मुत्यालम्मा मंदिर के जीर्णोद्धार और गर्भगृह में मुत्यालम्मा की मूर्ति को निर्धारित समय के भीतर पुनर्स्थापित करने के लिए कदम उठाने के लिए अधिकारियों को बधाई दी। मुथ्यालम्मा के पुन:प्रशंसा कार्यक्रम को उत्सव की तरह आयोजित करने का आदेश दिया गया। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंदिरों को कांग्रेस सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप भक्तों की आस्था और भावनाओं के अनुरूप डिजाइन किया जाए।

हैकाथॉन का समापन समारोह 11-12 दिसंबर को

संगारेड्डी, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटी-एच) अपने परिसर में 11 और 12 दिसंबर को कृषि नवाचार पर विशेष ध्यान देने के साथ स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) के 7वें संस्करण के समापन समारोह की मेजबानी करेगा।

आईआईटी-एच इस कार्यक्रम की मेजबानी करेगा, लेकिन यह देश भर के 51 केंद्रों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे, जबकि राष्ट्रीय कृषि एवं अनुसंधान प्रबंधन अकादमी के निदेशक सीएच श्रीनिवास राव आईआईटी-एच परिसर में कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

आईआईटी-एच के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति ने कहा कि एसआईएच एक गतिशील मंच है जो नवाचार, उद्यमशीलता और रचनात्मक समस्या समाधान को बढ़ावा देता है - जो शिक्षा और उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण चालक हैं। वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, स्थिरता और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करके एसआईएच के मिशन का मूल है। निदेशक ने कहा कि इन प्रयासों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे स्थानीय समुदायों को लाभ मिलेगा और भारत नवाचार में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री ने तिरुचनूर वार्षिक उत्सव की सफलता पर टीटीडी की सराहना की

तिरुपति, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने सोमवार को तिरुचनूर में वार्षिक कार्तिक ब्रह्मोत्सवम को भव्य और सफल तरीके से आयोजित करने के लिए टीटीडी की सराहना की और इसके लिए विस्तृत व्यवस्था की। एक्स प्लेटफॉर्म पर अपनी बधाई पोस्ट करते हुए, सीएम ने कहा, तिरुचनूर में श्री पद्मावती अम्मावरु के इस वर्ष के वार्षिक कार्तिक ब्रह्मोत्सवम की दिव्य भव्यता को देखकर वास्तव में प्रसन्नता हुई। यह पवित्र त्यौहार देवी की असीम कृपा का एक गहरा प्रतीक है हमारे दिलों को आध्यात्मिक उत्साह से भर दिया और हमें अपनी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि मैं कहां कि मैं श्री देवस्थानम की सावधानीपूर्वक व्यवस्थाओं की सराहना करना चाहूंगा, जिससे भक्तों को देवी की दिव्य कृपा और आशीर्वाद में पूरी तरह से डूबने का मौका मिला। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष तिरुचनूर में वार्षिक ब्रह्मोत्सव 28 नवंबर को शुरू हुआ और 6 दिसंबर को संपन्न हुआ।

टीटीडी ईओ ने अयोध्या के महायज्ञ में भाग लिया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के ईओ जे. श्यामला राव ने अपने जीवनसाथी के साथ उत्तरा के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री महा नारायण दिव्य रुद्र सहित सता सहस्र चंडी विश्व शांति महा यज्ञ में भाग लिया। विश्व शांति को लेकर शुरू हुआ यह यज्ञ 18 नवंबर को शुरू हुआ है और 45 दिनों तक चलेगा और 2025 में 1 जनवरी तक पूरा होगा। इस यज्ञ के दौरान टीटीडी ईओ ने विशेष पूजा की।

मोहन बाबू के फार्म हाउस पर हल्का तनाव

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ अभिनेता मंचू मोहन बाबू और उनके छोटे बेटे तथा अभिनेता मंचू मनोज कुमार के बीच पारिवारिक विवाद की खबरों के बीच, सोमवार को शहर के बाहरी इलाके पहाड़ी शरीफ के जलपल्ली स्थित उनके फार्म हाउस में हल्का तनाव व्याप्त हो गया। दिग्गज अभिनेता के बड़े बेटे मांचू विष्णु के संभावित दौरे के मद्देनजर, दर्जनों निजी सुरक्षा कर्मियों (बाउंसरों) को आसपास के इलाकों में तैनात किया गया था। विष्णु, जो एमएए के अध्यक्ष भी हैं, के शाम को दुबई से आने और अपने पिता और भाई से मिलने की उम्मीद है।

इससे पहले, रविवार को मंचू मनोज को कथित तौर पर फार्म हाउस में कुछ लोगों के समूह द्वारा पीटे जाने के बाद चोटें आईं थीं, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वायरल हो रही खबरों के अनुसार, पिता और पुत्र के बीच किसी पारिवारिक विवाद के चलते तीखी नोकझोंक हुई और मोहन बाबू के साथियों ने मनोज पर हमला कर दिया। पहाड़ी शरीफ पुलिस ने बताया कि उन्हें मनोज के घर से डायल-100 पर पारिवारिक विवाद के बारे में कॉल आया था, लेकिन कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

खबरों में कहा गया कि मोहन बाबू के साथियों ने मनोज की पिटाई की और पिता-पुत्र दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ शिकायत की। हालांकि मांचू परिवार की पीआर टीम ने कहा कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है कि मोहन बाबू और मनोज ने एक दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है। इस बीच, बंजारा हिल्स स्थित एक निजी अस्पताल से मनोज, उनकी पत्नी भूमा मौनिका और अन्य लोगों के साथ सर्वाइकल कॉलर पहने हुए और कठिनाई से बाहर निकलते हुए एक वीडियो वायरल हुआ। गौरतलब है कि पिछले साल मंचू विष्णु और मनोज के बीच कथित तौर पर बहस का एक वीडियो वायरल हुआ था। हालांकि, उस समय मनोज ने बाद में सफाई देते हुए कहा था कि यह एक रियलिटी शो का हिस्सा था।

कोटी में डीएमई कार्यालय पर आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कोटी स्थित डीएमई कार्यालय परिसर में पारिश्रमिक में बढ़ोतरी की मांग को लेकर कई आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई।

प्रदर्शन के दौरान एक गुस्साई आशा कार्यकर्ता को पुलिस वैन में जबरन बैठाया गया, जब उसका पैर पुलिस वाहन के दरवाजे में फंस गया तो वह चिल्लाने लगी। दर्द से कराहते हुए आशा कार्यकर्ता ने तुरत प्रतिक्रिया देते हुए सुल्तान बाजार इंस्पेक्टर श्रीनिवास चारी को थप्पड़ मार दिया।

इस घटना को देखकर, मौके पर मौजूद अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और महिला कांस्टेबलों ने उसे काबू में किया और अन्य आशा कार्यकर्ताओं के साथ उसे जबरन पुलिस वैन में डालकर पास के पुलिस स्टेशन ले गए।

इससे पहले, बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता कार्यालय के सामने एकत्रित हुईं और मांग की कि राज्य सरकार उनका वेतन बढ़ाकर 18,000 रुपये करे, जो कि कांग्रेस नेताओं द्वारा चुनाव पूर्व किया गया वादा था।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने चुनाव के दौरान आशा कार्यकर्ताओं के वेतन में वृद्धि का वादा किया था, लेकिन इसे लागू करने के लिए आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

वादा पूरा करने की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ता कोटी में विरोध प्रदर्शन करने पहुंचीं, लेकिन कानून-व्यवस्था का मुद्दा भांपकर पुलिस ने उन्हें रोक लिया और कई प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में ले लिया।

घायल आशा कार्यकर्ता को ओजीएच में किया गया स्थानांतरित

हैदराबाद, 9 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी स्थित चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रही आशा कार्यकर्ता संतोषिनी को अधिकारियों ने जबरन पुलिस वैन में डाल दिया था, जिसके बाद उन्हें सोमवार को उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में भर्ती कराया गया। घायल आशा कार्यकर्ता को आपातकालीन चिकित्सा विंग में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं द्वारा चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। इस बीच, बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता आशा कार्यकर्ता से मिलने और यह सुनिश्चित करने के लिए ओजीएच जा रहे हैं कि उसे उचित देखभाल मिले।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.